शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

मूल्य : 5/-
2 जून से 8 जून, 2025
वर्ष - 4, अंक - 7

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 5
मुश्किल परिस्थितियों में...

पेज 5
फिल्म में काजोल अपनी बेटी...

'भारतीय सेना के पराक्रम के आगे झुका पाक'

कानपुर में बोले प्रधानमंत्री- दुश्मन कहीं भी हो, खत्म कर देंगे, बेटियों के सिंदूर का आक्रोश दुनिया ने देख लिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर आपरेशन सिंदूर की चर्चा करते हुए कहा, बेटियों के सिंदूर का आक्रोश दुनिया ने देखा। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। वह यहां एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर हो, ये हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तो जरुरी है ही। ये देश के आत्मसम्मान के लिए भी उतना ही जरुरी है। इसलिए हमने देश को उस निर्भरता से आजादी दिलाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया। इस दौरान बटन दबाकर प्रदेश की 47,600 करोड़ की 15 बड़ी परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इसके पहले पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा भारत अब एटम बम की गीदड़भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। आतंकियों के आका और आतंकी सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो हौंक दिया जाएगा।

पीएम मोदी ने कहा कि विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस हमले का शिकार कानपुर के शुभम भी हुए। वह पीड़ा, कष्ट और भीतर का आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों-बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया में देखा गया। हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने सैंकड़ों मील अंदर घुसकर तबाह कर दिए। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया

कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ाकर युद्ध रोकने की मांग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैं सेना के शौर्य और पराक्रम को बार-बार सैल्यूट करता हूं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह दुश्मन किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। पीएम मोदी ने कहा कि जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधाएं, जो संसाधन बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं, वो सब अब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो, तो देश और प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर हो, ये हमारी अर्थव्यवस्था के लिए तो जरुरी है ही। ये देश के आत्मसम्मान के लिए भी उतना ही जरुरी है। इसलिए हमने देश को उस निर्भरता से आजादी दिलाने के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि एक समय जहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे। वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में अड203 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया, उस ब्रह्मोस मिसाइल का भी नया पता है-उत्तर प्रदेश।

शुभम के परिवार ने पीएम से कहा, हमारे बेटे की मौत बेकार न हो : पीएम नरेंद्र मोदी ने पहलगाम हमले में मारे गए शुभम द्विवेदी के परिवार से 8 मिनट मुलाकात की। चकेरी एयरपोर्ट पर पीएम मोदी के सामने शुभम की पत्नी ऐशन्या, पिता संजय, मां सीमा भावुक हो गईं। सभी ने रोते हुए हाथ जोड़े। कहा, हमारे बेटे की मौत जाया न होने पाए। शुभम की पत्नी ऐशन्या फफक-फफक रोने लगीं। मोदी भी उनके आंसू देखकर भावुक हो गए। कहा- आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर थमा है...खत्म नहीं हुआ, यह आगे भी जारी रहेगा। पीएम मोदी ने पिता संजय द्विवेदी के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें ढांढस बंधाया। शुभम की पत्नी ऐशन्या ने पति को शहीद का दर्जा देने की मांग की थी।

पीएम ने घाटमपुर पावर प्लांट की पहली यूनिट का किया लोकार्पण

घाटमपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीएसए पहुंचकर 47,574 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास करने के साथ लोकार्पण किया। इसमें घाटमपुर ताप विद्युत संयंत्र (पावर प्लांट) की पहली यूनिट यानि 660 मेगावाट विद्युत उत्पादन का लोकार्पण भी शामिल रहा। इस दौरान पावर प्लांट में एल ई डी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव संबोधन भी सुना। यहां पर पावर प्लांट के अधिकारियों द्वारा पावर प्लांट के आसपास स्थित 8 गांवों के प्रधानों के अलावा उन किसानों को भी बुलाया गया था जिन्होंने अपनी जमीन पावर प्लांट में दी थी, जो पीएम नरेंद्र मोदी के पहली यूनिट का लोकार्पण करने के साक्षी भी बने। इस मौके पर सीएमडी एनएलसी आईएल प्रसन्ना कुमार मोतू पल्ली ने सभी अधिकारियों का बधाई दी। घाटमपुर पावर प्लांट के सीईओ एस दुर्ई कुमार ने बताया कि शेष दो अन्य यूनिट का जल्द काम पूरा करने का प्रयास जारी है। पहली यूनिट से होने वाले विद्युत उत्पादन से उत्तर प्रदेश के 40 लाख घरों को सालाना बिजली आपूर्ति का लाभ मिलेगा। 25 हजार प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के भी अवसर बनेंगे।

पतंजलि पर गड़बड़ी का आरोप

नई दिल्ली। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि को केंद्र सरकार ने नोटिस भेजा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी जांच एजेंसियों को पतंजलि के पैसों के लेन-देन में गड़बड़ियां मिलीं हैं। एजेंसियों ने कई फाइनेंशियल ट्रांजैक्शंस को संदिग्ध माना है।कॉरपोरेट अफेयर्स मंत्रालय ने पातंजलि को नोटिस जारी कर दो महीने के भीतर जवाब देने को कहा है। जांच शुरूआती चरण में है, इसलिए रकम का खुलासा नहीं हुआ है। कंपनी के खिलाफ कॉर्पोरेट गवर्नेंस नियमों के उल्लंघन और फंड डायवर्जन की आशंका पर जांच शुरू की गई है। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। बाबा रामदेव ने कहा था कि जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है। इसके खिलाफ रूह अफजा शरबत बनाने वाली कंपनी हमदर्द ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलीलें दीं। रोहतगी ने कहा कि यह धर्म के नाम पर हमला है।

जाति जनगणना से पहले कास्ट लिस्ट

नई दिल्ली। जाति जनगणना से पहले केंद्र सरकार जातियों की सूची बनाएगी, ताकि सुनियोजित डेटा इकट्ठा हो। जातियों पर राजनीतिक सहमति के लिए इसे सर्वदलीय बैठक में भी रखा जाएगा। राजनीतिक पार्टियों के सुझावों-आपत्तियों के आधार पर सूची फाइनल होगी। गृह मंत्रालय और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की हाल में हुई बैठक में यह तय हुआ। जातीय जनगणना के लिए सामाजिक न्याय मंत्रालय समन्वयक रहेगा। जातियों की मान्य सूची जरूरी है, क्योंकि अनुसूचित जाति और जनजाति तो गिनती में हैं। लेकिन अन्य पिछड़े वर्ग की जातियों पर असमंजस है। देश में जनगणना की प्रक्रिया 2026 में शुरू होने की संभावना है।

पत्नी संग वारसी शेयर मार्केट से बैन

मुंबई। सिक्योरिटी एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया गोरेट्टी को 1 साल के लिए शेयर मार्केट से बैन कर दिया है। यह कार्रवाई साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों में पंप एंड डंप स्कीम के तहत हेराफेरी के मामले में हुई है। सेबी ने इनपर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इन दोनों के अलावा इस मामले में 57 अन्य लोगों पर भी 1 से 5 साल तक का बैन लगा है। पंप एंड डंप स्कीम एक तरह की शेयर बाजार धोखाधड़ी है। इसमें कुछ लोग मिलकर किसी कंपनी के शेयर की कीमत को गलत तरीके से बढ़ाते हैं, जैसे भ्रामक खबरें फैलाकर या झूठी सलाह देकर। जब कीमत ऊंची हो जाती है, तो वो अपने शेयर बेचकर मुनाफा कमा लेते हैं। इससे आम निवेशकों को भारी नुकसान होता है, क्योंकि कीमत बाद में गिर जाती है। सात मास्टरमाइंड को 5 साल के लिए बैन किया गया है। स्कीम में शामिल लोगों पर 5 लाख से लेकर 5 करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगा है। सभी 59 लोगों को 58.01 करोड़ रुपए का अवैध मुनाफा लौटाने का आदेश दिया है। जांच खत्म होने की तारीख से लेकर पैसे लौटाने तक 12% सालाना ब्याज भी देना होगा।

जमींदारी प्रथा नहीं चलेगीः प्रधानमंत्री

गरमाई सियासत : पटना में टिकट मांगने वाले नेताओं को नसीहत

पटना। बिहार दौरे पर आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के उन नेताओं को बड़ा झटका दे दिया जो अपने बहु-बेटों के लिए टिकट की आस लगाए बैठे हुए थे। सूत्रों के मुताबिक उन्होंने सांसदों, विधायकों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में लकीर खींचते हुए कहा कि राजनीति में परिवारवाद नहीं होना चाहिए, जमींदारी प्रथा नहीं होनी चाहिए। आप नहीं तो आपके पुत्र, यह नहीं होना चाहिए।उन्होंने टिकट बंटवारे में कार्यकर्ताओं को तरजीह देने की बात कही और सवालिया अंदाज में मौजूद नेताओं से यह भी कहा कि कार्यकर्ता मेहनत क्यों करता है? उसे मेहनत का फल क्यों नहीं मिलना चाहिए? प्रधानमंत्री मोदी ने टिकट की

पॉलिटिक्स

सवालिया अंदाज में मौजूद नेताओं से पीएम ने कहा, कार्यकर्ता मेहनत क्यों करता है? उसे मेहनत का फल क्यों नहीं मिलना चाहिए?

दावेदारी कर रहे नेताओं को लेकर लकीर खींचते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर ताकत होगी, तभी टिकट की दावेदारी होगी। नेताओं और कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया पर एक्टिव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो भी नेता उम्मीदवारी (टिकट) चाहते हैं, सोशल मीडिया पर उनके कम से कम 50 हजार से अधिक फॉलोवर होने चाहिए।

निर्देशः नीट-पीजी परीक्षा अब एक शिफ्ट में हो

नई दिल्ली। नीट-पीजी परीक्षा परीक्षा एक ही शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह आदेश दिया। छात्रों ने 2 शिफ्ट में परीक्षा के खिलाफ याचिका दाखिल की थी।

उनका कहना था कि 2 शिफ्ट में एग्जाम से क्वेश्चन पेपर के डिफिकल्टी लेवल में फर्क होता है, जो फेयर इवैल्युएशन नहीं है। परीक्षा में हासिल किए गए नंबर्स में भी फर्क आ जाता है। नीट-पीजी परीक्षा 15 जून को होना है जिसके लिए एडमिट कार्ड 2 जून को जारी होंगे। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने मामले की जल्द सुनवाई की है। बेंच ने कहा- ये तर्क माना नहीं जा सकता कि एग्जाम कराने के लिए एनबीई (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन) को पर्याप्त सेंटर नहीं मिले। 2 शिफ्ट में एग्जाम कराना फेयर नहीं है।

जजों की कमी पर जवाब तलब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में बड़ी संख्या में जजों के रिक्त पद को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर

हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। अधिवक्ता सतीश त्रिवेदी की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर सीनियर एडवोकेट सैयद फरमान अहमद नकवी ने पक्ष रखा। साथ ही अधिवक्ता शाश्वत आनंद और सैयद अहमद फैजान भी याची की ओर से पेश हुए। इस मामले की सुनवाई 21 जुलाई को फ्रेश केस के तौर पर टॉप 10 मामलों में की जाएगी। मामले की सुनवाई जस्टिस वीके बिड़ला व जस्टिस जितेंद्र कुमार सिन्हा की बेंच ने सुनवाई की। हाईकोर्ट में न्यायिक रिक्तियों को लेकर दाखिल की गई पीआईएल पर सुनवाई हुई। तर्क दिया देश के सबसे बड़े हाईकोर्ट में मुकदमों के बढ़ते अंबार के बावजूद यहां पर जजों के बड़ी संख्या काफी कम है। जनहित याचिका में कहा गया है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में 11.5 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। हाईकोर्ट की कार्यशील क्षमता केवल 54 फीसदी पर है। याचिका में जजों के रिक्त पदों को भरने के लिए समयबद्ध, पारदर्शी और उत्तरदायी तंत्र की मांग की गई। यूपी की जनसंख्या के अनुपात में जजों की स्वीकृत संख्या बढ़ाने की भी अपील की गई। जनवरी 2025 में जब यह याचिका दायर हुई थी, तब हाईकोर्ट में मात्र 79 न्यायाधीश कार्यरत थे, जो कुल 160 जजों की स्वीकृत संख्या का 49 फीसदी था। हालांकि जजों की संख्या अब बढ़कर 87 हो गई है, लेकिन इसके बावजूद हाईकोर्ट केवल 54 फीसदी कार्यक्षमता पर संचालन कर रहा है।

नेपाल में भारत के 15 पर्वतारोही सम्मानित : किन्नौर। नेपाल में अंतरराष्ट्रीय एवरेस्ट दिवस के मौके पर 100 से अधिक पर्वतारोहियों को सम्मानित किया गया। समारोह में भारत के 15 पर्वतारोही भी शामिल थे। नेपाल के पर्यटन मंत्री बद्री पांडे ने सभी पर्वतारोहियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए। इस मौके पर हिमाचल प्रदेश के किन्नौर से अमित नेगी भी सम्मानित हुए थे। वे भारत के सबसे युवा एवरेस्ट विजेताओं में से एक हैं। उन्होंने एवरेस्ट (8848.86 मीटर), कंचनजंगा (8,586 मीटर) और अन्नपूर्णा (8091 मीटर) को सफलतापूर्वक फतह किया है।

देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सक्रिय मामलों की संख्या शुक्रवार को 1828 पहुंच गई। गुजराज के अहमदाबाद में एक दिन के नवजात की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इसके बाद बच्चे को आईसीयू में रखा गया है। बीते सप्ताह बच्चे की मां भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई थी, हालांकि अब उनकी रिपोर्ट निगेटिव है। इसके अलावा 8 महीने की एक बच्ची गुरुवार से ऑक्सीजन सपोर्ट पर है। वहीं, देश में कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 15 हो गई है, इसमें सबसे ज्यादा 6 मौतें महाराष्ट्र में हैं।

कार से मिले डेढ़ करोड़ रुपये, व्यापारी को नोटिस

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस दे दिया है। इस बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बात दें कि माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे।

आदेश के बाद भी नहीं किया स्थानांतरण

डीडीयू नगर। पीडीडीयू जंक्शन के डीआरएम के खिलाफ एक कर्मचारी ने शिकायत दर्ज कराई है। बताया गया कि कुमार परमानंद का स्थानांतरण बीते 22 मई को सीएलडब्ल्यू के लिए किया गया था। रेलवे बोर्ड ने इसका पत्र भी जारी किया है, जिसमें दो कर्मचारियों का जिक्र है। आरोप है कि डीआरएम ने इस आदेश पर कार्रवाई नहीं की।

राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लायें : डीएम

आजमगढ़। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व विभाग एवं अन्य विभागों की राजस्व वूसली एवं राजस्व वादों की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने सभी राजस्व एवं अन्य विभागों के अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड का प्रदेश स्तर से मूल्यांकन प्राप्त होने के बाद सी, डी एवं ई ग्रेड वाले विभागों को राजस्व से संबंधित वादों के निस्तारण की कार्यवाही प्रारंभ करने का निर्देश दिया। धारा 24 के निस्तारण में सगड़ी, बूढ़नपुर, मेंहनगर द्वारा अपेक्षित लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति बहुत धीमी मिलने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए गुणवत्तायुक्त निस्तारण करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त राजस्व अधिकारियों को 24 घंटे के अंदर धारा 24 के कम से कम 25 प्रतिशत वादों को निस्तारित करने का निर्देश दिया। धारा 80 के वादों को 30 दिन के अंदर स्पष्ट आदेश करते हुए निस्तारित करने का निर्देश दिया। उन्होंने धारा 34 एवं धारा 67 में सबसे अधिक लंबित वाले तहसीलों के नायब तहसीलदारों को नोटिस देने का निर्देश दिया।

समय के साथ बदलता रहा है पत्रकारिता का मापदंड

वाराणसी। महामना मदन मोहन मालवीय हिंदी पत्रकारिता संस्थान और पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी पत्रकारिता दिवस पर शुक्रवार को 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य एवं अवदान' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने कहा कि समय के साथ पत्रकारिता का मापदंड बदलता रहा है। वर्तमान में एक वर्ग देश के विरूद्ध कार्य करने में लगे हैं। तथ्यों को तोड़-मरोड़कर अपने हिसाब से पेश करते हैं। उन्होंने कहा कि जब सब लोग झूठ बोलने लगते हैं तो सच बोलना खतरनाक हो जाता है। कहा कि काशी से हम सबको सच बोलने का संकल्प लेना चाहिए। सच को बिना लाग लपेट के बोलना और दिखाना होगा।

सारस्वत अतिथि पत्रकारिता एवं जनसंचार संकाय, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय के अध्यक्ष प्रो. राघवेंद्र मिश्र ने हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर विस्तार से प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि सन 1780 के बाद से ब्रिटिश सरकार अपने खिलाफ लिखने वाले अखबार को नहीं छपने देती थी। ऐसे मुश्किल हालात में पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने 1826 में हिंदी भाषा का पहला समाचार पत्र निकाला। इसी के साथ उन्होंने हिंदी पत्रकारिता के लिए रास्ता बनाया। मुख्य वक्ता स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के संकायाध्यक्ष प्रो. गोपाल सिंह ने पत्रकारिता में आ रही नैतिक गिरावट पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अब पत्रकारिता सिर्फ मुनाफे का जरिया हो गई है। कहा कि पत्रकारिता ने आपने काम से लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ होने का सम्मान कमाया है। यह पत्रकारों पर निर्भर करता है कि वह किस हद तक पत्रकारिता धर्म निभाते हैं।

35 आरोपियों को पांच-पांच साल की कैद

सख्त फैसला : अकोला हिंसा में कोर्ट का फैसला 32 दोषियों को भेजा जेल

आगरा। बहुचर्चित पनवारी कांड में वर्ष 1990 में भड़की हिंसा में कागारौल के अकोला में हुई जातीय हिंसा में शुक्रवार को कोर्ट का फैसला आ गया। 34 साल बाद कोर्ट ने बुधवार को 35 आरोपियों को दोषी करार दिया था। 32 को जेल भेज दिया गया। तीन दोषियों के कोर्ट में हाजिर नहीं होने पर गैर जमानती वारंट जारी किए गए हैं। 15 आरोपियों को साक्ष्य के अभाव में बरी किया गया है। मुकदमा विचारण के दौरान 22 की मृत्यु हो गई थी।

कोर्ट में शुक्रवार को सजा सुनाई गई। दोषियों को पांच साल का कठोरवास और हर एक पर 41 हजार का जुर्माना लगाया गया है। बता दें सिकंदरा के गांव पनवारी में

अनुसूचित जाति के युवक की बरात चढ़ाने के मुद्दे पर 21 जून, 1990 को जाट और जाटव समाज के लोगों के बीच संघर्ष हुआ था। 22 जून को पुलिस की मौजूदगी में बरात चढ़ाए जाने पर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया था। पुलिस के साथ पीएसी ने बल प्रयोग किया था। फायरिंग में गोली लगने से सोनी राम जाट की मृत्यु हो गई थी।

इसके बाद आसपास के गांवों में हिंसा भड़क गई थी। 24 जून, 1990 को गांव अकोला में दोपहर 1 बजे अनुसूचित जाति और जाट समाज के लोग आमने-सामने आ गए। डेढ़ घंटे तक हुए संघर्ष में एक महिला की मौत हो गई थी। 150 से अधिक घायल हुए थे। मामले में 200 से अधिक लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। विवेचना के बाद 72 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज हुआ था।

अंकिता भंडारी मर्डरः भाजपा नेता के बेटे समेत 3 को उम्रकैद : कोटद्वार। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री के बेटे पुलकित आर्य समेत 3 को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलकित के अलावा उसके दो कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी सजा सुनाई गई है। कोटद्वार जिला कोर्ट ने इस मामले में 2 साल 8 महीने के बाद फैसला दिया है। तीनों दोषियों पर 50 -50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है।

लाइव लॉ के अनुसार कोर्ट ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अंकिता ऋषिकेश में पुलकित आर्या के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता गायब हो गई थी। 24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर में मिला था। कोर्ट का फैसला आने से पहले अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह ने बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। उन्होंने कहा, जिन दरिंदों ने उनकी निर्दोष बेटी को मारा, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए।

घायल युवक की मौत के बाद सड़क पर उतरे लोग, दो पुलिसकर्मी निलंबित

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। रामनगर के गोलाघाट निवासी मुकेश चौहान की सोमवार को ईलाज के दौरान ट्रामा सेंटर में मौत हो गई। युवक के मौत की खबर लगते ही मोहल्ले में मातम छा गया। आक्रोशित लोगों ने आरोपी के घर हंगामा करने के बाद चौक चौराहा पर चक्काजाम कर दिया।

लोगों की मांग है कि दो अन्य आरोपी को भी गिरफ्तार किया जाए। दोषियों को फांसी देने के साथ ही मकान पर बुलडोजर चलाने की मांग है। चक्काजाम की सूचना पर मौके पहुंचे थानाध्यक्ष राजू सिंह लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे।

बताते चलें कि बीते 10 मई को मुकेश चौहान रात में मां की दवा लेने बाजार जा रहा था। परिजनों का आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते मोहल्ला निवासी नंदलाल यादव ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ मिलकर मुकेश चौहान को लाठी-डंडे से बुरी तरह मारपीट कर अधमरा कर दिया था। उसका इलाज ट्रामा सेंटर में चल

रहा था लेकिन वह खत्म हो गया।

दो पुलिसकर्मी निलंबित : रामनगर थाना क्षेत्र के प्रकरण में लापरवाही बरतने के आरोप में दरोगा अमीर बहादुर सिंह और दरोगा अंशू पांडेय को डीसीपी काशी जोन ने निलंबित किया। इससे पहले कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने अपनी नाराजगी जताई। उन्होंने मौके से ही सीपी मोहित अग्रवाल से बातचीत की। कहा कि जब तक थानाध्यक्ष सहित तीन पुलिसकर्मियों से पर कार्रवाई नहीं होती, तब तक मैं यहीं पर बैठा रहूंगा।

बीआरसी कार्यालय का ताला तोड़ लाखों का सामान चोरी

मेन गेट से लेकर बीआरसी कार्यालय का कुल छह ताला तोड़ चोरों ने खंगाला

चंचल सिंह

सकलडीहा। पुलिस अधीक्षक की लाख कवायद के बाद भी चोरों का हौसला बुलंद है। गुरूवार की देर रात चोरों ने धरहरा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का ताला तोड़कर चार से पांच लाख का इलेक्ट्रानिक सामान चोरी कर चंपत हो गये। सुबह घटना की जानकारी होने पर बीआरसी कार्यालय में खलबली मच गया।

बीईओ ने कोतवाली पहुंचकर चोरी की घटना की लिखित एफआईआर दर्ज कराया है। सूचना पर सीओ रघुराज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया। रात्रि गशत मे घूम रहे पुलिस वाहन सहित कोवताली पुलिस के खिलाफ लापरवाही पर नाराजगी जताया। धरहरा स्थित खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गुरूवार को कर्मचारी और अधिकारी काम करने के बाद शाम को मेन गेट,कार्यालय गेट और अधिकारी के कार्यालय में दो दो ताला लगाकर वापस घर चले गये थे। देर रात को चोरों ने मेनगेट से लेकर कार्यालय के चैनल गेट औ खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का कुल 6 ताला तोड़कर 63 इंच का बड़ी ईलीडी टीवी, चार इन्वटर की बैटरी दो इंवर्टर, स्टेबलाइजर, कूलर, प्रिंटर सीपीओ सहित सीसी कैमरे का डीपीआर तक चोरों ने उखाड़कर ले गये। सुबह कर्मचारी और अधिकारी के पहुंचने पर ताला टूटा देख हैरान होगये। खंड शिक्षा अधिकारी अवधेश कुमार राय ने चोरी की घटना का लिखित कोतवाली पहुंचकर एफआईआर दर्ज कराया। बैटरी इनवर्टर सहित अन्य इलेक्ट्रानिक सामान के चोरी होने पर पूरे दिन खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय का कामकाज ठप रहा। मौके पर पहुंचे सीओ रघुराज ने घटना के बारे में विस्तार से जानकारी लिया। रात्रि गशत में चलने वाली वाहन और चौकी पुलिस कर्मियों की लापरवाही पर नाराजगी जताया। सीओ ने चोरी घटना का शीघ्र ही खुलासा करने का दावा किया।

रात्रि गशत बढ़ाने की ग्रामीणों ने उठायी मांग : सकलडीहा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों की ओर से कानून व्यवस्था को बेहतर बनाये जाने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। लेकिन कोतवाली और चौकी पुलिस सिर्फ चुनिंदा सिपाहियों के माध्यम से सेटेलमेंट में जुटे रहते है। सुबह शाम ओवरलोड बालू वाहन और अवैध खनन को पास कराने में दिन भर जुटे रहते है। लेकिन रात्रि गशत के नाम पर कोरमपूर्ति किया जाता है।

राजकीय बीज गोदाम से धान का बीज प्राप्त करें

चंदौली। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया कि जनपद चंदौली के सभी किसान भाइयों को अवगत कराना है कि ब्लॉक के सभी राजकीय बीज गोदामों पर एमटीयू 7029 जिसे नॉटी मंसूरी भी कहते है, एचयूआर 917 (मालवीय सुगंधा) बीपीटी 5204 धान का बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जनपद के किसान अपनी खतौनी के अनुसार अपने ब्लॉक के राजकीय बीज गोदामों पर पहुंच कर नियमानुसार पोस मशीन पर अंगूठा लगाकर आवश्यकतानुसार बीज लेकर समय से नर्सरी डालें। एक किसान को अधिकतम उनके खतौनी के अनुसार 2 हेक्टेयर के लिए ही बीज दिया जा सकता है। बीज पर अनुदान एट सोर्स के माध्यम से तुरन्त दिया जाएगा। ब्लॉक नियामताबाद, चकिया, चंदौली पर जिप्सम उपलब्ध हो गया है शीघ्र ही अन्य ब्लॉकों पर उपलब्ध करा दिया जाएगा। जिप्सम के उपयोग से मिट्टी की संरचना में सुधार और उसकी जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति और फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है।

सरकारी विभागों के कामकाज की प्रमुख सचिव ने की समीक्षा

चंदौली। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव मनीष चौहान की अध्यक्षता में आकांक्षी जनपद के संदर्भ में नीति आयोग द्वारा निर्धारित पैरामीटरों पर आधारित समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस दौरान प्रमुख सचिव ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास एवं अन्य प्रमुख विभागों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने जनपद के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए विभागीय अधिकारियों को पारदर्शिता, तत्परता एवं परिणामोन्मुखी कार्यशैली अपनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बेहतर मॉनिटरिंग कर स्वास्थ्य सुविधाएं आमजन को सुविधाजनक रूप से उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने शिक्षा विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति हेतु निर्देश दिए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से पशुओं का टीकाकरण की जानकारी ली एवं बीमा कराने एवं अधिक से अधिक पशुपालकों का केसीसी कराने पर बल दिया। कृषि विभाग से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं एग्रीकल्चर केसीसी कराने पर बल दिया। अग्रणी बैंक प्रबंधक से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने आकांक्षी जनपद के अंतर्गत प्राप्त फण्ड के कार्यों की जानकारी के साथ आवश्यक निर्देश दिए। कहा कि आकांक्षी जनपद के रूप में चंदौली की पहचान

को सकारात्मक दिशा में ले जाने हेतु आवश्यक है कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा नीति आयोग द्वारा निर्धारित सूचकांकों में निरंतर सुधार सुनिश्चित करें। बैठक में उन्होंने प्रत्येक विभाग से प्राप्त प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा करते हुए क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं की प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप जमीनी स्तर पर बदलाव लाना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। अंत में जिलाधिकारी चन्द्र मोहन गर्ग ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रमुख सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा निर्देश दिए गए हैं उसका कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर सीएमओ डॉ वाईके राय, उप निदेशक कृषि भीम सेन, जिला पंचायत राज अधिकारी नीरज सिंहा, बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं को सशक्त बना रही है सरकार

चंदौली। नगर पंचायत कार्यालय सभागार में शुक्रवार को अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस दौरान गोष्ठी आयोजित कर उनके व्यक्तित्व व जीवनी पर प्रकाश डाला गया। इस मौके पर मुख्य वक्ता रीना तिवारी ने अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केंद्र और प्रदेश की सरकार पूरी तरह कटिबद्ध है। माता अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से हमें और आपको प्रेरणा लेनी चाहिए जिन्होंने महिलाओं की कार्य कुशलता को उस समय साबित किया जब उन्हें समाज कमजोर मानता था। उन्होंने कहा की महिलाओं को शक्ति माना जाता है। मानव जाति का अस्तित्व महिलाओं के कारण ही माना जाता है। चेयरमैन सुनील यादव गुड्डू ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर एक ऐसी महान महारानी थीं जिन्होंने अपने शासनकाल में न केवल अपने राज्य की सीमाओं के भीतर बल्कि पूरे भारत में विभिन्न तीर्थ स्थलों और स्थानों पर मंदिरों का निर्माण, घाटों का निर्माण, कुओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया। उन्होंने मार्गों का निर्माण और सुधार करवाया, भूखों के लिए अन्नसत्र खोले और प्यासों के लिए प्याऊ बिठलाईं। उन्होंने शिक्षा व धर्म के साथ ही समाज में व्याप्त अंधविश्वास को मिटाने का कार्य किया। हम सभी को ऐसे महान व्यक्तित्व से प्रेरणा लेकर देश व समाज के विकास में अपना योगदान देने के लिए संकल्पित होने की जरूरत है। इस अवसर पर प्रदीप, शीला देवी, बिन्दो तिवारी, मोनिका गौतम, शम्भू लाल, प्रमोद कुमार, संजय, अर्पणा, शम्स तबरेज, विजय कुमार जायसवाल, सुनील सिंह, विनय, उषा देवी आदि रही।

मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

नियामताबाद। वेलस्पन फाउंडेशन फॉर हेल्थ एंड नॉलेज एवं उसकी सहयोगी संस्था समर्पण के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट वेल स्वास्थ्य के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस पर सरने पंचायत स्थित रविदास मंदिर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ परियोजना समन्वयक रितेश द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि हर वर्ष 28 मई को अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म स्वच्छता दिवस मनाने का उद्देश्य मासिक धर्म से जुड़ी भ्रांतियों को समाप्त करना और महिलाओं व किशोरियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

विशेष रूप से, वेलस्पन फाउंडेशन के सीएसआर अधिकारी नितिन ने जानकारी देते हुए बताया कि मासिक धर्म के दौरान सैनिटरी पैड का प्रयोग अधिक सुरक्षित होता है। उन्होंने यह भी बताया कि वेलस्पन फाउंडेशन महिलाओं को बेहतर मासिक धर्म प्रबंधन के लिए संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है।

तहसील फीडर में आग लगने से सकलडीहा में घंटों आपूर्ति ठप

सकलडीहा। तहसील मुख्यालय की बिजली उपकेन्द्र की फीडर में गुरूवार की देर शाम 7 बजे अचानक केबिल और पैनल में शार्ट सर्किट होने पर रात 12 बजे तक विद्युत आपूर्ति ठप रहा। गर्मी और उमस से परेशान कस्बावासियों की विद्युत उपकेन्द्र पर भारी संख्या में भीड़ जुट गया। विद्युत कर्मियों की कड़ी मशक्कत के बाद देर रात को विद्युत आपूर्ति बहाल होने पर गर्मी और उमस से कस्बावासियो को राहत मिली।

व्यापारियों ने सुबह शाम आये दिन बिजली कटौती की व्यवस्था दुरूस्थ करने की मांग किया। सकलडीहा तहसील मुख्यालय की बिजली उपकेन्द्र से सकलडीहा कस्बा, नागेपुर, तहसील, सीओ कार्यालय, कोतवाली, ब्लॉक, तेन्दुईपुर, ईटवा, ताजपुर, दुगार्पुर,टिमिलपुर आदि गांवों में बिजली सप्लाई होती है। चिलचिलाती धूप और गर्मी से उपकेन्द्र में लगे बड़े बड़े ट्रांसफार्मर हीट हो जा रहे है। सुरक्षा को लेकर पानी गिराकर ठंडा किया जा रहा है। गुरूवार की तेज धूप और उमस होने पर पूरे दिन ट्रांसफार्मर से फीडर ओवरलोड में हीट हो गया था। देर शाम सात बजे करीब फीडर की पैनल में शार्ट सर्किट होने से धूं धूंकर जलने लगा। मौके पर मौजूद एसएसओ ने हिम्मत जुटाते हुए फीडर बंद करकर भारी नुकसान होने से बचाया। देर रात दर्जनों

विद्युत कर्मी बिजली उपकेन्द्र पर पहुंचकर रात 12 बजे बिजली आपूर्ति शुरू कराये जाने पर कस्बावासी सहित अधिकारियों ने राहत की सांस लिया। एसडीओ सतीश कुमार ने बताया कि पैनल का केबल शार्ट सर्किट से जल जाने पर लग सहित अन्य तकनीकी समस्या के कारण विद्युत आपूर्ति बंद रहा। देर रात बारह बजे बिजली सप्लाई करा दिया गया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष केके सोनी, मुकेश नंदन, आशीष जायसवाल, अभय सिंह, टेंगरी सोनकर, राकेश मोदनवाल, कृष्णा गुप्त, हलीम सहित अन्य कस्बावासी बिजली कर्मियों के सहयोग में जुटे रहे।

संक्षेप समाचार...

करकट से पटता जा रहा गंदानाला

सकलडीहा। तहसील मुख्ययाल होने के बाद भी प्लाटरों और भू माफियाओं की ओर से मनमानी ढ़ग से अवैध अतिक्रमण किया जा रहा है। इसके बाद भी तहसील प्रशासन अनजान बना हुआ है। नागेपुर गांव का दो प्रमुख गंदा नाला कूड़ा करकट डालकर पाटा जा रहा है। शिकायत के बाद भी तहसील प्रशासन तो दूर फोरलेन बनाने वाली कार्यदायी संस्था भी चुप्पी साधे हुए है। जिसे लेकर व्यापारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। समस्या का समाधान नहीं होने पर व्यापारियों ने आन्दोलन की चेतावनी दिया है। सकलडीहा कस्बा के नागेपुर गांव अर्न्तगत दो प्रमुख गंदा नाला सकलडीहा इंटर कॉलेज गेट के समीप पुरानी खोवा आढत के पास और डाकघर के सामने कब्रिस्तान के पास है। इस दो प्रमुख गदा नाला से मंत्री आवास से लेकर दोनों पटरी का गंदा पानी व बरसात का पानी नाला से होकर बाहा में जाता है। बिगत कई साल से दोनों प्रमुख नालों की साफ सफाई नहीं होने पर भू माफियाओं और प्लाटरों की ओर से कूड़ा करकट से पाटकर कब्जा करने की कोशिश किया जा रहा है। इसके बाद भी तहसील प्रशासन आने वाले दिनों में बरसात में होने वाली जलभरॉव की समस्या को लेकर अनजान बने हुए है। वही फोर लेन बनाने वाली कार्यदायी संस्था बाहा के लिये बनायी गयी पुलिया को तोड़कर निर्माण करने में टालमटोल कर रहे है। व्यापार मंडल अध्यक्ष केके सोनी, राकेश मोदनवाल, प्रभुनाथ गुप्त, दीपक सेठ, सुनील रस्तोगी, दिलीप जायसवाल, जियुत गुप्ता आदि ने गंदा नाला की साफ सफाई और पुलिया निर्माण शीध्र कराये जाने की मांग किया है।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में मिलेगा अनुदान

सकलडीहा। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में लाभार्थियों को 51 हजार की जगह एक लाख रुपये शादी अनुदान के लिये दिया जायेगा। शासन की इस पहल से गरीब परिवार की बेटियों की शादी विवाह तय करने में काफी सहूलियत होगा। इसके लिए ब्लॉक स्तर पर कवायद तेज हो गया है। शासन स्तर पर निर्देश मिलने पर शादी विवाह के लिये आवेदन लिया जायेगा। गरीब परिवार की बेटियों को शादी के लिए 51 हजार मिलता था, जिसमें 35 हजार रुपये बेटियों के खाते में भेजा जाता था। दस हजार का सामान और पांच हजार रुपये शादी विवाह व खान पान के लिये खर्च होता था। मुख्यमंत्री की ओर से सामूहिक विवाह के लिये धनराशि एक लाख रुपये कर दिया गया है। जिसका शासनादेश जिला और ब्लॉक स्तर पर आ गया है। इसके तहत 60 हजार रुपये बेटी के खाते में भेजा जायेगा। 25 हजार का सामान और 15 हजार रुपये खर्च शादी विवाह और खान पाने के लिये किया जायेगा। शासन के इस पहल से गरीब बेटियों को शादी विवाह तय होने में काफी सहूलियत मिलेगा। ग्रामीणों ने सरकार के इस फैसले का सराहना किया है। एडीओ समाज कल्याण अधिकारी जगदीश यादव ने बताया कि सरकार की ओर से गरीब बेटियों की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एक लाख का अनुदान शादी विवाह सहित अन्य कार्य के लिये मिलेगा।

जन चौपाल में एसडीएम के समक्ष रखी समस्याएं

नौगढ़। प्रशासन आपके द्वार जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन उपजिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को चकरघट्टा थाना क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय धनकुवारी कला व मझगाईं में किया गया। जिसमें विभागीय व कार्यदायी संस्थाओं की ओर से लगाए गए स्टालों का निरीक्षण करके उपजिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। वहीं 05 महिलाओं की गोदभराई व 03 बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। आयोजन में अनुपस्थित विभागाध्यक्षों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी को रिपोर्ट भेजा गया है। उपजिलाधिकारी ने बताया कि जन चौपाल कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर गांव वासियों की समस्याओं को सुनकर समाधान कराया जाना व शासन से संचालित जन हितकारी योजनाओं का लाभ पात्रों को प्राथमिकता के आधार पर अक्षरशः दिया जाना है। गांव वासियों ने प्रार्थना पत्र देकर के अपनी अपनी समस्या बतलाया। जिसपर उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित कर एक सप्ताह में स्थलीय सत्यापन करके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण रिपोर्ट देने को कहा। खण्ड विकास अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि जनपद के सबसे पिछड़े हुए क्षेत्र में पेयजल की होने वाली समस्या का समाधान कराने की निरंतर पहल जारी है। किसी भी गांव व बस्ती में पेयजल की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल सूचना देने को कहा।

कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को किया जागरूक

चहनियां। क्षेत्र के महुअरकला और बलुआ में शुक्रवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें अचार,पापड़ सहित फलों और सब्जियों के व्यवसाय से जुड़ी जानकारी दी गयी। कार्यक्रम व्यवस्थापक द्वारा कृषि बैज्ञानिको और अतिथियों को अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी की डॉ. स्वाति शर्मा ने महिला कृषकों को बहुत सारे प्रोडक्ट जैसे अचार, पापड़, जैम, जेली आदि बनाने के साथ ही भोजन में फलों और सब्जियों के महत्व के बारे में जानकारी दिया। डॉ. अमितबसिंह द्वारा मृदा स्वास्थ्य और श्री अन्न के बारे में जानकारी दिया। इसमे होने वाले बीमारीयो में श्री अन्न के योगदान के बारे में बताया। एसबीआई जनरल इंसोरेंस कम्पनी द्वारा फसल बीमा के बारे में जानकारी लाभ और सावधानी के बारे में जानकारी दिया। यह भी बताया कि यह कार्यक्रम प्रतिदिन तीन ग्राम पंचायतों में होगा, जो 29 मई से 12 जून 2025 तक चलेगा। इस दौरान कार्यक्रम व्यवस्थापक डॉ.ए के तिवारी, एडियो पीपी गुलाब मौर्य, एसएमएस डॉ. संजय सिंह यादव, तकनीकी सहायक कमलेश प्रजापति, रामानन्द, अमित मौर्या, शिवांगी पाण्डेय, दामिनी, गुलशन, विकास, सुरेंद्र मिश्रा, नरेंद्र, राधेश्याम, ओमकार यादव, सियाराम प्रजापति, रंजीत बहादुर सिंह, अशोक कन्नौजिया, रामसेवक यादव आदि उपस्थित रहे। संचालन सहायक विकास अधिकारी कृषि चहनियां सुनील यादव ने किया।

सफाई के अभाव में नाली में तब्दील हुई डिग्घी माइनर

नियामताबाद। नरायनपुर पंप कैनाल से निकली नहर मुसाखाड डिविजन में डिग्घी माइनर खुदाई के अभाव में नाली में तब्दील हो गई है। जबकि इससे सैकड़ों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) मण्डल अध्यक्ष वाराणसी मण्डल जितेन्द्र प्रताप तिवारी ने कहा मोहब्बतपुर, रामपुर उर्फ अकबरपुर, झांसी, करनपुर, डिग्घी, डेवढिल,बसनी, बाजीतपुर आदि गांवों के किसानों की डिग्घी माइनर से सिंचाई होती है। नेशनल हाइवे के उत्तर तरफ माइनर नाली में तब्दील हो गई है। माइनर घास फूस से पटी हुई है। यही नहीं दिवाल देकर अतिक्रमण किया गया है, जो सिंचाई विभाग के जिलेदार,जेई, एसडीओ, अधिशासी अभियंता मौन साधे हुए हैं। विभूति नारायण तिवारी ने कहा कई बार अवगत कराने के बाद भी किसानों की फसल की सिंचाई समय से करवाना पसंद नहीं करते हैं। अतिक्रमणकारियों से मिली भगत है। जिलाध्यक्ष गोपाल सिंह ने कहा कि क ई बार सिंचाई विभाग द्वारा सफाई करने एवं अतिक्रमण हटाने का सिर्फ आश्वासन दिया जा रहा है अब आन्दोलन की जरूरत है। धरना,प्रदर्शन एवं हाइवे जाम कुछ भी करने के लिए किसान बाध्य होंगे। इसके जिम्मेदार सिंचाई विभाग होगा। युवा जिलाध्यक्ष रंकज सिंह ने कहा डिग्घी माइनर की सफाई एवं अतिक्रमण हटाने को शिकायत किसान दिवस में किया था। लेकिन आज तक सिंचाई विभाग द्वारा सफाई व अतिक्रमण नहीं हटाया गया है।

संगठनों ने पार्टी की मजबूती पर किया मंथन

चंदौली। मुख्यालय स्थित जिला कार्यालय चन्द्रा त्रिपाठी भवन पर शुक्रवार को जिला कांग्रेस फ्रंटल प्रकोष्ठ की (किसान कांग्रेस, यूथ कांग्रेस, सेवादल) की संगठन सृजन हेतु संयुक्त बैठक हुई। इस दौरान सेवादल पूर्वी जोन के अध्यक्ष सतीश बिंद व मुख्य अतिथि जिला कोऑर्डिनेटर कमलेश ओझा मौजूद रहे। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष माधवेंद्र मूर्ति ओझा ने कहा कि यूथ कांग्रेस का संगठन जिला, विधानसभा एवं ब्लॉक स्तर तक गठित किया जा चुका है।

यूथ कांग्रेस जल्द ही जिले के हर बूथ पर दस यूथ की टीम तैयार करने जा रही है, जो ग्राम सभा की समस्याओं को जिले स्तर पर ले आकर मजबूती से उठाया जायेगा। किसान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा ने कहा कि वर्ष 2025 को संगठन सृजन का वर्ष अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा घोषित किया गया है। किसान कांग्रेस चन्दौली द्वारा जिला कमेटी का गठन कर दिया गया है। ब्लॉक कमेटी के गठन का कार्य चल रहा है, जल्द ही मण्डल स्तर तक किसान कांग्रेस का मजबूत संगठन जिले में तैयार हो जायेगा। सेवादल के जिलाध्यक्ष दशरथ चौहान ने कहा कि कांग्रेस सेवादल लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। जिला स्तर पर सेवादल का संगठन जल्द तैयार कर गांव गांव ध्वज वंदन व समाजसेवा का

कार्यक्रम किया जायेगा। जिला कोऑर्डिनेटर ने संगठन को किस प्रकार से निचले स्तर तक ले जाना है उसके बारे में विस्तार से बताया। बैठक में शहर मुगलसराय कोऑर्डिनेटर राजीव त्रिपाठी, मधु राय, गंगा प्रसाद, ज्ञान पाण्डेय, विनोद सिंह, असगर मिर्जा, चंद्रवंश यादव,वीरेंद्र यादव, संजय गोड़, नरेंद्र प्रताप सिंह,श्याम सुंदर दूबे, नरेंद्र तिवारी,परमानन्द तिवारी,सभापति चौबे, शिवेंद्र मिश्रा, शिवशंकर पाण्डेय,विकास खरवार, प्रकाश शर्मा, मुहम्मद कमरुद्दीन आदि रहे।

महिला चिकित्सक के नहीं आने से मरीजों को हो रही परेशानी : नौगढ़। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगढ में नियुक्त महिला चिकित्सक की मौजूदगी नहीं रहने से महिला संबंधित बीमारियों का ईलाज कराने में काफी परेशानी हो रही है। अभिभावकों का आरोप है कि 06 माह से अधिक समय से महिला ओपीडी कक्ष में ताला लटक रहा है। जिससे महिलाओं को बीमार होने पर नजदीकी प्राइवेट झोलाछाप डॉक्टरों या जनपद सोनभद्र के रावर्टसगंज वाराणसी चकिया पं.दीनदयाल उपाध्याय नगर ईत्यादि स्थानों पर जाकर के दवा उपचार कराना पड़ रहा है, जिसमे काफी परेशानी होने के साथ ही समय व काफी धन व्यय करना पड़ता है। जिसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की बार किए जाने के बाद भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगढ मे नियुक्त महिला चिकित्सक की उपस्थिति नहीं हो रही है। जनपद के सबसे पिछड़े हुए क्षेत्र में अधिकांश लोग गरीबी स्तर में जीवन यापन कर रहे हैं। दूर के चिकित्सालयों में जाकर दवा उपचार कराने में लगने वाला काफी धन की भरपाई कर पाने में कर्ज के रूप में रूपया लेने की स्थिति बन जा रही है। गांववासी रामचंद्र, गोरख, अमित कुमार, सुनील, पंकज, मोहनलाल, लालसाहब, रामकेश, राजेश, कैलाश, बाबूलाल, राजेन्द्र आदि का कहना है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगढ मे नियुक्त महिला चिकित्सक की मौजूदगी नहीं रहने से महिला मरीजों को ईलाज कराने में बहुत काफी परेशानी हो रही है। मजबूरन प्राइवेट झोलाछाप डॉक्टरों से ईलाज कराना पड़ जा रहा है। उपजिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगढ मे नियुक्त महिला चिकित्सक को करीब 06 माह से ड्यूटी पर मौजूद नहीं रहने का मामला प्रकाश में आया है।

न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रही गरीब व लाचार जनता : अंजनी सिंह

धानापुर। जिला पंचायत सदस्य अंजनी सिंह ने प्रदेश भाजपा सरकार को जनहित के मामलों में लचर और फेल बताया। कहा कि उत्तर प्रदेश में गरीब, असहाय व लाचार जनता न्याय पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं लेकिन उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने प्रशासनिक व्यवस्था एवं अधिकारियों द्वारा जनता और जनहित के संग की जा रही घोर नाइंसाफी के मामलों में कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सत्ता को डुबाने के लिए जिला, तहसील, ब्लॉक व थानों पर बैठे अधिकारी बड़ी मोटी मोटी मजबूत कील गढ़ने का काम कर रहे हैं। भाजपा के अपने ही लोग उल्टी सीधी पैरब्बी करके न्याय का गला घोंट रहे हैं। साथ ही योगी की नाव में कील ठोककर सत्ता की नाव जल्द से जल्द डुबाने पर लगे हुए हैं। जन समस्याओं की सुनवाई एवं निराकरण के मामले में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार को जिला तहसील ब्लॉक थानाओं के अधिकारियों ने पूर्ण तरीके से फेल कर दिया है। गरीब, असहाय, लाचार लोगों के आशियाने पर बुलडोजर चलाने के लिए अधिकारी हाथी की ताकत रखते हैं लेकिन वास्तविक न्याय मांगने वाले को यह अधिकारी खूब नाच नचा रहे हैं। लाल फीता शाही के आगे योगी के सुशासन वाली सरकार औंधे मुंह गिर चुकी है फेल हो चुकी है। मुख्यमंत्री पोर्टल प्रदेश की जनता को न्याय पाने के लिए एक उम्मीद एवं विश्वास का पोर्टल लगता है लेकिन उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल अब मात्र मिथ्या झूठ फरेब रिपोर्ट के हवाले न्याय मांगने वाली जनता के उम्मीदों को तोड़ने वाला पोर्टल बन चुका है। सरकार जो अपने अधिकारियों कर्मचारियों के आगे कमजोर एवं डरी हुई सरकार बन चुकी है। ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्यवाही तक नहीं कर पाती। आखिर उत्तर प्रदेश की जनता किस योगी सरकार से न्याय की उम्मीद करे कहा न्याय मांगने जाय जिस सरकार में अधिकारी कर्मचारी सब के सब निडर मनमाना हो गए हैं।

प्लास्टिक हेतु जागरूकता अभियान

डीडीयू नगर। डीडीयू रेल मंडल में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में चल रहे विशेष पर्यावरण जागरूकता अभियान के तीसरे चरण को सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया। पूरा अभियान 22 मई से 5 जून तक प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें थीम पर आयोजित हो रहा है। जिसका उद्देश्य रेलवे परिसरों को प्लास्टिक मुक्त बनाना, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और आम जनता को स्वच्छ एवं टिकाऊ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। तीसरे चरण के दौरान, स्टेशनों और ट्रेनों में एकल-उपयोग प्लास्टिक में कमी लाने के लिए गहन निगरानी की गई।

स्टेशनों पर विक्रेता स्टॉलों का निरीक्षण किया गया और उन्हें प्लास्टिक की जगह वैकल्पिक पर्यावरण-अनुकूल सामग्रियों के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया गया। यात्रियों को खुद अपनी बोतल लाने और उनको रिफिल पॉइंट्स पर भरने के लिए जागरूक किया गया। जिससे प्लास्टिक बोतल के उपयोग में कमी आए। प्लास्टिक बोतल क्रशिंग मशीनों की कार्यप्रणाली और रखरखाव की भी समीक्षा की गई । ताकि इनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित हो सके। अगला चरण 31 मई से 2 जून तक आयोजित होगा। जिसमें सतत रेलवे संचालन पर विशेष फोकस रहेगा। इसमें प्रभात फेरी, चित्रकला व निबंध प्रतियोगिताएं, बायो-टॉयलेट्स की निगरानी, स्टेशन पार्कों का रखरखाव, डिजिटल टिकटिंग को बढ़ावा और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों की बिक्री जैसी गतिविधियाँ शामिल होंगी।

खेलों से विकसित होती है टीम वर्क की भावना

चंदौली। शहंशाह स्पोर्टिंग क्लब बड़गावां के तत्वावधान में जिला स्तरीय रात्रि कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरुवार को देरशाम मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय सचिव व पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू, औसाफ अहमद व रतीश कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इसके बाद अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया।

इस अवसर पर उन्होंने खेल भावना और अनुशासन के महत्व पर जोर दिया। कहा कि खेलों से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है बल्कि मानसिक संतुलन और टीमवर्क की भावना भी विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों को अपने खेल के प्रति समर्पित रहने और प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। कहा कि क्षेत्र में युवाओं के खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए वे हर संभव प्रयास करेंगे और क्षेत्र में खेल सुविधाओं को और बेहतर

बनाने का प्रयास करेंगे। औसाफ अहमद ने कहा कि खेल सामाजिक सहभागिता को बढ़ाता देता है तथा व्यक्ति में खेल भावना को विकसित करता है। खेल से आपसी भाईचारा कायम होता है। क्रिकेट भारत का सबसे पसंदीदा खेल है। समाजसेवी रतीश कुमार ने कहा कि शारिरिक व मानसिक फिटनेस को बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को खेल में भाग लेना चाहिए। यह खेल हमें आपसी कटुता को भुलाकर प्रेम व भाईचारे को कायम रखने की सीख देता है। इसके पहले बिरुद्दीन फिजिकल एकेडमी द्वारा तिरंगा झंडा के साथ सारे जहाँ से अच्छा हिंदुस्तान हमारा का बेहतरीन कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।राष्ट्र गान के बाद खेल प्रारंभ हुआ। उद्घाटन मैच मां दुर्गा स्पोर्टिंग क्लब भभौरा व न्यू फैशन जिंश कलेक्शन शहाबगंज के बीच खेला गया, जिसमें भभौरा की टीम ने चार विकेट से मैच को जीत लिया। इस दौरान टोनी खरवार, गुलफाम अहमद, जमील अहमद, मुनिराज यादव,सजाउद्दीन, सुनील सिंह मुखिया, अजय मौर्या, त्रिलोकी पासवान, अमरजीत यादव, मुस्ताक खान, डा. शहाबुद्दीन मंटू, तनवीर, इबरार, हारुन, आकिब, दानिश आदि उपस्थित थे।

आकर्षण का केंद्र रहा सौ मीटर का तिरंगा झंडा : शहाबगंज। क्षेत्र के बड़गावां गाँव में गुरुवार को चकाचौंध रोशनी के बीच हुए जनपद स्तरीय रात्रि कैनवस क्रिकेट प्रतियोगिता के उद्घाटन के दौरान बिरूद्दीन फिजिकल एकेडमी के कार्यकर्ता लगभग सौ मीटर का तिरंगा झंडा लेकर पूरे ग्राउंड में घूम रहे थे जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। उद्घाटन मैच के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक मनोज सिंह डब्लू ने बिरूद्दीन फिजिकल एकेडमी की खूब तारीफ की और कहा कि क्रिकेट मैच के दौरान सौ मीटर का तिरंगा फहराने की घटना बहुत ही गर्व की बात है,और यह राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक है। गौरतलब है कि बिरूद्दीन फिजिकल एकेडमी के ट्रेनर बिरूद्दीन कस्बा शहाबगंज के निवासी हैं और इनके एकेडमी से सैकड़ों बच्चे आर्मी व पुलिस में भर्ती हो चुके है।

अहिल्याबाई नारी शक्ति और धर्म संरक्षण की प्रतीक

बलिया। चितबड़ागांव नगर पंचायत कार्यालय परिसर में महारानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भागीदारी की और अहिल्याबाई के आदर्शों को नमन किया।

मुख्य अतिथि रतसड़ की पूर्व प्रधान सुश्री स्मृति सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई नारी शक्ति की प्रेरणा स्रोत थीं। उन्होंने न सिर्फ धर्म की रक्षा की, बल्कि समाज में महिलाओं को सम्मान दिलाने का कार्य किया। उनका जीवन त्याग, सेवा और न्याय का प्रतीक है। उन्होंने अपने शासनकाल में 250 से अधिक मंदिरों का निर्माण कर धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया। विशिष्ट अतिथि चेयरमैन अमरजीत सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई ने सामाजिक समरसता एवं विकास के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए। उनका जीवन महिलाओं के लिए प्रेरणादायी है।

इस दौरान नगर पंचायत की महिला सफाई कर्मियों को अंगवस्त्रम एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मोती चंद गुप्ता, सभासद शिवमंगल सिंह, ज्ञान प्रकाश सिंह, अखिलेश सिंह, राम मोहन सिंह, अमित वर्मा, शौकत सोहराब अली, पिंटू चौरसिया, मनोज कन्नौजिया, सूर्य प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी पर डाला प्रकाश

रसड़ा। अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के तहत नगर पालिका परिषद कार्यालय में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद नीरज शेखर को अध्यक्ष विनय शंकर जायसवाल ने स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

राज्यसभा सांसद नीरज शेखर ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर की शासन व्यवस्था, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण देने के लिए उत्तर से दक्षिण एवं पूर्व से पश्चिम तक वृहद भारत को एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। अध्यक्ष विनय शंकर जायसवाल ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने

जजजे

अपने शासनकाल में 250 मंदिरों का कराया निर्माण

समाज को एकता में पिरोने का काम किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद बब्बन राजभर, पूर्व नपाध्यक्ष वशिष्ठ नारायण सोनी, अंजनी तिवारी, हर्ष नारायण सिंह, दिनेश सिंह गोधन, कन्हैया, सुनील दुबे, दिनेश वर्मा, श्रवण गुप्ता, अली रजा, फैय्याज अहमद, गुलाम सिंह, विक्की सोनी, श्रवण सिंह, जैकी, चुन्नू अंसारी, प्रदीप गुप्ता, रिंकू सिंह आदि उपस्थित रहे। संचालन संदीप सोनी ने किया।

तीन दर्जन महिला सफाई कर्मियों का सम्मान : बेल्थरारोड। स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय पर पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत महिला सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक लिमिटेड के अध्यक्ष विनोद शंकर दुबे ने अहिल्याबाई होल्कर के जीवन वृत्त को रेखांकित किया। अहिल्याबाई होल्कर एक कुशल प्रशासक थी। जनता की भलाई के लिए अनेक कार्य किए। महिलाओं के सशक्तिकरण और उनका जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए उन्हें जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि उप्र अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के पूर्व सदस्य शेषनाथ आचार्य ने महारानी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन से संबंधित संस्मरण को साझा करते हुए उन्हें समाज सुधारक बताया। उन्होंने अहिल्याबाई की समाज एवं देशभक्ति भावना की चर्चा की। अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश कुमार गुप्त ने कहा कि अहिल्याबाई के आदर्शों को आत्मसात कर सुखी, संपन्न और शक्तिशाली राष्ट्र निर्माण का सपना साकार किया जा सकता है। इस दौरान तीन दर्जन महिला सफाई कर्मियों को सम्मानित किया। इस मौके पर अरुण तिवारी, सुधीर मिश्र, आनंद आर्य, आलोक गुप्ता, आनंद जायसवाल, उपेंद्र मिंटू,

सुशीला भारती, मृत्युंजय गुप्त आदि मौजूद रहे।

अहिल्याबाई के व्यक्तित्व व कृतित्व पर डाला प्रकाश : रेवती। स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता श्रीवास्तव ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अहिल्याबाई ने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर प्रसिद्ध तीर्थ स्थान एवं मंदिर बनवाए। पवित्र नदियों, सरोवरों एवं घाटों के साथ ही कुंओं और बावड़ियों का निर्माण करवाया। कहा कि दिव्य मातृशक्ति वीरमाताओं, आध्यात्मिक नारियों एवं वीरांगनाओं की अग्रणी पंक्ति को आलोकित करने वाली देवी अहिल्याबाई होल्कर की सोच की व्यापकता ही तो थी कि उन्होंने अपने राज्य की सीमाओं के बाहर भी उक्त कार्य किया। इस मौके पर मुकेश पाण्डेय, जेपी सिंह, सुशील श्रीवास्तव, सभासद रामप्रसन चौहान, हीरालाल, शत्रुघ्न ठाकुर, घूरा राजभर आदि मौजूद रहे।

11 जून से मांगलिक कार्यों पर पूर्ण विराम

मार्टिनगंज (आजमगढ़)। गुरु आज से 11 दिन बाद अस्त हो जाएंगे यानी 11 जून को पूर्णिमा से गुरु पश्चिम में विराजे जाएंगे इसके बाद मांगलिक कार्य के साथ शहनाई की आवाज थम जाएगी। सूर्य के दक्षिणायन होने से चातुर्मास शुरू हो जाएगा। इसके बाद अगले 6 महीने तक शहनाई की आवाज नहीं सुनाई पड़ेगी। 6 माह बाद यानी नवंबर से पुनः शुभ कार्य प्रारंभ होंगे। पंडित गिरिजा प्रसाद पाठक कर्मकांड विशेषज्ञ ज्योतिषाचार्य ने बताया कि ग्रहों के राजा सूर्य माने गए हैं और मंत्री गुरु ग्रह हैं। गुरु ग्रह के साक्षी होने पर ही विवाह व मांगलिक कार्य होते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा तिथि यानी 11 जून शाम को 6.54 से गुरु ग्रह पश्चिम दिशा में अस्त होंगे। गुरु ग्रह के अस्त होने के साथ सभी मांगलिक कार्यों पर पूर्ण रूप से विराम लग जाएगा। उन्होंने बताया कि शुक्ल पक्ष की एकादशी 6 जुलाई को देवसयनी एकादशी मनाई जाएगी। इसी दिन देवगुरु भगवान विष्णु सयन निद्रा में चले जाएंगे।

दुकानदार की पिटाई से युवक की मौत, कोहराम

लालगंज (आजमगढ़)। देवगांव बाजार में सिगरेट खरीदने गए युवक की मामूली कहासुनी के बाद दुकानदार द्वारा जमा कर पिटाई कर दी गई जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलावस्था में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देवगांव बाजार के (मिजापुर) मुहल्ले में काली दास चैरसिया की जनरल स्टोर की दुकान है। गुरुवार रात्रि लगभग साढ़े 9 बजे आदित्य सेठ 19 वर्ष पुत्र राजू सेठ निवासी मिजापुर देवगांव कलीदास ट्रेडर्स नमः की देवगांव में स्थित दुकान पर सिगरेट लेने गया था। किसी बात को लेकर दुकानदार से कहासुनी हो गई। मामला इतना बढ़ गया कि कहासुनी मारपीट में बदल गई। आरोप है कि दुकानदार कालिदास चैरसिया के तीन पुत्रों सनोहर, मनोहर, पिंटू और कालिदास की पत्नी ने मिलकर आदित्य को लाठी डंडे से जमकर पीट दिया जिससे आदित्य गंभीर रूप से घायल हो गया। तीनों भाई घायल अवस्था में खुद ही आदित्य को संयुक्त सौ शैय्या अस्पताल लालगंज ले गए जहां डाक्टरों ने आदित्य को मृत घोषित कर दिया। मृतक आदित्य को आरोपी अस्पताल में छोड़कर फरार हो गए। घटना की सूचना परिजनों को मिली तो लोग अस्पताल पहुंचे और पुलिस को सूचना दिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने पीड़ित परिजनों को समझा कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के भाई सत्यम सेठ ने बताया कि उसका भाई सिगरेट लेने गया था। किसी बात को लेकर सनोहर, मनोहर, पिंटू और उसकी मां ने मेरे भाई की पीटकर हत्या कर दी। आरोपियो के विरुद्ध मृतक के भाई ने थाने में तहरीर दी है। पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

हादसे में तीन महिलाओं सहित पांच की मौत

जौनपुर। वाराणसी-लखनऊ फोरलेन राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना क्षेत्र के शंभूगंज बाजार के पास शुक्रवार की सुबह करीब पौने नौ बजे प्राइवेट बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़कर पलट गई। बस के परिचालक व तीन महिलाओं समेत पांच की मौत हो गई और 15 घायल हो गए। जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र व पुलिस अधीक्षक डा. कौस्तुभ ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही सीएचसी नौपेड़वा व जिला अस्पताल जाकर घायलों को देखा। बस चालक फरार हो गया। कुमार बस सर्विस की बस प्रतिदिन की तरह बदलापुर के रामनगर घनश्यामपुर से लेदुका बाजार होते हुए जौनपुर जा रही थी। बस में करीब 40 यात्री सवार थे। तेज गति से चल रही बस लगभग पौने नौ बजे शंभूगंज बाजार के समीप चकपटैला गांव स्थित अंडरपास पर बेकाबू होकर डिवाइडर पर चढ़ने के बाद दाहिनी पटरी पर पलट गई।

यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे का पता चलते ही थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने मय फोर्स मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से हताहत यात्रियों को निकाला। दुर्घटना में जफराबाद के गोपीपुर निवासी परदेशी गोंड की 60 वर्षीय पत्नी नेमा देवी, बदलापुर के सलेखन पट्टी निवासी लालजी यादव की 55 वर्षीय पत्नी सुशीला यादव व चवरी लेदुका निवासी 40 वर्षीय कंडक्टर काली चरन यादव व कटहरी निवासी 60 वर्षीय राजनाथ गौतम की मौके पर ही मौत हो गई। घायल 15 यात्रियों को उपचार के लिए आनन-फानन सीएचसी नौपेड़वा भेजा गया। क्रेन से बस हटवाकर आवागमन बहाल कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सात को जिला अस्पताल भेज दिया गया जहां उपचार के दौरान बक्शा निवासी विजय शर्मा की 23 वर्षीय पत्नी संध्या शर्मा की मौत हो गई। घायलों में दो ज्योति सिंह व उत्तम निषाद का उपचार चल रहा है। अन्य को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। पुलिस फरार बस चालक लाइन बाजार थाना के कलीचाबाद निवासी समरजीत पाल की तलाश कर रही है। घायल यात्रियों में बदलापुर के मछली गांव निवासी उत्तम निषाद व देवी प्रसाद सिंह, मसनपुर गांव निवासी दिनेश की पत्नी पुष्पा देवी व पुत्र अंकित, करनपुर लेदुका निवासी इंद्रपाल, बेलावा निवासी ज्योति सिंह, वनगांव देवापुर निवासी अधिवक्ता लालता यादव, रतिराम यादव, देवरामपुर निवासी अक्षय लाल, बक्शा के मई निवासी अखिलेश की पत्नी सुनीता है।

बदमाशों ने ऑटो चालक को मारी गोली, घायल : केराकत। कोतवाली से महज दो सौ मीटर कि दूरी पर उस समय अफरा तफरी मच गई जब मोटर साइकिल से आये पांच की संख्या में बदमाशों ने आटो चालक को दौड़ाकर गोली मार दी। गोली युवक के कंधे में लगी। अंग्रेजी शराब की दुकान के पास आटो चालक प्रदीप कुमार यादव पुत्र हरिलाल यादव निवासी चेवार के कुछ युवकों से कहा सुनी हो गईं जिसके बाद युवको ने कुछ और साथियो को फोन कर बुला लिया।

संक्षेप समाचार...

आपदा मित्र एसो. ने निकाली प्रतिरोध रैली

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश आपदा मित्र एसोसिएशन के बैनर तले शुक्रवार को लंका मैदान से डीएम कार्यालय पर प्रतिरोध रैली निकाली गई। रैली के दौरान एसो के सदस्यों ने कहा कि आज हजारों आपदा मित्रों को बिना न्युक्ति दिए लागातार काम लिया जा रहा है। नेशनल आपदा मित्र एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप कुमार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2016 से अबतक आपदा मित्रों/ सखियों ने सभी आपदाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और शासन प्रशासन के साथ कन्धा से कन्धा मिलाकर आपदा के न्यूनीकरण पर कार्य किया। लोकसभा में गृहमंत्री स्वीकार किए कि आपदा मित्रों ने 78000 लोगों को सुरक्षित निकाला एवं हजारों घायलों को अस्पताल पहुंचाया। भारत के आपदा मित्रों की ताकत को पुरे दुनिया में पहचान मिली। उत्तर प्रदेश एवं देश हजारों युवा एवं युवतियों जो आपदा मित्र के रूप में कार्य करते उनको न तो प्रोत्साहन राशि न ही मानदेय एवं न ही वेतनमान दिया गया। मैं उत्तर प्रदेश के प्रदेश सम्मेलन से कहने आया हूं कि आपदा मित्रों के अधिकारों हनन बन्द किया जाएं। सभी आपदा मित्रों एवं सखियों को समायोजित कर कार्य एवं वेतन दिया जाए एवं सभी का बीमा रिनिवल किया जाएं। उत्तर प्रदेश के सम्मेलन का आरम्भ लंका मैदान से जिलाधिकारी के कार्यालय तक मार्च कर ज्ञापन सौंपने के उपरान्त 11 बजे से आरम्भ हुआ।

उर्स पर अनजान शहीद बाबा को भेंट की गई चादर

बारा। बिहार सीमा पर स्थित बारा गांव में अनजान शहीद बाबा की मजार पर सालाना उर्स पर को पहले बाबा का गुस्ल (स्नान) इत्र और गुलाब जल से कराया गया। फिर नई चादर भेंट की गई। दिन भर और पूरी रात मजार पर श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहा। बुहरपतिवार को उर्स का समापन हो गया। बारा गांव के मस्तानबाग मुहल्ले में अनजान शहीद बाबा की मजार पर आयोजकों की ओर से इत्र और गुलाब जल से उन्हें स्नान कराते हुए गुस्ल की रस्म पूरी की गई। जायरीन पंक्तियों में खड़े होकर बारी - बारी से मजार पर फूल की चादर चढ़ाते रहे। उर्स में बड़ी तादाद में आसपास के गांवों के अलावा बिहार प्रांत से भी लोग पहुंचे थे। मगरिब की नमाज के बाद मजार पर मिलादुन्नबी का आयोजन भी हुआ। इसमें उलेमाओं ने खेताब करते हुए कहा कि शहीदों की ऐसी जमात है जिन्होंने कौम-ओ-मिल्लत के लिए अपनी जान देकर मजहब-ओ - मिल्लत को बचाया। हमेशा - हमेशा के लिए शहीद होकर अमर हो गए। ग्राम प्रधान बारा आजाद खान ने बताया कि मान्यता है कि हजरत शाह अनजान शहीद बाबा की मजार पर आकर जो भी मन्नत मांगी जाती है वह पूरी होती है। यही वजह है कि मजार पर सभी धर्म के अकीदतमंद शिरकत करते हैं।

अहिल्याबाई का इतिहास राजनीति के चलते दबा

गाजीपुर। रानी अहिल्याबाई होलकर के 300 वीं जयंती की पूर्व संध्या पर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान में शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर पालिका के सभागार में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनीता सिंह ने कहा कि आजादी के बाद नारी शौर्य की प्रतीक, सनातन संस्कृति को संरक्षित तथा पुनजार्गृत करने वाली अहिल्याबाई होलकर के इतिहास को राजनीतिक कुचक्र के चलते दबाया गया। उन्होंने कहा कि आज से 300 वर्ष पूर्व अहिल्याबाई होलकर के शासन व्यवस्था, उनकी धर्मपरायणता, न्यायशीलता का अवलोकन करने के बाद भारत की परंपरा व संस्कृति का गौरवशाली इतिहास उभरकर सामने आया है। नगर पालिका अध्यक्ष सरिता अग्रवाल ने कहा कि मुगलों तथा अंग्रेजो जैसे आक्रमणकारीयो से संघर्ष करते हुए सनातन सभ्यता के लिए काम करने मे एक महिला को किन किन मुश्किलो से गुजरना पड़ा होगा यह सोचकर ही मन सिहर उठता है। लेकिन उसके बावजूद धर्म निष्ठा के साथ निष्पक्ष न्याय प्रिय, सेवा समर्पित महिला शासक के रूप में अहिल्याबाई होलकर की ख्याति भारतीय संस्कृति की उज्ज्वल गाथा है। सम्मेलन को भाजपा नेता रामनरेश कुशवाहा, जिला उपाध्यक्ष अखिलेश सिंह, सुरेश बिंद,किरन सिंह ने भी सम्बोधित किया। अधिशासी अधिकारी अमिता वरुण ने सबके प्रति आभार धन्यवाद व्यक्त किया।

जल संचयन के लिए बनाई गई योजना

गाजीपुर। प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के अन्तर्गत वर्षा जल संचयन हेतु इस बार जिले में 50 खेत तालाब बनाने का लक्ष्य आवंटित किया गया हैं। इसके लिए किसानों को अनुदान भी दिया जायेगा। इच्छुक किसानो को योजना का लाभ प्रथम आवक प्रथम पावक के आधार पर किया जायेगा। इच्छुक किसान विभागीय पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते है। जिला भूमि संरक्षण अधिकारी जीतलाल गुप्ता ने बताया है कि खेत तालाब योजना के तहत इस वित्तीय वर्ष मे 50 खेत तालाब बनाया जायेगा। किसानों को अपनी लागत मु0 105000.00 रुपए से 20ग22ग3 मी0 साइज का तालाब खुदवाना होगा। जिसपर विभाग द्वारा 02 किस्तो मे 52,500.00 रू0 का अनुदान देय होगा। किसान तालाब खुदवाकर मछली पालन, सिंघाडा आदि की खेती कर मुनाफा कमा सकते है। जिला भूमि संरक्षण अधिकारी ने बताया कि जो किसान खेत तालाब खुदवाना चाहते है वह ऑनलाईन पंजीकरण करवा लें।

योजनाबद्ध तरीके से की थी हत्या

जमानियां। कोतवाली पुलिस ने हत्या के आरोपी विवेक सिंह को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास तमंचा और कारतूस बरामद किया है।पुलिस कप्तान डा.ईरज राजा के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई हुई है। प्रभारी निरिक्षक जमानियां प्रमोद कुमार सिंह अपनी टीम के साथ शुक्रवार को हत्या के आरोपी विवेक सिंह पुत्र अजीत सिंह निवासी ग्राम जलालपुर थाना कन्दवा जनपद चन्दौली को आलाकत्ल की बरामदगी के लिए उसके निशानदेही पर ग्राम देवुड़ी ले गए। जहां अभियुक्त ने मौका देखकर पहले से मौके पर रखे गए तमंचे से पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दिया। जिसके जवाब में पुलिस टीम की फायरिंग में बदमाश के बाएं पैर में गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया है । घायल अभियुक्त को तत्काल प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी सीएचसी पर भेजा गया । पूछताछ में अभियुक्त ने बताया गया कि पूर्व में मृतक विनोद से मेरा विवाद था। जिसे योजनाबद्ध तरीके से मौत के घाट उतार दिया।

चौपाल लगाकर ग्रामीणों की सुनी गई फरियाद

मरदह।शुक्रवार को ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया।ब्लाक के मरदह गांव में ग्राम चौपाल 32 लोगों की उपस्थिति में 5 मामले आएं जिसका निस्तारण सचिव कुमार गौरव ने मौके पर करते हुए। मनरेगा के कार्यों,मजदूरी भुगतान को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा किया,हीटवेव,गहरे पानी में डूबने, सर्पदंश, आंधी-तूफान चक्रवात, नाव दुर्घटना से बचाव, पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण, आवास व पेंशन को लेकर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।ग्राम पंचायत में खड्डजा, चकरोड,नाली, नाला, शौचालय निर्माण हेतु ग्रामीणों से चर्चा किया।इसी क्रम में मड़ही गांव के चौपाल में 25 लोगों की उपस्थिति में 5 लोगों ने अपनी समस्याओं को रखा जिसका तुरंत निस्तारण ग्राम सचिव अरविंद कुमार ने करते हुए गांव में प्रकाश, पेयजल,जल निकासी, संचारी रोग, टीकाकरण, वृद्धावस्था, विधवा एवं विकलांग पेंशन, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं पर गहन चर्चा किया।इस मौके पर ग्राम प्रधान ज्योत्सना पटवा,रामजी, धर्मेन्द्र आदि मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री ने सी परियोजना की पहली इकाई का वर्चुअली किया लोकार्पण

ओबरा। लगभग 6502 करोड़ की लागत से 660 मेगावाट क्षमता की बनाई गई सी परियोजना की पहली इकाई का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर से बटन दबाकर वर्चुअली रूप से किया। कार्यक्रम का परियोजना प्रशासन ने स्थानीय गांधी मैदान में सीधा प्रसारण किया। प्रसारण देखने के लिए पूरा नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र के हजारों लोग मौजूद रहे।

राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ इसके साक्षी बने। कार्यक्रम के शुभारंभ से पहले परियोजना अधिकारियों ने आए अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत अभिनंदन किया। मुख्य महाप्रबंधक आरके अग्रवाल ने कहा कि यह लोकार्पण कार्यक्रम नहीं है, एक सपने की शुरूआत है। इस परियोजना में जनपद को ऊर्जा के क्षेत्र ने आत्मनिर्भर और अग्रणी बनाने का संकल्प छिपा है। उन्होंने बताया कि आज का दिन ओबरा अथवा प्रदेश के लिए नहीं बल्कि पूरे भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। परियोजना के निर्माण के दौरान परियोजना में पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा गया है।

इस इकाई से प्रतिदिन लगभग 158 लाख यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। जिसमें उत्पादित बिजली लगभग 5 रुपया प्रति यूनिट है। परियोजना को अथक परिश्रम, अटूट संकल्प और उत्कृष्ट समर्पण भावना के

साथ मूर्त रूप दिया गया है। अंत में परियोजना के निर्माण में लगे मजदूरों, इंजीनियरों की टीम को बधाई देते हुए कहा कि आप सभी के अथक मेहनत, तकनीकी दक्षता और समर्पण से ही महत्वाकांक्षी परियोजना को तैयार किया गया है।

राज्यमंत्री ने कहा कि अब डबल इंजन की सरकार के कड़ी मेहनत के बाद विकसित भारत का संकल्प आज दिखाई दे रहा है। अंत में उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया। इस मौकेपर जिलाधिकारी बीएन सिंह, अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा, अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, अश्वनी त्रिपाठी निदेशक तकनीकी, आरके अग्रवाल मुख्य महाप्रबंधक, एसएन मिश्रा, एसके सिंघल, राजकुमार, वाईके गुप्ता, दिवाकर स्वरूप, नीतिश तोमर समेत तमाम लोग मौजूद रहे। संचालन संदीप मिश्रा ने किया।

चार के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज

हलिया। प्रयागराज जिले के कोरांव थाना क्षेत्र के राजपुर बहरिआ गांव निवासी हरिशंकर सिंह ने ओवरटेक की बात को लेकर हुए विवाद में बेटे को मारने पीटने वाले बोलेरो चालक सहित चार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। दी गई तहरीर में हरिशंकर सिंह ने बताया कि बीते गुरुवार शाम को बेटा श्याम बाबू ड्रमंडगंज बाजार से अपने घर राजपुर बहरिआ जा रहा था। रास्ते में दुर्जनीपुर गांव में नंदे बिंद के घर के सामने बोलेरो चालक शुभम कुशवाहा निवासी पियरी थाना कोरांव जिला प्रयागराज ओवरटेक करने की बात को लेकर विवाद करने लगा। बोलेरो चालक तथा बोलेरो में बैठे दीपक कुशवाहा, राज मौर्य निवासी महुली थाना कोरांव जिला प्रयागराज व संजय मौर्य पता अज्ञात बेटे को गाली गलौज देते हुए मारने पीटने लगे जिससे उसके कान बाईं आंख व शरीर में काफी चोटें आई हैं। चारों मारपीट करने के बाद जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले।

योजनाओं का करें प्रचार-प्रसारः डीएम

मऊ। जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में षुक्रवार को जनपद स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त उद्योग राजेश रोमन ने बताया कि प्राप्त एएमयू प्रस्ताव में से 38 प्रस्ताव, जिसमें लगभग 906 करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर भी आ चुके हैं। इन प्रस्ताव में से 25 प्रस्ताव का कमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो चुका है। जिलाधिकारी ने उद्यमी मित्र से अन्य प्रस्ताव में अभी कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू न होने के कारणों की जानकारी लेते हुए कहा कि अधिक से अधिक प्रस्तावो में शीघ्र ही कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू करने हेतु निवेशको एवं जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर कार्य में तेजी लाएं। विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, वित्त पोषण मार्जिन मनी योजना तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के तहत कम आवेदन पर जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को योजनाओं का वृहद प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए साथ ही अगले 15 दिनों में सभी योजनाओं में अधिक से अधिक आवेदन कराने के भी निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए। इसके अलावा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना ने विभाग द्वारा प्रेषित कुल 1169 आवेदन में से मात्र 339 आवेदन पत्रों की स्वीकृति तथा अधिक संख्या में बैंकों द्वारा आवेदन रिजेक्शन के कारण जिलाधिकारी ने लीड बैंक मैनेजर को शाखा प्रबंधकों से रिजेक्शन का कारण लिखित में लेने को कहा तथा इसकी जांच भी करने के निर्देश दिए। उन्होंने बिना किसी ठोस कारण के आवेदनों के निरस्तीकरण को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शाखा प्रबंधको के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

हक की लड़ाई सत्ता की भागीदारी से जीती जाएगी

मीरजापुर। कैबिनेट मंत्री, मत्स्य विभाग उत्तर प्रदेश सरकार एवं निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 संजय कुमार निषाद की अध्यक्षता में मण्डल के मत्स्य पालकों के लिए के सिटी क्लब में एक जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। यह कार्यक्रम मत्स्य विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ, जिसमें भारी संख्या में मत्स्य पालक, पार्टी कार्यकर्ता, समाज के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि अब मत्स्य पालकों को योजनाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। सरकार ने लाभ को सीधे पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की है। जातीय जनगणना को लेकर मंत्री डा0 संजय कुमार निषाद ने जातीय जनगणना के विषय में केंद्र सरकार से सेंसस मैनुअल 1961 (उत्तर प्रदेश) का पालन करते हुए मछुआ समाज की सही गिनती की मांग की। उन्होंने कहा कि सेंसस मैनुअल 1961 के अनुसार अनुसूचित जाति सूची में मझवार, तुरेहा और तरमालीपासी का उल्लेख है। ये जातियाँ नहीं, जातीय समूह हैं, जिनमें केवट, मल्लाह, बिंद, कहार, कश्यप, धीवर, रायकवार, बाथम, भर, राजभर समेत कुल 17 उपजातियाँ सम्मिलित हैं। उन्होंने उत्तराखण्ड सरकार के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा कि वहां शिल्पकार को जाति नहीं बल्कि जातियों का समूह घोषित किया गया है। उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में भी मझवार, तुरेहा और तरमालीपासी को जातीय समूह मानकर सभी उपजातियों को सम्मिलित किया जाना चाहिए। डा0 निषाद ने मंच से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर निषाद पार्टी की रणनीति को स्पष्ट किया। इस गोष्ठी में उपस्थित मत्स्य पालकों ने सरकार की योजनाओं के प्रति भरोसा जताया और जातीय जनगणना को लेकर डा0 निषाद के प्रयासों को अपना समर्थन दिया।

सामाजिक न्याय की पुरोधा थीं अहिल्याबाई

लालगंज (आजमगढ़)। स्थानीय नगर पंचायतमें रानी अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जन्म उत्सव के अवसर पर आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विनोद राजभर जिलाध्यक्ष भाजपा लालगंज एवं मुख्य वक्ता संगीता आजाद पूर्व सांसद रही।संचालन कार्यक्रम संयोजक आदर्श रायएवं अध्यक्षता अरुण सिंह ने किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि रानी अहिल्याबाई होल्कर सामाजिक न्याय की पुरोधा थी। महिलाओं के उत्थान के लिए उनके द्वारा किए हुए कार्य स्मरणीय हैं। इसीलिए रानी अहिल्याबाई को लोकमाता भी कहते हैं। संगीता आजाद ने कहा कि माता अहिल्याबाई होल्कर के संकल्प को साकार करने का साहस केवल मोदी ने किया तभी तो 300 वर्ष बाद पुनः देवालय एवं राष्ट्र की धरोहरों का पुनर्निर्माण हो रहा है। पूनम सुनीता सरून निशा दुर्गावती सरोज रिंकी सरिता शारदा सहित लगभग एक दर्जन महिलाओं को स्वच्छता में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर रामनयन सिंह, धर्मराज सिंह, आदित्य राय,उषा जायसवाल, अधिशासी अधिकारी विनय शंकर अवस्थी, शिवसागर बरनवाल, संजय जयसवाल, विशाल राय,

रजनीकांत त्रिपाठी, आनंद राय, संजय राय, फौजदार, जगदीश, राहुल आदि उपस्थित रहे।

मेंहनगर प्रतिनिधि के अनुसार- विकास खंड के सभागार में शुक्रवार को अहिल्याबाई होल्कर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के तहत भाजपा मंडल अध्यक्ष अनिल यादव की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम अहिल्याबाई के चित्र पर पुष्प अर्पित कर लोगो ने नमन किया। मुख्यअतिथि ने अहिल्याबाई होल्कर के 300वीं जयंती पर उनके जीवन शैली पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला,साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जिन पात्र लाभार्थियों को छत मिला उन्हें मुख्य अतिथि एव बीडीओ श्वेतांक सिंह द्वारा चाभी प्रदान किया साथ ही स्वयं सहायता समूह की उत्कृष्ट महिलाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डीके सिंह ने किया। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष डा. माहेश्वरी कांत पांडेय, प्रधान राजेश सिंह, रणवीर सिंह पप्पू, अंजनी सिंह, जलभरथ सिंह,प्रगति सिंह सहित लोग उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई ने कायम की जनहितकारी शासन की मिसाल : महराजगंज (आजमगढ़)। स्थानीय खंड विकास सभागार में शुक्रवार को अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर त्रिशताब्दी स्मृति अभियान के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अहिल्या बाई होल्कर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता सत्येंद्र राय का जहां स्वागत किया गया तो वहीं नगर पंचायत अध्यक्ष श्वेता जायसवाल, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि पारसनाथ यादव व जिला उपाध्यक्ष हरिबंश मिश्र का भी लोगों ने आभार व स्वागत किया। संचालन भूपेश मिश्र ने किया। मुख्य अतिथि ने अहिल्या बाई होल्कर के जीवन, शासन शैली और उनके द्वारा समाज व धर्म के लिए किए गए योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अहिल्या बाई एक ऐसी वीरांगना थीं, जिन्होंने अपने समय में न्यायप्रिय और जनहितकारी शासन की मिसाल कायम की। उनके कार्य आज भी प्रशासन और जनसेवा के लिए प्रेरणास्रोत हैं। महिलाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किया गया।

संपादकीय

विश्व की 3 महाशक्ति एवं भारत

आज सम्पूर्ण विश्व में जो राजनीतिक हलचल हो रही है, उससे भारत अत्यधिक असहज स्थिति में आ गया है। वर्तमान की परिवर्तित परिस्थितियों के अनुरूप ही भारत को अपनी विदेश नीति, सुरक्षा नीति का अत्यधिक गम्भीरता से मंथन करने की आवश्यकता है।

वर्तमान में विश्व की तीन सर्वमान्य महाशक्तिसम्पन्न देश - रूस, चीन और अमेरिका हैं। मोदी जी के नेतृत्व में भारत, चौथी महाशक्ति बनने के लिए प्रयासरत है और जो परिस्थिति वर्तमान में प्रकट हो रही हैं, उनके अनुसार, भारत के पास चौथी महाशक्ति बनने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प शेष भी नहीं हैं। सर्वप्रथम हमें इन महाशक्तियों के भूतकाल एवं वर्तमानकाल में प्रतिबिम्बित कार्यशैली को देखने व समझने की आवश्यकता है।

अमेरिका - भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात से, अमेरिका एक व्यापारी सदृश भारत से व्यवहार करता आया है और जब-जब भारत को चीन अथवा पाकिस्तान के साथ युद्ध का सामना करना पड़ा, तब-तब अमेरिका का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूझान पाकिस्तान की ओर अधिक रहा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को टैंक, हवाई जहाज एवं अन्य युद्ध में प्रयुक्त सामग्री अत्यधिक मात्रा में प्रदान की। साथ ही भारत को यह आश्वासन भी दिया कि इस विनाशक सामग्री का पाकिस्तान, भारत के विरूद्ध कभी भी प्रयोग नहीं करेगा, इसके विपरीत पाकिस्तान ने प्रत्येक युद्ध में उसका प्रयोग किया। भारत ने सदैव ही यह अथक प्रयास किया है कि अमेरिका से उसके मैत्रीय सम्बन्ध यथावत रहें, इसी कारण भारत ने उसकी युद्धक सामग्री, उसके द्वारा निर्धारित मूल्यों पर ही क्रय की। वर्ष 1971 में, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी जी ने बंग्लादेश को स्वतंत्र कराया, तो अमेरिका ने अपनी जल सेना का सातवां बेड़ा पाकिस्तान के समर्थन में बंगाल की खाड़ी में भेज दिया, परन्तु उसका प्रयोग करने से पूर्व ही, भारतीय सेनाओं ने अपनी शूरवीरता का परिचय देते हुए, बंग्लादेश पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। इससे प्रमाणित होता है कि अमेरिका कभी भी भारत का हृदय से हितैषी नही रहा है।

रूस - जब सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ के रूप में रूस स्थापित था, तब से अब तक रूस के साथ भारत की मित्रता बनी रही और रूस का भी भारत को सहयोग निरन्तर मिलता रहा, चाहें वह सशस्त्र सेनाओं के लिए हथियार के रूप में हों अथवा तेल की आपूर्ति से संबन्धित हो। इतनी दीर्घ अवधि की मित्रता के अन्तराल में भारत के अधिकांश रक्षा सौदे रूस के साथ ही होते रहे एवं भारत, रूस के साथ कई अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर भी साथ रहा, परन्तु वर्तमान भारत-पाक युद्ध के समय रूस ने अपनी भूमिका का निर्वाह, एक तटस्थ राष्ट्र के रूप में किया, जिसके दो प्रमुख कारण प्रतीत होते हैं। प्रथम कारण - चीन की रूस के साथ अत्यधिक घनिष्ठता का होना और द्वितीय कारण सम्भवतया फ्रांस के साथ किए गए भारत के रक्षा सौदे से रूस का असंतुष्ट होना। इस युद्ध में फ्रांस से आयतित राफेल विमान अपनी उपयोगिता को सिद्ध करने में पूर्णतया असफल रहें और फ्रांस के द्वारा विमान के संदर्भ में दिए गए आश्वासन पूर्णतया असत्य सिद्ध हुए। भारत को अब रूस की नाराजगी से अत्यधिक कष्ट सहन करना पड़ सकता है। इस अल्पकालिक युद्ध के पश्चात फ्रांस से आयतित राफेल विमान की प्रतिष्ठा वैश्विक स्तर पर भी धूमिल हो गई है। फलस्वरूप सम्पूर्ण विश्व के देशों ने राफेल विमान की मांग को निरस्त कर दिया है, जबकि चीन के द्वारा निर्मित जे-35 विमान की मांग में अत्यधिक प्रगति हुई है। ब्रह्मोस मिसाईल, जो रूस से आयातित थी, उसका सुपर सोनिक संस्करण, रूस, चाईना के साथ मिलकर विकसित कर रहा है, जो भारत के लिए बहुत बड़ी खतरे की घंटी है, क्योंकि उसका प्रयोग चीन कभी भी भारत के विरुद्ध कर सकता है।

चीन - चीन की, भारत पर वर्ष 1962 के युद्ध से एक गिद्ध दृष्टि लगी हुई और वह चाहता है कि किसी भी प्रकार से लद्दाख और भारत के पूर्वोत्तर प्रदेशों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर ले। इसीलिए वह पाकिस्तान एवं बंग्लादेश को अनेक प्रकार की पर्याप्त सहायता प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, उसने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य मैत्रीय संबंध स्थापित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे पाकिस्तान को ब्लूचिस्तान के विद्रोह का दमन करने में अत्यधिक सहायता मिलेगी और तालीबान सरकार, जो भारत की ओर मित्रता हेतु प्रयासरत थी, वह प्रयास अवरुद्ध हो जाएगा और वहाँ पर चीन का प्रभाव बढ़ जाएगा। भारत की जनता को भी गंभीरता से सोचना होगा कि हमारा चीन से व्यापार घाटा बढ़ता जा रहा है, जो अब 1,00,000 करोड़ होने वाला है, इस तथ्य से प्रमाणित होता है कि चीन को हम अप्रत्यक्ष रूप से सहायता कर रहें है।

उपरोक्त सभी स्थिति पर यदि गहनता से विचार किया जाए तो आगामी समय, भारत के लिए, चीन के कारण, चुनौतीपूर्ण रहेगा, क्योंकि जब ये तीन महाशक्तियाँ एक साथ हो जाएंगी तो, विश्व के अन्य सभी देश के लिए, अत्यधिक असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि वो भारत के साथ हों अथवा न हों। सम्भवतया इसी को दृष्टिगोचर करते हुए मोदी जी ने सम्पूर्ण विश्व में भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडलों को भेजा है, अब देखना यह है कि मोदी जी के द्वारा प्रेषित प्रतिनिधि मंडल कितनी सफलता प्राप्त कर भारत लौटते हैं और वे अपनी रणनीति विश्व की सहानुभूति बटोरने में किस सीमा तक सफल होते हैं।

योगेश मोहन (वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)

देश में बढ़ती शरणार्थी समस्या

शरणार्थियों के प्रति भारत का रवैया सदैव से ही उदार रहा है। लेकिन अब भारत में शरणार्थी संकट चिंता का विषय बन रहा है। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने शरणार्थियों के मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा था कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। दुनिया भर से आए लोगों को शरण देने का कोई मतलब नहीं है। भारत ऐसे लोगों को शरण क्?यों दे? श्रीलंका से आए तमिल शरणार्थी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ किया कि भारत पर 140 करोड़ लोगों का बोझ पहले से ही है। वह उनके साथ पहले से ही संघर्ष कर रहा है। हर जगह से आए शरणार्थियों को शरण देना संभव नहीं है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने श्रीलंकाई तमिल शरणार्थी को हिरासत में लिए जाने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए ये बड़ी टिप्पणी की है। याचिकाकर्ता और दो अन्य लोगों को 2015 में श्रीलंका के आतंकी संगठन लिट्टे से संपर्क रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। श्रीलंका के याचिकाकर्ता की ओर से वकील ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह एक श्रीलंकाई तमिल है, जो वीजा पर यहां आया था। उसके अपने देश में उसकी जान को खतरा है। याचिकाकर्ता बिना किसी निर्वासन प्रक्रिया के लगभग तीन वर्षों से नजरबंद है। इस पर जस्टिस दत्ता ने पूछा, ह्ययहां बसने का आपका क्या अधिकार है?ह्व वकील ने बताया कि याचिकाकर्ता एक शरणार्थी है। इस पर जस्?टि?स दत्?ता ने कहा कि भारत कोई ऐसा देश नहीं है, जहां दुनियाभर के शरणार्थी आकर बस जाएं। इससे पहले पूर्व चीफ जस्?टि?स डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार सुनवाई के दौरान कहा था कि शरणार्थियों की मौजूदगी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकती है और भारत की सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते हुए यह कदम जरूरी है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि भारत ने पहले ही कई शरणार्थियों को शरण दी है, लेकिन अब यह संभव नहीं है। मालूम हो कि आज भारत में तिब्बत, श्रीलंका, म्यांमार, अफगानिस्तान और बहुत कम संख्या में सोमालिया और फिलिस्तीन से शरणार्थी आ रहे हैं। बहरहाल शरणार्थी संकट को मानवीय मानसिकता, राष्ट्रीय सुरक्षा और कानूनी व्यवस्था का उपयोग करके हल किया जा सकता है। बता दें कि जब एक देश के नागरिक को अपने देश मे रहने के लिए काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ता है तो वह मजबूरी में दूसरे देश में शरणार्थी के रूप में शरण लेता है। लिहाजा शरणार्थी उसे कहते हैं जो जाति, धर्म, राष्ट्रीयता, किसी विशेष सामाजिक या राजनीतिक समूह के संघर्षों और सार्वजनिक व्यवस्था को गंभीर रूप से बाधित करने वाली घटनाओं के कारण सताए जाने के डर से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर गया हो। कितनी बड़ी समस्या : यदि शरणार्थियों से सम्बंधित संकट और वैश्विक चुनौतियों की बात करें तो यह पिछली एक शताब्दी का सबसे ज्वलंत मुद्दा रहा है।

अपनो से अपनी बातें

बुद्धिहीन बनारसी

वर्तमान समय मे जीवन इतना व्यस्त होगया है कि किसी के पास फुर्सत नही है दो घड़ी रुक कर शूकून से सांस ले सके। हर तरफ भागमभाग,सबलोग भाग रहे हैं।कोई आफिस, कोई फैक्ट्री, कोई अस्पताल, कोई कचहरी, कोई स्टेशन, कोई बस अड्डा ,कोई श्मशान, कोई मंदिर , कोई जुलूस, कोई धरना प्रदर्शन कोई मिटिंग, कोई बारात कोई मयत ।हरतरफ आपाधापी।किसी को फुर्सत नही है कि दो मिनट रुक कर एक दूसरे कि बात सुनले।जबकि ये सच्चाई है कि हर कोई अपने मन कि बात उससे कहना चाहता है जो शांत भाव और ईमानदारी से सुनने के लिए थोड़ा वक्त दे सके।पर वक्त हीं नही है किसी के पास न कहने वाले के पास न सुनने वाले के पास।एक दुसरे से बस यहीं अपेक्षा करते है कि हमारी बात सुने हमे ढाढस दे हमे संबल दे हमारे मन मुताबिक हर समस्या का समाधान बताये ।पर सुनने वाला कोई नही बस सुनाने वाले सब है।प्रत्येक के मन मे तूफान सा उठा रहताहै जो बाहर निकलने के लिए व्याकुल रहता है पर सही समय सच्चे लोग के उपलब्ध न होने के कारण वह तूफान बाहर नही आ पाता और अंदर हीं अंदर मन मे कुंठा क्षोभ नैराश्य वितृष्णा को घनी भूत करते रहता है।जो कालांतर मे एक ऐसे जटिल समस्या का जन्म देता है जिससे उबरने मे आदमी को जीवन बीत जाता है ।व्यक्ति विशेष मनःसंताप और अपराध बोध के साथ दुनिया से विदा होजाताहै।कोई अपना अपनो कि भावना को समझने कि कोशिश हीं नही करता ।भौतिक साधन और सामग्री का ढेर लगा कोई यह सोचे कि अपनो कि भावना तृप्त होगईहै तो यह कुछ हदतक हीं कारगर रहती है, परंतु सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने हजार व्यस्तता के बावजूद आप अपनो के साथ कितना समय व्यतीत करते है।कितनी देर उनकी नितांत एकाकी पल मे घायल हुए भावना के उपर आप अपने उपस्थिति का मरहम लगाते हैं।

वर्तमान समय मे संवादहीनता एक जटिल समस्या बन गयी।आधुनिक संसाधन की बाढ़ मे संचार के माध्यम ने भले हीं भौतिक स्थिति का सही सही जानकारी दे रहे हों पर मन कि बातों का आदान-प्रदान तो सशरीर आमने सामने बैठकर हीं होपाताहै।

मन चाहता है कि अपने लोग पास बैठकर दो बात करे हमारी सुने अपनी सुनाए।जीवन मे दो रोटी कम मिले या ज्यादा पर अपनो के हाथ से मिले तो उस रोटी का स्वाद और पौष्टिकता बढ़जाती है।घर के रसोई से अपनो के हाथों परोसे गये भोजन का हर एक निवाला अमृत तुल्य होता है।

पर आज के नये परिवेश मे घर मे सब साधन रहने के बावजूद जब परिवार के सब लोग इकठ्ठा होते हैं तो रेस्टोरेंट मे खाना पसंद करते या रेस्टोरेंट का खाना पसंद करते।जिसमे ब्यंजनो कि वेरायटी तो रहती पर घर की रसोई की मिठास नही होती।

नई पीढ़ी के पास समवयस्क के बीच बात करने के लिए ईकठ्ठा होने कि जरुरत नही उनके पास संवाद स्थापित करने के लिए नये युग के नवीनतम साधन उपलब्ध है पर यंत्र के माध्यम से भावनाओं का सही रुप प्रदर्शित नही होपाता है और यहीं कमी भावनात्मक संवादहीनता को जन्म देती है।खासकर वुजूर्ग मां बाप जिनकी संवेदना स्पर्श से प्रस्फुटित होती है वे अब संवाद हीनता के शिकार होरहेहैं ।मां जब बेटे को पास बिठाकर दो निवाले अपने हांथो से खिलाते हुए जब बेटे के शिर पर हाथ फेरती है तब बिना एक शब्द कहे हर वो बात कहजाती है जो महिनो लगजाते जुबान से कहने में।जब कभी बेटा किसी प्रतिकूल परिस्थित मे उलझा हो तब मां के गले लग कर मांके आंसुओ और प्यार की एक थपकी उसे झंझावातों से निकलने का संबल प्रदान करता है।पर आज बदले हुए परिस्थिति ,परिवेश मे संवाद के नवीनतम माध्यम होने के बावजूद अपनो से अपनी बातें नही हो पारही।नई पीढ़ी ने वह युग देखा हीं नही जब बड़े वुजूर्ग के पास लोग बैठ कर उनके अनुभव के पीटारे से कुछ अमूल्य निधी लेने का प्रयास करते रहे।तकनिकी विकास और एकल परिवार की अवधारणा ने संयुक्त परिवार को छिन्न-भिन्न कर दिया।आज के अथिकांश वुजूर्गों का बचपन और किशोरावस्था संयुक्त

परिवार मे बीता है जिन्हे संवाद संप्रेषण के वे माध्यम मालुम है जिसमे मूलभावन का समावेश और समादर रहता था।

वर्तमान पीढ़ी ने तो मोबाइल लेकर पैदा हुई लैपटाप संग जमाने के अंधी दौड़ मे शामिल हो हांफते हुए वक्त गुजार रही है। इन्हे फुर्सत हीं नही किसी कि सुनने कि ।इस दौर के अभिभावक वरिष्ठ नागरिकों के साथ सबसे बड़ी समस्या अपनी बात कहें तो किससे कहें।बात ऐसी नही है कि कोई सुनने वाला नही ।हैं तो बहुत पर सुनकर उपसहास करने वाले ताने मारने वाले। ऐसी स्थिति मे अपनी पीड़ा अपनी व्यथा मन कि व्यग्रता किस पर प्रकट किया जाय।अपनो के साथ रहने कि बात तो अब कल्पनातीत होगई है ।गाहे बगाहे यदि मिलना भी हो तो मिल के भी मिलना नही होपाताहै,वजह उनकी अपनी व्यस्तता उनकी अपनी जिम्मेवारियां उन्हे कभी दो पल के लिए समय निकालकर अपने माता पिता के साथ औपचारिक संवाद स्थापित करने का समय बमुश्किल मिल पाताहै।ऐसे मे वुजूर्ग के मन की बात उनकी शारीरिक समस्या को जानने समझने का मौका हीं नहीं आता।बड़े बूढ़े बस अपनी मन मे एक द्वंद से खुद लड़ते लड़ते खोखले होते चले जाते है ।उनकी सूनी आंखे अपनो कि राह निहारते निहारते पथरा जाती है,कहने को तो बहुत हैं अपने पर अपना होता नहीं कोई ।अपना होता है तो केवल अपना आत्मबल अपना स्वस्थ्य शरीर अपनी चिंतन-मनन कि शक्ति।अपनी बात अब करने के लिए कुछ अलग माध्यम कि जरुरत है और वह है अध्ययन लेखन ।किसी से उम्मीद न करते हुए अकेले अपने मन के मुताबिक चलने का, अब आप अकेले हैं तो अकेले हीं हंसते हुए चलते चलें अंतिम श्वांस तक। अकेले आए थे अकेले चले जाना हैं ।

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का

अंबरिश कुमार भटनागर

मौत एक सच्चाई है जो अवश्यंभावी है अतः उसका सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिये. गालिब ने कहा है - मौत का एक दिन मुअईन है, नींद क्यों रात भर नहीं आती? एलन सीगर के साहस की पराकाष्ठा उनकी कविता, 'मेरी मौत से मुलाकात है' में दर्शित होती है;

मेरी मौत से मुलाकात है
किसी विवादित बैरिकेड पर...
और मैं अपनी प्रतिज्ञा पर खरा उतरुँगा,
मैं उस मुलाकात में असफल नहीं होऊँगा।

राम नरेश त्रिपाठी ने क्या खूब लिखा है;

निर्भय स्वागत करो म्रत्यु का, म्रत्यु एक है विश्राम स्थल.
जीव जहाँ से फिर चलता है, धारण कर नव जीवन - संबल.
म्रत्यु एक सरिता है जिसमें, श्रम से कातर जीव नहाकर,
फिर नूतन धारण करता है , काया - रुपी वस्त्र बहाकर।

इस लेख का विषय दुर्घटना, रोग, महामारी या हिंसा के कारण हुई असामायिक मौतों से नहीं है और न ही इस लेख का उद्देश्य म्रत्यु को गौरवांन्वित करने का है. म्रत्यु एक दारुण सत्य है और उस व्यक्ति के जीवन पर पूर्ण विराम है जो सिर्फ यादों में ही जीवित रहेगा।

यहाँ, हम वृद्धावस्था के कारण देहावसान पर बात करेंगे और यह भी कि कैसे इसकी तैयारी की जा सकती है? वेंकी रामाकृष्णन, नोबल पुरस्कार विजेता अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'व्हाई वी डाइ' में लिखते हैं।

'जब हम कहते हैं कि हम मर जाते हैं, तो वास्तव में हमारा मतलब यह होता है कि हम एक सुसंगत प्रणाली के रूप में कार्य करना बंद कर देते हैं। कोशिकाओं का जो समूह हमारे ऊतकों और अंगों को बनाता है, वे सभी एक दूसरे के साथ संवाद करते हैं ताकि हम उन संवेदनशील व्यक्तियों के रूप में रहें जो हम हैं। जब वे एक इकाई के रूप में एक साथ काम करना बंद कर देते हैं, तो हम मर जाते हैं।'

मृत्यु वृद्धावस्था के कारण होती है? हम हमेशा जवान क्यों नहीं रहते? वेंकी रामाक्रष्णन इसका उत्तर इस प्रकार देते हैं, 'बुढ़ापे के बारे में सोचने का सबसे सरल तरीका यह है कि यह समय के साथ हमारे अणुओं और कोशिकाओं को होने वाले रासायनिक नुकसान का संचय है। यह नुकसान हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमता को कम करता है. हम यह भी कह सकते हैं कि व्रद्ध-अवस्था की प्रक्रिया को धीरे-धीरे शुरू होने वाले छोटे दोषों के रूप में सोचा जा सकता है जो हमारे शरीर की जटिल प्रणाली में प्रकट होते हैं. समय के साथ छोटे दोष मध्यम आकार के दोष के रूप में मुखर हो जाते हैं और वृद्धावस्था की बीमारियों के रूप में जाहिर होते हैं, और अंततः पूरे सिस्टम को विफलता की ओर ले जाते हैं और यही मृत्यु है।'

परन्तु, इस प्रथ्वी पर मानव ही एकमात्र विलक्षण जीव है जिसे अपनी मौत का भान हो जाता है और वह चाहे तो अपने परिवारजनों को व्यर्थ की असुविधा से बचा सकता है. आप अपने परिवार / उत्तराधिकारी के जीवन को सरल बना सकते हैं अगर आपके रिकार्ड या अभिलेख उचित प्रकार से रखे गये हैं. प्रत्येक व्यक्ति को चाहिये कि वह अपने जीवन काल में ही अपनी सम्पत्तियों व अपनी देयताओं का विवरण एक स्थान विशेष पर सुरक्षित रूप में रखे और परिवारजनों को इसके बारे में बताये. यह एक भावनात्मक क्षण होगा पर यह सूचित करने का साहस तो करना ही होगा।

मृत्यु के बाद त्वरित कार्यवाही के लिये एक चेकलिस्ट बनाना चाहिये जिसमें निम्न बातें लिखना चाहिए;

अंत्येष्टि या अंतिम संस्कार किस प्रकार हो ? कुछ अति धार्मिक लोग विशेष प्रकार के कर्मकांड की इच्छा रखते हैं. नेत्रदान, अंगदान या शवदान किस अस्पताल या संस्था में करना है?

परिवारजनों व मित्रों के मोबाइल नंबर या ईमेल पते जिन्हें सूचित किया जाना है। नियोक्ता, बैंक, जीवन बीमा कंपनी व क्रेडिट कार्ड कंपनी जहाँ सूचित किया जाना है? डिपाजिट रसीदें, शेयर और अन्य निवेश पत्र कहाँ रखे गये हैं? देयताओं या ऋणों (ग्रह या वाहन ऋण आदि) के विषय में सूचना किन व्यक्तियों को उधार दिया है? यह जरुरी है क्योंकि कुछ लोग ऋण लेकर भूल सकते हैं।

अंतिम वसीयतनामे की प्रति उपरोक्त चेकलिस्ट घर में ही रखना चाहिये, अच्छा हो कि यह एक ब्रीफ केस या लेदर बेग में रखी जाये और नजदीकी लोगों के संज्ञान में हो। बैंक की नोमिनेशन सुविधा का लाभ अवश्य उठाना चाहिये. संसद द्वारा पारित बैंकिंग कानून (संशोधन) बिल, 2024 के बाद रिजर्व बैंक ने बैंकों के खाताधारकों को चार नोमिनेशन करने की सुविधा प्रदान की है. यह एक बेहतरीन कदम है जिससे कानूनी वारिसों के बीच संभावित विवादों को टाला जा सकता है. क्रपया पास बुक और एफ डी रसीदों को देखें कि उनमें नामांकन नोट किया गया है। बैंकों द्वारा सुलभ सेफ डीपाजिट लाकर में महत्वपूर्ण कागजात, जैसे जमीन, मकान की सेल डीड, एफ डी, अन्य निवेश कागजात व सोने- चांदी के जेवरात रखने चाहिये और यहाँ भी नामांकन करना चाहिये. जहाँ तक संभव हो, संयुक्त खाते ही खोले जायें.

अपनी परिसम्पत्तियों को किसे दिया जाये, इसके लिये वसीयतनामा करना चाहिये, जिससे परिवारजनों के बीच झगडा न हो. वसीयतनामे के बारे में जानना आवश्यक है कि हिंदू, ईसाई, सिख, यहूदी और पारसी धर्मों के अनुयायियों को अपनी वसीयत लिखित में करना जरुरी है. मुस्लिम धर्म के अनुयायी अपने पर्सनल कानून के अनुसार मौखिक वसीयतनामा कर सकते हैं. रक्षा सेनाओं व समुद्री नाविकों के लिये एक अपवाद है. वे युद्ध के दौरान या किसी अभियान के समय मौखिक वसीयत कर सकते हैं. इसे विशिष्ट वसीयत कहा जाता है।

भारतीय उत्तराधिकारी अधिनियम, 1925 की धारा 74 के अंतर्गत वसीयतनामे के लिखने के लिये न तो किसी स्टाम्प पेपर की जरुरत है, न कोई एक्ट की धारा लिखने की आवश्यकता है और न इसको उप-रजिस्ट्रार के यहाँ रजिस्टर कराना है. यह हस्तलिखित भी हो सकती है. केवल इतना ध्यान रखना है कि वसीयतकर्ता की इच्छा स्पष्ट हो और वसीयत दो गवाहों के द्वारा प्रमाणित हो।

मृत्यु को महिमामंडित करने की सभी बातें निरर्थक हैं और उसे रोमांटिक बनाने के प्रयास व्यर्थ हैं। यह परिवार पर एक आघात है जिससे उबरने में सालों - साल लग सकते हैं पर उपरोक्त सावधानियों से हम अपने दुर्दशाग्रस्त परिवार की राह आसान कर सकते हैं।

नक्सलवाद पर कमरतोड़ प्रहार

बदचलन

आखिर तुमने ऐसा क्यों किया नम्रता? अपने विवाहिता पति को छोड़कर तुमने अच्छा नहीं किया। बताओ आज मायके वाले तुम्हारे विषय में क्या सोचते हैं, तुम अपने गांव भी नहीं जा सकती हूं, गांव वाले तुम्हारे विषय में अनाप-शनाप बोलते हैं।

हां जरूर बोलेंगे, बोलना उनका काम है, बोलने दो, वे उस समय नहीं बोल सकते रहे जब मैं एक पागल के साथ ब्याही जा रही थी। यह पूरे गांव में चर्चा का विषय था कि मेरा विवाह एक बहुत बड़े धनवान के घर में होने जा रहा है और यह भी कानाफूसी हो रही थी कि लड़का तो पागल है। तुम्हें भी तो उसका विरोध करना चाहता रहा कि मैं वहां पर शादी नहीं करूंगी, वह लड़का पागल है। गरीब परिवार के लड़कियों को कहां यह अधिकार होता है कि वे बाप -भाई के सामने मुंह खोल सके, मेरे मां -बाप को धन दिखाई दे रहा था, मेरी इच्छाएं नहीं और इसी धन के मोहपाश में मुझे उलझा कर मेरी शादी कर दी गई। जानती हो जो धनवान होते हैं ,वे अपने विकलांग,पागल, कुरुप लड़के और लड़कियों की शादी धन के बलबूते पर अपनी इच्छानुसार कर देते हैं।

धन ऐसा होता ही है जो लोगों को अंधा बना देता है। परिणाम क्या होता है, विवाह -विच्छेद, लड़के- लड़कियों का विद्रोह, घर से भाग जाना, आत्महत्या कर लेना।

तो क्या ऐसा नहीं करना चाहिए? मां -बाप को चाहिए कि वे लड़की लड़कों की इच्छा जाने,उनको एक दूसरे को जानने और समझने का अवसर दें ताकि उनका भविष्य ठीक ढंग से चल सके। इसका मतलब मां -बाप की इच्छाओं का कोई महत्व नहीं है।

ये मैं कब कही? उनका पूरा का पूरा अधिकार होता है। जो मां -बाप पाल-पोशकर, पढ़ा लिखाकर उनको योग्य बनाये उन्हें क्यों नहीं महत्व देना चाहिए, बच्चों का नैतिक कर्तव्य होता है उनके भावनाओं और विचारों को सम्मान दें लेकिन मां-बाप का भी कर्तव्य होता है की जिनके साथ जीवन यापन करना है उनको एक दूसरे को जानने का अवसर दें।

ऐसा न करने पर अन्य समस्याओं के अतिरिक्त बदचलन होने की संभावना बढ़ जाती है। नम्रता एक गरीब परिवार की लड़की थी,वह सुंदर थी, घर की माली हालत ठीक नहीं थी और वह यौवन के दहलीज पर कदम रख चुकी थी, बाप को चिंता सताने लगी कि कैसे इसकी शादी होगी, इसी बीच किसी के द्वारा पता चला कि सुमन्त का लड़का हिमेश है,सुमन्त एक बहुत बड़े आदमी हैं। उनका धन देखकर नम्रता के पिता उसका हाथ हिमेश के हाथ में देने को तैयार हो गए ,शादी बड़े धूमधाम के साथ हो गई और जब नम्रता अपने ससुराल आई तो पहली ही रात में अपने पति के व्यवहार को देखकर उसका दिल बैठ गया, सोचने लगी कि मेरे पिता ने मेरे साथ यह क्या कर दिया। क्या वह यहां पर धन देखने के लिए आई है या अपने वैवाहिक जीवन की खुशियां मनाने। कैसे मूढ़ व्यक्ति के साथ मेरे बाप ने मेरा विवाह कर दिया कि मैं जीवन भर उससे वैवाहिक सुख भोग ही नहीं सकती है। वासना की अग्नि बहुत तीव्र होती है, वह शांत होने के लिए किसी को भी जला सकती है,किसी भी सीमाओं का उल्लंघन कर सकती है। यही नम्रता ने भी किया और वह अपनी वासना की भूख मिटाने के लिए अपना कदम घर के ड्योढ़ी से आगे बढ़ा दी और एक दिन धन के सारे मोह को त्याग कर घर से निकल पड़ी। आज वह जिसके साथ निकली थी ,वह उसके यौवन को खुश रख सकता था, उसे शारीरिक और मानसिक दृष्टिकोण से भी संतुष्ट कर सकता था।

यह सोच ही रही थी कि उसकी सहेली ने उससे कहा -क्या सोच रही हो तुमने जो किया वह अच्छा नहीं किया तुम्हारे पास अपार धन -दौलत था, लड़का भी सुंदर था।

लेकिन बुद्धि से मूढ़ था। मैं उससे क्या बातें करती ? कैसे अपने मन को संतुष्ट करती? मेरी भी कुछ मानसिक एवं शारीरिक आवश्यकताएं थी, उसे मैं कैसे पूरा कर सकती थी ?

भागना भी था तो ऐसे लड़के के साथ जो तुम्हारे बिरादरी का भी नहीं था। बस इसी बिरादरी, धन- दौलत, उच्च पद को लेकर मां-बाप अपनी बेटियों की शादी बेमेल कर देते हैं। लड़की के इच्छाओं का कोई ख्याल नहीं रखते हैं , जिसका परिणाम होता है कि लड़कियां गलत कदम उठा लेती हैं,इसमें मां-बाप का बहुत बड़ा दोष होता है।

तो क्या मेरे बाप ने जो मेरी शादी एक काले व्यक्ति से कर दिया है ,वह गलत किया ? मैं तो उससे बहुत संतुष्ट हूं। काले गोरे का प्रश्न नहीं है प्रश्न है, प्रश्न है बुद्धिमत्ता का, तुम्हारा पति बुद्धिमान है, मूढ़ नहीं ।एक गरीब से शादी करना उचित है, वह किसी तरीके अपना पेट पाल लेगा, कम से कम वह अपने परिवार को खुशहाल तो रखेगा लेकिन एक मूढ़ से शादी करना लड़की के भविष्य को खराब करना होता है, ऐसे बहुत से मां-बाप हैं जो धन -दौलत के चक्कर में अपनी बेटियों को गलत लोगों के हाथों में दे देते हैं जिससे उनका जीवन बर्बाद हो जाता है और वे लड़कियां गलत रास्ते पर निकल जाती हैं। उन्हें बदचलन बनाने में धन को महत्ता देने वाले मां -बाप की भी अहम भूमिका होती है।

अरुण कुमार 'आर्य'

सीखने की इच्छा होनी चाहिए

जीवन एक पाठशाला है, कुछ इससे असहमत भी हो सकते हैं। पर यही सच है और मैं दृढ़ता से इसे मानता हूँ। जीवन का हर पल हमें कुछ न कुछ सिखाता है, मगर सीखने की इच्छा भी होनी चाहिए।

दिल कहीं हो दिमाग कहीं और, आँख कुछ देखे मन कुछ और सोचे, सोच कुछ हो और मुँह कुछ और बोले तो निश्चित ही आप न देख सकते हैं न सुन सकते हैं, न बोल सकते हैं और न सोच सकते हैं।

गुरु कितना भी विद्वान क्यों न हो किसी शिष्य को शिक्षा नहीं दे सकता जब तक उसके भीतर जिज्ञासा की भूख न हो। पत्थर को तभी तराशा जा सकता है जब उसमें चोट खाने की कूबत हो। पत्थर में भी पानी होता है, अगर धीरज रखें तो पा सकते हैं। पर पत्थर यदि सचमुच पत्थर हो तो? आप कुछ नहीं कर, एक किनारे कर आगे बढ़ना ही बुद्धिमानी होगी।

जीवन का, भले ही वह चार दिन का हो या सौ साल का, प्रकृति से गहरा संबंध है। प्रकृति से वह निरंतर सीखता है, पीढ़ियों से सीखता आया है, पर ज्ञान और जिज्ञासा की भूख प्यास उसे हर बार प्रकृति से जुड़ने, जोड़ने को प्रेरित करती है और मनुष्य हर बार उससे दूर और दूर होने की कोशिश करता है।

प्रकृति स्वयं की रक्षा करना जानती है, इसीलिए वह अपना रंग रूप बदलती रहती है। उसे अगर श्रृंगार प्रिय है तो अंगार उगलना भी उसे आता है। वह पीछे से वार नहीं करती, आमने सामने लड़ती है, पहले चेतावनी देती है, फिर झलक दिखाती है और अंत में डांटती है, फिर भी न माने तो विनाश से परिचित भी करा देती है।

प्रकृति में केवल जल थल और वायु का समावेश नहीं होता, उसमें जड़ और चेतन भी भागीदार होते हैं। ग्रह नक्षत्र तारे और अंतरिक्ष की भी महती भूमिका होती है। मानव का शरीर पंचतत्व से बना है और इसे उसी पंचतत्व में विलीन हो जाना है। इस बात को वैज्ञानिक आधार पर सिद्ध किया जा चुका है। इसलिए जब प्रकृति बदलती है तो मनुष्य की प्रवृत्ति भी बदलती है, इसका अनुभव हमने किया है।

मानव जगत में हमारा अस्तित्व चाहे जितना लम्बा हो, क्षण भंगुर हो पर हम यहीं सीखते हैं। सुख दुःख की अनुभूति यहीं से मिलती है। राग द्वेष, प्रेम, करुणा के भाव भी हम इसी पाठशाला से सीखते समझते हैं।

इसलिए आवश्यक है कि हम अतीत से जुड़ें, अतीत की भूलों को सुधारें और वर्तमान को सुंदर स्वच्छ और निर्मल बनाते हुए भविष्य को स्वस्थ बनाने के लिए दृढ़ और संकलपित हों। आने वाली पीढ़ी को यदि हम स्वच्छ जल, वायु और अन्न की मूलभूत आवश्यकता की पूर्ति नहीं कर सके तो वे हमें माफ नहीं करेंगी।

विकास के नाम पर प्रकृति का शोषण नहीं अति आवश्यक हो तो सीमित मात्रा में दोहन करना सीखें। तालमेल और समन्वय के साथ उपभोग करना सीखें तो मानव जीवन को सुखकर बनाया जा सकता है। यही समय की मांग है और इसी से जीवन की रक्षा की जा सकती है।

रामकृष्ण वि. सहस्त्रबुद्धे

ग़ज़ल

गोलियों के शोर से वो डर गए,
छोटे बच्चे भागते ही घर गए।
दुश्मनों की चाल से वाकिफ़ हुए ,
फिर न जाने कितनों ही के सर गए।
उन जवानों पर है हमको नाज जो ,
जान की बाजी लगा कर मर गए।
देख कर यूँ ज़िंदगी बिखरी हुई,
अश्क सब की आँखों में घर कर गए।
जंग कोई हल नहीं तकरार का,
देखो कितने लोग यूँ ही मर गए।
आज, 'मौसम' का भी कैसा रंग है ,
खून के जो कतरे उसमें भर गए।

अंजली, 'मौसम'

जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाने उतरेंगे मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस

मुल्लांपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुक्रवार को होने वाले के एलिमिनेटर मुकाबले में गुजरात टाइटंस का मुकाबला पांच बार की विजेता मुंबई इंडियंस से होगा। दोनो ही टीमें इस मैच को जीतकर फाइनल में जगह बनाना चाहेंगी। इस मैच में विजयी टीम पहले क्वालीफायर की विजेता के साथ फाइनल खेलेगी जबकि हारने वाली टीम टूनार्मेंट से बाहर होकर तीसरे नंबर पर खिसक जाएगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत की प्रबल दावेदार हैं। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात ने बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी अब तक इस सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप साई सुदर्शन व सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप प्रसिद्ध कृष्णा पर गुजरात के ही खिलाड़ियों का कब्जा है।

कप्तान शुभमन ने भी इस सत्र में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है और ये भी गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष है। वहीं दूसरी ओर हार्दिक पंड्या की कप्तानी में उतरी मुम्बई इंडियंस को सत्र की शुरूआत में लगातार हार का सामना करना पड़ा था लेकिन इसके बाद उसने वापसी करते हुई प्लेऑफ का सफर तय किया है जिससे टीम के खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। बल्लेबाजी की बात करें तो सूर्यकुमार यादव शानदार फार्म में हैं और ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं। अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा भी अच्छे फार्म में हैं। गेंदबाजी में उसके पास जसप्रीत बुमराह जैसा खिलाड़ी है जिससे इस मैच को जीतने में टीम कोई कसर नहीं रखेगी। बुमराह का साथ निभाने तेज गेंदबाज टेंट बोल्ट भी हैं।

शुभमन को हाल ही में भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी मिली है ओर वह इंग्लैंड दौरे से पहले जीत दर्ज करना चाहेंगे। वहीं हार्दिक भी इस बार खिताब जीतकर अपने आलोचकों को जवाब देना चाहेंगे। पिछली बार जब उन्हें कप्तान बनाया गया था तो वह आलोचना का केन्द्र बने थे। गुजरात के तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान कृष्णा और मोहम्मद सिराज के पास रहेगी। कृष्णा ने अब तक सत्र में 23 विकेट लिए हैं ओर वह टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। स्पिन ऑलराउंडर राशिद खान अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उन्हें इस मैच में प्रभावी गेंदबाजी करनी होगी।

बल्लेबाजी विभाग में अब तक सुदर्शन, शुभमन को और रन बनाने होंगे क्योंकि जोस बटलर स्वदेश लौट गये हैं। ऐसे में उनकी कमी भी गुजरात के अन्य बल्लेबाजों को पूरी करनी पड़ेगी। टाइटंस की कमजोर मध्यक्रम में मौजूद शाहरूख खान और शेरफेन रदरफोर्ड का अबतक अधिक रन नहीं बना पाना है। वहीं मुम्बई को शीर्ष क्रम में रेयान रिकल्टन और विल जैक्स की कमी खेलेगी। ऐसे में रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका को मुंबई ने अपने साथ जोड़ा है। एलिमिनेटर में रोहित के साथ जॉनी बेयरस्टो पारी की शुरूआत कर सकते हैं। मध्यक्रम में तिलक वर्मा के रन नहीं बना पाने से भी मुंबई को नुकसान हो सकता है। ऐसे में सब कुछ सूर्यकुमार पर आधारित रहेगा। सूर्या ने अब लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

टेनिस के दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस। भारत के रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी व युकी भांबरी ने युगल मुकाबलों में अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ जीत हासिल कर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया है। बोपन्ना और चेक गणराज्य के उनके जोड़ीदार एडम पावलासेक ने पहले दौर में रॉबर्ट कैश और जेजे ट्रेसी की अमेरिकी की जोड़ी को 7-6, 5-7, 6-1 से हराया। बोपन्ना और पावलासेक ने दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में चार बार विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़ी और अपनी पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत अंक जीते। वहीं भारत के बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस वारेला ने पहले दौर में एक घंटे से भी कम समय में चीन के युनचाओकेट बू और अर्जेन्टीना के कैमिलो उगो काराबेली को 6-2, 6-1 से हराया। बालाजी और मिगुएल की जोड़ी ने शुरूआत से ही दबाव बनाते हुए चार ऐस लगाए और अपनी पहली सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते।

सात्विक साईराज व चिराग सिंगापुर ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, पीवी सिंधु बाहर हुईं

सिंगापुर। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूनार्मेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गयी है। वहीं ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी पीवी सिंधु को हार का सामना करना पड़ा है। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में इंडोनेशिया के साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी कीजोड़ी को 19-21 21-16 21-19 से हराया। भारतीय जोड़ी को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद इस जोड़ी ने शानदार वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21 21-16 21-19 से जीत दर्ज की। अब अगले दौर में इस भारतीय जोड़ी का मुकाबाल गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन की मलेशियाई जोड़ी से होगा। वहीं दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को चीन की चेन यूफेई ने एक घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 9-21 21-18 16-21 से हराया। सिंधु ने पहला गेम हारने के बाद दूसरे गेम में 19-12 की बढ़त बनाने के बाद इसे 21-18 से जीता पर तीसरे और निर्णायक गेम में चीन की खिलाड़ी ने मैच जीत लिया। पहले दौर में सिंधु ने कनाडा की वेन यू झेंग को 21-14, 21-9 से हराया था पर दूसरे दौर में वह इस लय को बनाये नहीं रख पायीं। पुरुष एकल में भी भारत के शीर्ष खिलाड़ी एचएस प्रणय बाहर हो गये हैं। प्रणय को को प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने 16-21 14-21 से पराजित किया।

आईसीसी रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार हैं रूट शीर्ष दस में भारत के यशस्वी और ऋषभ

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट पहले स्थान पर बने हुए हैं। रूट 888 रेटिंग अंक के साथ पहले स्थान पर हैं। वहीं दूसरे नंबर पर हैरी ब्रूक हैं। हैरी के 873 रेटिंग अंक हैं। रूट और हैरी के बीच 15 अंकों का ही अंतर है ऐसे में अगले माह भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज में हैरी के पास पहला नंबर हासिल करने का अवसर है। वहीं शीर्ष पांच की बात की जाये तो जो रूट और हैरी ब्रूक के अलावा इस सूची में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 886 हैं। इसमें भारत के यशस्वी जायसवाल 847 अंक और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ 823 अंक भी शामिल हैं। शीर्ष-10 में एक ओर भारतीय खिलाड़ ऋषभ पंत भी शामिल हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करने वाले बेन डकेट, जैक क्रॉली और उप-कप्तान ओली पॉप भी टेस्ट रैंकिंग में ऊपर आये हैं। डकेट दो पायदान के लाभ के साथ ही 13वें, पोप छह पायदान उछलकर 22वें और क्रॉले आठ स्थान के लाथ के साथ ही 33वें स्थान पर हैं। भारतीय टीम को अगले महीने 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैच की टी20 सीरीज खेलनी है, इस सीरीज के बाद टेस्ट रैंकिंग में काफी बदलाव आ सकते हैं। इस सीरीज में यशस्वी अगर बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो वह रैंकिंग में ऊपर आ सकते हैं। इसी सीरीज से विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की भी शुरूआत होगी।

फिटनेस पर जोर : जडेजा : नई दिल्ली। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने कहा है कि उसके क्रिकेट करियर में दो महेंद्रों की भूमिका अहम रही है। इसमें एक उनके बचपन के कोच महेंद्र सिंह चौहान और दूसरे भारतीय टीम के कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी हैं। पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन से बातचीत के दौरान जडेजा ने कहा कि जब उन्होंने खेलना शुरू किया था। तब उनके कोच महेंद्र सिंह चौहान थे।

वहीं बाद में कप्तान रहे महेन्द्र सिंह धोनी ने उन्हें आगे बढ़ने प्रेरित किया। जडेजा ने कहा कि उनके कोच एक पुलिस अधिकारी थे, उनकी सोच थी कि एक खिलाड़ी की फिटनेस सबसे बेहतर होनी चाहिये। उनका मानना था कि बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए बहुत दौड़ना पड़ता है। मेरी फिटनेस और फील्डिंग कौशल जामनगर में 15 से 20 किलोमीटर दौड़ने के कारण आया है।

पाक ने पहले टी20 में बांग्लादेश को हराया

लाहौर। गेंदबाज हसन अली के पांच विकेटों की सहायता से पाकिस्तान ने पहले ही टी-20 मुकाबले में बांग्लादेश को 37 रनों से हरा दिया। इस मैच में पाकिस्तान के 201 रन के जवाब में बांग्लादेश की पूरी टीम 164 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में हसन शुरूआत से ही विरोधी टीम पर हावी हो गये। हसन ने परवेज हुसैन इमोन, तंजीद हसन, जाकेर अली, तंजीम हसन शाकिब और शॉरिफुल इस्लाम को आउट कर दिया। ये हसन के करिया की अब तक की सबसे अच्छी गेंदबाजी रही। वहीं इससे पहले इस मैच में पाक ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 201 रन बनाये। सलमान आगा ने कप्तानी पारी खेलते हुए 34 गेंद में 56 रन बनाए तो हसन नवाज (22 गेंद में 44 रन) और शादाब खान (25 गेंद में 48 रन) ने भी आक्रामक पारियां खेलीं। इस जीत के साथ ही पाक ने तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट-गुकेश की हार के बाद वापसी

तीसरे राउंड में वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू को हराया, अब फैबियानो से भिड़ेंगे

नई दिल्ली। वर्ल्ड चेस चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे शतरंज टूनार्मेंट के तीसरे राउंड में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर शानदार जीत दर्ज की। वर्ल्ड नंबर-2 हिकारू पर इस जीत से उन्हें तीन पॉइंट्स मिले और टूनार्मेंट में लगातार दो हार के बाद उन्होंने जोरदार वापसी की। गुकेश 29 मई 2025 यानी आज अपना 19वां जन्मदिन मना रहे हैं।

इससे पहले, गुकेश को पहले दो राउंड में मैग्नस कार्लसन और अर्जुन एरिगैसी से हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत से गुकेश स्टैंडिंग में फिलहाल 5वें नंबर पर हैं। टॉप पर अमेरिका के फैबियानो कारूआना हैं। चौथे राउंड में गुकेश का सामना फैबियानो कारूआना से ही होगा। गुकेश को मंगलवार को दूसरे राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद वे स्टैंडिंग में सबसे निचले छठे स्थान पर पहुंच गए थे। इससे पहले, उन्हें पहले राउंड में पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन और मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 मैग्नस कार्लसन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश में दो क्रिकेटर मैदान में ही भिड़े, अंपायरों से भी बदसलूकी : मीरपुर। बांग्लादेश के मीरपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ क्रिकेट मैच के दौरान दो खिलाड़ियों के बीच मारपीट का मामला सामने आया है। इस दौरान बीच में आये अंपायर से भी धक्कामुक्की हुई है। ये मामला बांग्लादेश की पारी के 104वें ओवर के दौरान हुई जब बांग्लादेश के रिपन मोंडल और दक्षिण अफ्रीका के त्शेपो एंटलुली के बीच झड़प हो गयी। रिपन ने एंटलुली के ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया। इसके बाद वह गेंदबाज एंटलुली के पास पहुंचे और उन्हें धक्का दे दिया, जिससे विवाद बढ़ गया। रिपन ने कई बार एंटलुली को धक्का देने का प्रयास किया हालांकि दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी पर जब रिपन नहीं रुके तो एंटलुली ने रिपन का हेलमेट खींच लिया। जिससे दोनों खिलाड़ियों के बीच मारपीट शुरू हो गयी।

इस दौरान बीच में आये अंपायर्स से भी बदसलूकी हुई। अब इन दोनो ही खिलाड़ियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। मैच रेफरी सलीम शाहिद ने कहा कि एक आधिकारिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी और घटना की समीक्षा के बाद किसी भी संभावित प्रतिबंध का निर्धारण किया जाएगा। मैच रेफरी ने कहा, एक बार जब मुझे अंपायरों की रिपोर्ट मिल जाएगी, तो मैं सजा के सुझावों के साथ अपनी रिपोर्ट तैयार करूंगा। मैं इसे दोनों बोर्ड को भेजूंगा जिससे वे मेरी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई कर सकें।

फिल्म में काजोल अपनी बेटी को बचाने के लिए राक्षस से करेंगी लड़ाई

मुंबई। अभिनेत्री काजोल की अगली फिल्म 'माँ' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसमें वह अपनी बेटी को राक्षसों से बचाती नजर आ रही हैं। काजोल फिल्म 'माँ' से हॉरर फिल्मों में डेब्यू कर रही हैं। ट्रेलर काफी दमदार है। इसकी शुरूआत काजोल से होती है, जबकि उनकी बेटी कार चला रही होती है। बाद में, माँ और बेटी एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, जहाँ उन्हें एक असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। जहाँ 'शैतान' में हमने अजय को अपनी ऑन-स्क्रीन बेटी को आर माधवन से बचाते हुए देखा था, वहीं यहाँ काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले एक अनजान राक्षस से बचाती नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर की शुरूआत काजोल से होती है, जो अपनी बेटी को पीछे की सीट पर चुपचाप बैठाकर कार चला रही होती हैं। जैसे ही दोनों एक अनजान जगह पर पहुँचती हैं, वे जल्द ही खुद को एक अजीबोगरीब स्थिति में पाती हैं। वे एक ऐसे गाँव में पहुँचती हैं जहाँ पिछले चार महीनों से लड़कियाँ गायब हो रही हैं। इस दौरान काजोल अपनी बेटी को एक पेड़ पर रहने वाले राक्षस से बचाती नजर आती हैं, जिसका नाम है दोइतो। फिल्म में रोनित रॉय, इंद्रनील सेनगुप्ता, जितिन गुलाटी, गोपाल सिंह और सूर्य शिखा दास भी हैं।

काजोल की यह फिल्म एक हॉरर, सुपरनैचुरल ड्रामा है। फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। फिल्म का निर्माण देवगन फिल्म्स ने किया है। फिल्म मां 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हिंदी के अलावा यह फिल्म तमिल, तेलुगु और बंगाली भाषाओं में भी रिलीज होगी। फिल्म मां को 'शैतान' से जोड़ा जा रहा है। फिल्म 'शैतान' में आर माधवन ने निगेटिव रोल निभाया था। इस फिल्म में आर माधवन भी निगेटिव रोल में हैं। हालांकि, अभी इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिल्म के निमार्ता अजय देवगन ने भी कहा है कि इस फिल्म को 'शैतान' से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

मुश्किल परिस्थितियों में अंतरात्मा की आवाज सुनती हूं: दीपिका पादुकोण

मुंबइ। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने कहा है कि वह मुश्किल परिस्थितियों में अंतरात्मा की आवाज सुनती हैं और जो सही लगता है, उसपर कायम रहती हैं। 'वोग अरेबिया' को दिए साक्षात्कार में जब यह पूछा गया कि क्या चीज उन्हें संतुलित रखती है, तो उन्होंने कहा, 'जो चीज मुझे संतुलित रखती है, वह है सच्चा और विश्वसनीय होना। जब भी मैं जटिल या कठिन परिस्थितियों का सामना करती हूं, तो अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनती हूं और उन निर्णयों पर कायम रहती हूं जो वास्तव में शांत रहने में मेरे लिए मददगार होते हैं। ऐसा कर-के मैं सबसे अधिक संतुलित महसूस करती हूं।' अभिनेत्री ने स्वीडन के स्टॉकहोम में 'कार्टियर इवेंट' के मौके पर ये बातें कहीं। उन्होंने रचनात्मक मतभेदों के कारण संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' से कथित रूप से उनके बाहर निकलने को लेकर उठे विवाद के बाद यह टिप्पणी की है। हालांकि फिल्म में पादुकोण के शामिल होने को लेकर कभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। स्पिरिट भूषण कुमार की टी-सीरीज और वांगा की भद्रकाली पिक्चर्स द्वारा समर्थित है। विवाद पिछले हफ्ते शुरू हुआ जब मीडिया में खबरें आईं कि पादुकोण ने फिल्म छोड़ दी है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की कि तृप्ति डिमरी मुख्य अभिनेत्री जबकि प्रभास मुख्य अभिनेता होंगे। पादुकोण के साक्षात्कार से एक दिन पहले, वांगा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की, जिसमें उन्होंने इशारों ही इशारों में अभिनेत्री पर निशाना साधा।

मिशन इम्पॉसिबल सबसे आगे

मुंबई। इन दिनों दुनिया के कोने-कोने से ढेरों फि ल्में सिनेमाघरों में चल रही हैं। इन दिनों सिनेमाघरों में मनोरंजन का भरपूर साधन मौजूद है। थिएटर जाने वाले प्रशंसकों के लिए कई विकल्प मौजूद हैं। एक्शन और ऐतिहासिक ड्रामा से लेकर रोमांटिक कॉमेडी जॉनर की फि ल्मों तक, सिनेमाघरों में कई तरह की फि ल्में चल रही हैं। आइए जानते हैं कि ये फि ल्में बॉक्स ऑफिस पर कैसा प्रदर्शन कर रही हैं।

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की रोमांटिक कॉमेडी भूल चुक माफ घरेलू बॉक्स ऑफि स पर अपनी शानदार कमाई जारी रखे हुए है। यह अपने सीमित दो सप्ताह के थिएटर प्रदर्शन के दौरान लगातार दर्शकों को आकर्षित करने में सफल रही है। बुधवार को, भूल चुक माफ ने 3.25 करोड़ रुपये की कमाई की, जो सप्ताह की शुरूआत में इसकी कमाई से कम है। रविवार को 11.5 करोड़ रुपये के अपने उच्चतम एकल-दिन के संग्रह को छूने के बाद, शनिवार को यह संख्या 9.5 करोड़ रुपये और शुक्रवार को 7 करोड़ रुपये तक गिर गई।

सूरज पंचोली ने हाल ही में फिल्म केसरी वीर से वापसी की है। 23 मई को रिलीज हुई यह ऐतिहासिक ड्रामा वीर हमीरजी गोहिल को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने तुगलक साम्राज्य के खिलाफ सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी। हालांकि, इसे बहुत अच्छी प्रतिक्रिया नहीं मिली है और इसने अब तक बॉक्स ऑफिस पर मुश्किल से

1 करोड़ रुपये कमाए हैं। 'केसरी वीर' के जरिए ऐतिहासिक कहानी कहने की कोशिश की गई है। हालांकि, फिल्म उम्मीदों पर बिल्कुल भी खरी नहीं उतर रही है। 25 लाख से शुरूआत करने वाली फिल्म एक दिन में भी करोड़ का आंकड़ा नहीं छू पाई। बुधवार को छठे दिन भी फिल्म की कमाई 16 लाख रुपये पर ही रही। फिल्म अब तक कुल 1.39 करोड़ का ही कारोबार कर पाई है। टॉम क्रूज की मिशनः इम्पॉसिबल-द फाइनल रेकनिंग 12 दिन बिताने के बाद भी करोड़ों की कमाई कर रही है। फिल्म ने बुधवार को भी 2.15 करोड़ की कमाई की। इससे पहले मंगलवार को फिल्म का कलेक्शन 2.5 करोड़ रहा था। इस तरह टॉम क्रूज की फिल्म अब तक कुल 79.50 करोड़ का कारोबार कर चुकी है। रेड 2 ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले 28 दिनों में अच्छा प्रदर्शन किया और भारत में अनुमानित ? 164.32 करोड़ की कमाई की।

खाने के तेल की कीमत में आएगी कमी, राहत

मुंबई। केंद्र सरकार जल्द ही ऐसा फैसला लेने वाली है जिससे आम जनता को राहत मिलेगी। केंद्र सरकार ने क्रूड पाम ऑयल, सोयाबीन ऑयल, सनफ्लावर ऑयल की कीमत में राहत देने के लिए फैसला किया है। सरकार अब तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने वाली है।

सरकार ने देश में खाने के तेल की कीमत में कमी लाने के लिए ये फैसला किया है। वहीं लोकल प्रोसेसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी ये कदम उठाया गया है। जानकारी के मुताबिक केंद्र सरकार 31 मई से इस फैसले को लागू करेगी। इससे रिटेल महंगाई भी कम हो सकती है। ये भारतीय वेजिटेबल ऑयल रीफाइनिंग इंडस्ट्री को भी बढ़ावा देगा। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में शुक्रवार को नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस नोटिफिकेशन में कहा गया कि तीनों तीनों पर लगने वाली इम्पोर्ट ड्यूटी को अब 27.5 फीसदी से घटाकर 16.5 फीसदी किया जाएगा। इसमें सरचार्ज और सेस भी शामिल है। रिफाइंड तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी में किसी तरह का संशोधन नहीं हुआ है। ये पहले भी 32.5 फीसदी पर थी और अब भी वैसी ही है। वहीं इफेक्टिव ड्यूटी 35.75 फीसदी हो गई है। बता दें कि केंद्र सरकार ने इस कदम को ऐसे समय में उठाया है जब दुनिया में खाना बनाने वाले तेल के सबसे बड़े इम्पोर्टर भारत ने 2023-24 में 1.32 लाख करोड़ रुपये की लागत के साथ 159.6 लाख टन खाने के तेल का आयात किया है। भारत में खाने के तेल का आयात 50 फीसदी विदेशों से होता है। भारत जिस तेल का आयात करता है, उसमें पाम ऑयल मलेशिया और इंडोनेशिया से आयात होता है।

2047 तक जीडीपी में करनी होगी 25% की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। भारत के विनिर्माण क्षेत्र को विकसित भारत 2047 तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कम से सम 25 फीसदी का योगदान देना है। अगर ये लक्ष्य हासिल करना है तो भारत को सालाना 15 प्रतिशत की दर से बढ़ना होगा। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के एक कार्यक्रम में बोलते हुए नीति आयोग के प्रमुख ने कहा कि वर्तमान में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण का योगदान लगभग 17 प्रतिशत है। उन्होंने सुझाव दिया, ₹विनिर्माण क्षेत्र को कम से कम 15 प्रतिशत की दर से बढ़ना चाहिए। यही एकमात्र तरीका है जिससे इसकी मौजूदा हिस्सेदारी 17 प्रतिशत से बढ़कर 25 प्रतिशत हो जाएगी।

यह देखते हुए कि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने पर भारत की जीडीपी 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होगी, इसमें 25 प्रतिशत योगदान विनिर्माण क्षेत्र (7.5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) का होने का अनुमान है। इस संदर्भ में नीति आयोग प्रमुख ने कहा कि 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के स्तर तक पहुंचने के लिए लगभग 7.5 प्रतिशत की विकास दर की आवश्यकता होगी।

भारत की वार्षिक जीडीपी औसतन 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है, जिसमें 2023-24 लगभग 9 प्रतिशत के साथ एक अपवाद है, नीति आयोग प्रमुख ने कहा कि भारत को अपनी वार्षिक जीडीपी को 1 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.5 प्रतिशत करना होगा। उन्होंने सुझाव दिया कि विकास के उस स्तर को प्राप्त करने के लिए कुछ परिवर्तन आवश्यक हैं।

उन्होंने अधिक शहरीकरण का आह्वान किया। भारत में शहरीकरण का स्तर 'बहुत कम' यानी लगभग 30% है, और इसे 50 प्रतिशत से ऊपर ले जाना होगा। उन्होंने सुझाव दिया, 'अभी और भी कई शहर और शहरी क्षेत्र विकसित होने हैं।' एक अन्य सुझाव में उन्होंने कहा कि भारत को अपनी ऊर्जा क्षमता बढ़ानी होगी तथा उसे कार्बन-तटस्थ बनाना होगा।

हालांकि, उनके अनुसार भारत की विनिर्माण वृद्धि की कहानी का एक सकारात्मक पहलू यह है कि देश मोबाइल फोन का शुद्ध आयातक बनने के बजाय शुद्ध निर्यातक बन रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र एक और क्षेत्र है जिसमें भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। एक अच्छी खबर यह भी है कि उन्होंने यह भी बताया कि वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत की उपस्थिति कम है।

उन्होंने कहा, 'हम इसमें सफल नहीं हो पाए हैं...चीन को देखिए, पिछले 30 वर्षों में उसने व्यवस्थित तरीके से खुद को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के केंद्र में स्थापित कर लिया है। कुछ न कुछ हिस्से चीन से आते हैं और चीन पर निर्भरता बहुत अधिक है। क्या हमें वैश्विक मूल्य श्रृंखला के केंद्र में नहीं होना चाहिए?' उन्होंने विनिर्माण में क्षेत्रीय असंतुलन के बारे में भी बात की थी।

वित्त वर्ष 2025 में 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए शुरू करेगी उड़ानें

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो लंदन और एथेंस जैसे प्रमुख शहरों सहित 10 नए अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने की तैयारी में है। इंडिगो सीधी फ्लाइट की शुरुआत कर वैश्विक स्तर पर भी खुद का विस्तार करने की तैयारी में है। नई दिल्ली में एक प्रेस वार्ता के दौरान एल्बर्स ने कहा कि भारतीय विमानन बाजार में संभावनाएं बढ़ रही है। इससे यात्रा मांग बढ़ रही है। ये तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास को प्रेरित कर रहा है। पीटीआई की रिपोर्ट की मानें तो भारत की रणनीतिक स्थिति देश को प्रमुख अंतरराष्ट्रीय विमानन केंद्र के रूप में स्थापित करने अवसर दे रही है। इंडिगो के नेटवर्क में अब इंटरनेशनल फ्लाइट्स को शामिल किया जाएगा जिसमें एम्स्टर्डम (नीदरलैंड), मैनचेस्टर (यूके), कोपेनहेगन (डेनमार्क), सिएम रीप (कंबोडिया) और मध्य एशिया के चार डेस्टिनेशन शामिल है। इनकी घोषणा आने वाले दिनों में होने वाली है। मुंबई से मैनचेस्टर और एम्सटर्डम के लिए सीधी उड़ानों की शुरूआत जुलाई से होगी। इन फ्लाइट्स को संचालित करने के लिए कंपनी बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमानों का उपयोग करेगी। इंडिगो ने बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर विमानों को खास पर से इन नई इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए ही पट्टे पर लिया है। बता दें कि मैनचेस्टर की फ्लाइट के साथ ही लंबी दूरी की इंटरनेशनल क्षेत्र में इंडिगो की एंट्री हो जाएगी। आमतौर पर इंडिगो कम दूरी और मध्यम दूरी की फ्लाइट्स कम लागत में कराने वाली एयरलाइन्स के तौर पर फेमस है। एल्बर्स की मानें तो वर्तमान भारतीय कंपनियां देश के इंटरनेशनल हवाई यातायात का 45 फीसदी भार संभालती है। हालांकि 55 फीसदी हिस्सा इसमें अब भी विदेशी एयरलाइनों का ही है। कंपनी की आय 10 अरब अमेरिकी डॉलर है। यह 90 से अधिक घरेलू एवं 40 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए उड़ान सेवाएं मुहैया कराती है। वहीं 430 से अधिक विमानों के बेड़े के साथ रोजाना 2,300 से अधिक उड़ानें संचालित करती है।

स्टेशन मास्टर के व्यवहार से गुस्सा

फर्रुखाबाद में 50 मिनट खड़ी रही शिकोहाबाद पैसेंजर, लोगों को परेशानी

फर्रुखाबाद। नीबकरोरी व फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशनों के बीच पटरी पर निर्धारित समय से अधिक काम चलता रहा। इस कारण सोमवार सुबह कासगंज-शिकोहाबाद पैसेंजर 50 मिनट तक फर्रुखाबाद स्टेशन पर खड़ी रही। परेशान यात्रियों ने स्टेशन कार्यालय में संपर्क किया तो ड्यूटी पर मौजूद स्टेशन मास्टर ने सही जवाब नहीं दिया।

यात्रियों ने उनकी भाषाशैली ठीक न होने का आरोप लगाकर नाराजगी जताई। वह पहले भी एक स्टेशन अधीक्षक से भिड़ चुके हैं। नीबकरोरी-फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन के बीच पटरी पर रविवार रात काम चल रहा था। सुबह छह बजे तक काम पूरा होने का समय निर्धारित था, लेकिन इसमें विलंब हो गया। इस कारण कासगंज -शिकोहाबाद पैसेंजर सोमवार सुबह फर्रुखाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म फार्म नंबर चार पर 50 मिनट खड़ी रही। इस दौरान यात्रियों को ट्रेन खड़े होने की वजह नहीं बताई गई।

कुछ यात्री जानकारी करने स्टेशन मास्टर कार्यालय पहुंचे तो उन्हें टरका दिया गया। यात्रियों ने स्टेशन कार्यालय के फोन पर जानकारी चाही तो स्टेशन मास्टर ने आपत्तिजनक भाषा में बात कर फोन काट दिया। इससे नाराज यात्री अनुज कुमार, संतोष आदि ने नाराजगी जताई और कहा कि स्टेशन मास्टर सतीश मधेशिया की भाषाशैली ठीक नहीं है। वह आए दिन यात्रियों से अभद्रता करते हैं। स्टेशन अधीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि उन्हें प्रकरण की जानकारी नहीं है। सुबह स्टेशन मास्टर सतीश मधेशिया की ड्यूटी थी। उनकी भाषा कुछ तल्ख है। स्टेशन का फोन नंबर रेलवे के काम के लिए है। फिर भी यदि कोई यात्री जानकारी चाहता है तो हमें सही जानकारी दे देनी चाहिए। कभी-कभी ट्रेन छोड़ने की वजह से व्यस्तता भी रहती है।

मधेशिया के बारे में पहले भी नीबकरोरी के स्टेशन अधीक्षक चंद्रशेखर शुक्ला ने उनसे शिकायत की थी। मधेशिया का तबादला लखनऊ के लिए हो चुका है। गत सप्ताह उनकी फर्रुखाबाद स्टेशन मास्टर मधेशिया से कुछ तल्ख बातचीत हो गई थी। हालांकि ऐसा नहीं होना चाहिए था। पटरी पर कुछ काम चल रहा था, जिससे ट्रेन संचालन में विलंब हुआ। वहीं भिवानी - प्रयागराज कालिंदी एक्सप्रेस भी सुबह एक घंटा देरी से यहां आयी।

इलाज के दौरान किशोरी की मौत, परिजनों ने काटा हंगामा : महोबा। अचानक हालत बिगड़ने पर किशोरी को जिला अस्पताल लाया गया। लेकिन यहां दौरान उपचार उसकी मौत हो गई। स्वजन ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। घटना से स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। कस्बा चरखारी निवासी 16 वर्षीय शैली पुत्री रामबाबू को स्वजन रविवार की शाम को जिला अस्पताल लाए। यहां उपचार दौरान उसकी मौत हो गई। स्वजन ने चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मियों पर लापरवाही का आरोप लगाया और बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव घर ले गए। चिकित्सक डा. पंकज राजपूत ने बताया कि किशोरी दिल की मरीज थी और सीने में दर्द व घबराहट होने पर पिता उसे जिला अस्पताल लाए थे।

डायरिया से युवक मरा 14 की हालत बिगड़ी

बांदा। मौसम के बार-बार बदलने से बीमारियों को बढ़ावा मिल रहा है। डायरिया की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। जबकि 14 लोगों की हालत बिगड़ गई। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गर्मी तेज धूप तो कभी आंधी व वर्षा की स्थिति बन रही है। मौसम का मिजाज बिगड़ने से डायरिया, बुखार, पेट दर्द व बदन दर्द आदि के मरीज ज्यादा अस्पताल पहुंच रहे हैं। जिसमें चिकित्सक मामूली पीड़ितों को दवा दिलाकर घर जाने की छुट्टी कर रहे हैं, जबकि गंभीर मरीजों को भर्ती कराया जा रहा है। इसी क्रम में चमरौडी मुहल्ला निवासी बदलू के 18 वर्षीय पुत्र सचिन को स्वजन ने डायरिया की चपेट में आने से बुधवार रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। डायरिया से हालत बिगड़ने पर काशीराम कालोनी निवासी नौ माह की दामिनी, जरैली कोठी मुहल्ले के 32 वर्षीय करन, गुरेह गांव के तीन वर्षीय सत्यम, अलीगंज के छह वर्षीय अजहर, बरेठीकला गांव के तीन वर्षीय हर्षपाल आदि भर्ती किए गए।

समर हॉलिडे में नौनिहालों की पढ़ाई का सहारा बनेगा चैटबाट

स्विफ्टचैट ऐप पर उपलब्ध कराई गई डिजिटल सामग्री

बांदा। गर्मी की छुट्टियों में परिषदीय विद्यालयों के छात्र अब पढ़ाई से दूर नहीं रहेंगे। उत्तर प्रदेश के शिक्षा विभाग ने बच्चों की निरंतर सीखने की प्रक्रिया को बनाए रखने के लिए अभिनव पहल करते हुए स्विफ्टचैट ऐप के जरिए चैटबाट आधारित पढ़ाई शुरू की है। इस सुविधा का लाभ जनपद के कक्षा 4 से 8 तक के करीब 1.50 लाख छात्र उठा सकेंगे।

स्विफ्टचैट ऐप पर छात्रों और शिक्षकों के लिए विशेष रूप से डिजिटल शैक्षणिक सामग्री अपलोड की गई है। जिससे छात्र घर बैठे आसानी से पढ़ाई कर सकें। यह सामग्री इंटरैक्टिव है और चैटबाट के माध्यम से सवाल-जवाब के रूप में छात्रों को मार्गदर्शन देती है।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा डायट प्राचार्य और बीएसए को पत्र भेजकर निर्देशित किया गया है कि वे छात्रों और अभिभावकों को इस ऐप के प्रति जागरूक करें और इसका अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें। यह ऐप न केवल पढ़ाई को रोचक बनाएगा बल्कि छात्रों की स्वयं से सीखने की आदत को भी बढ़ावा देगा। शिक्षा विभाग का मानना है कि छुट्टियों में भी यह पहल बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखेगी। इसके साथ ही चैटबाट के माध्यम से शिक्षण योजना, कार्य पुस्तिकाएं, रिमीडियल शिक्षण सामग्री व वीडियो आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन वीडियो के माध्यम से बच्चों को कांसेप्ट स्पष्ट करने में सहायता मिलेगी। स्विफ्टचैट ऐप पर उपलब्ध विभिन्न चैटबाट के माध्यम से गणित, विज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी के साथ-साथ अन्य विषयों पर लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। यह राज्य के पाठ्यक्रमानुसार ही है। परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को उपयोग के लिए शिक्षक सहायक चैटबाट के माध्यम से लर्निंग आउटकम आधारित वर्कशीट लेसन प्लान एवं उपचारात्मक वीडियो भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

निपुण भारत क्विज : एकेडमिक कैलेंडर के अनुसार कक्षा चार से आठवीं तक में पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थी घर पर सभी विषयों से संबंधित लर्निंग आउटकम आधारित प्रश्नों पर अभ्यास कर सकेंगे।

हावड़ा मेल की बोगी से गिर कर युवक की मौत

चित्रकूट। मुंबई-हावड़ा मेल की बोगी से गिरकर युवक की मौत हो गई। वह पायदान में बैठकर सफर कर रहा था। साथी की सूचना पर पुलिस ने शव को थाना मारकुंडी के बंभिहा गांव के पास से बरामद किया है। युवक कौशांबी का रहने वाला था और मुंबई में टेलरिंग का काम करता था।

जनपद कौशांबी थाना करारी के गुलामीपुर निवासी 36 वर्षीय ललित कुमार मौर्य छह माह बाद घर लौट रहा था। उसके साथ गांव का दोस्त सुरेश कुमार था। सुरेश ने बताया कि ललित मुंबई-हावड़ा मेल की बोगी के पायदान में बैठकर सफर कर रहा था।

शुक्रवार शाम करीब पांच बजे ट्रेन मध्य प्रदेश जिला सतना के मझगवां स्टेशन को पार कर आगे आई तो अचानक ललित गिर कर ट्रेन के नीचे चला गया। उसने ट्रेन रोकने की कोशिश की, लेकिन रूकी नहीं। मानिकपुर जंक्शन पहुंचने पर जीआरपी को जानकारी दी। थाना मारकुंडी प्रभारी श्याम प्रताप पटेल ने बताया कि युवक का शव बंभिया रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर पश्चिम दिशा को ओर डाउन ट्रक में मिला है।

उसके पास से कल्याण रेलवे स्टेशन से प्रयागराज जंक्शन का टिकट मिला है। उसके पास से 3200 रुपये भी मिले हैं। परिजनों ने बताया कि ललित मुंबई के कल्याण में टेलर मास्टर था। वह छह माह बाद घर लौट रहा था। 22 मई को मुंबई से निकला था। उसके घर में तीन बच्चे और मां है, जिनका रो-रोकर बुराहाल है।

सात लाख रुपये नहीं मिले तो पति बना हैवान

नशीला पदार्थ पिलाकर करता है गलत काम, डीआईजी ने दिया आदेश

बांदा। दहेज में सात लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर ससुरालीजन विवाहिता को मानसिक व शारीरिक यातनाएं दे रहे हैं। पति नशीला पदार्थ पिलाकर जहां गलत काम करता है। वहीं उसने मानव तस्करी के लिए उसे बेचने का प्रयास किया। रेलवे स्टेशन में किसी तरह शोर मचाने से यात्री एकत्र हुए तो उसकी जान बची। डीआइजी के आदेश पर पुलिस ने पति व देवर समेत चार ससुरालीजन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

नगर कोतवाली के एक मुहल्ला निवासी युवती की शादी 24 नवंबर 2024 को महोबा जनपद के एक गांव में हुई थी। विवाहिता ने डीआइजी को तहरीर देकर बताया कि पिता ने शादी में अपनी हैसियत के हिसाब से दान दहेज दिया था। लेकिन ससुरालीजन संतुष्ट नहीं हुए। ससुरालीजन दहेज के कार देने के बाद भी स्कार्पियो की मांग कर रहे हैं। जिसमें उसके पिता ने मांग पूरी करने में असमर्थता जताई।

पहली विदाई में ससुराल जाने पर ससुरालीजन ने सात लाख रुपये की मांग की थी। ससुरालीजन उसके साथ मारपीट करने लगे। मायके में बताने पर स्वजन ने ससुरालीजन को समझाया। लेकिन वह फिर भी नहीं माने। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि पति अपनी महिला मित्र की अश्लील वीडियो दिखाता है। उससे भी उसी तरह संबंध बनाने का दबाव बनाता है। जिससे उसे बेहद तकलीफ होती है। सास से शिकायत करने पर उल्टा उसकी डंडों व लात घूंसों से पिटाई की गई। देवर, पति, सास व ससुर ने जान से मारने की नियत से योजना बनायी। लेकिन उनकी योजना की उसे भनक लग गई। इससे वह किसी तरह बच पाई। पति व देवर उसे 24 मार्च 2025 को वडोदरा में मानव तस्करी के लिए बेचने के लिए ले जा रहे थे। जिसकी उसे किसी तरह जानकारी हो गई। झांसी रेलवे स्टेशन पर उतरकर उसने शोर मचाया तो उसकी जान बची। लेकिन पति व देवर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकले। वह किसी तरह रिश्तेदारों की मदद से वापस यहां शहर आयी है। आरोपित ससुरालीजन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराते हुए जान माल की रक्षा की जाए। कोतवाली निरीक्षक बलराम सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर पति समेत चार ससुरालीजन के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर आरोपितों के विरुद्ध आगे की कार्रवाई की जाएगी।

12 साल की बच्ची से की की घिनौनी हरकत

बांदा । घर के बाहर लिपाई-पुताई कर रही बालिका के साथ गांव के युवक ने अश्लील हरकत की। उसे घर के अंदर घसीटकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 12 वर्षीय बालिका 24 मई की शाम करीब चार बजे घर के बाहर गोबर लीप रही थी। उसी समय गांव के युवक चेतन ने उसे पीछे से आकर पकड़ लिया। आरोपित के अश्लील हरकत करने बालिका ने विरोध किया। लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। बालिका का मुंह दबाकर घर के अंदर घसीट कर ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। बालिका ने किसी तरह शोर मचाया तो उसकी मां वहां आ गई। शोर सुनकर गांव के अन्य लोग एकत्र हो गए। जिसमें आरोपित धमकी देते हुए भाग निकला। बाद में बालिका का चचेरा भाई आरोपित के घर उलाहना देने गया तो आरोपित ने उसके साथ भी अभद्रता की। पिता खेत से घर आए तो बालिका ने आपबीती बताई। पिता ने घटना की तहरीर कोतवाली नगर में दी। जिसमें पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करते हुए। बालिका का डाक्टरी परीक्षण कराया है।

यूपी के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता को सरकार देगी पैसे

फर्रुखाबाद। विद्यालय खुलने पर विद्यार्थी यूनिफार्म में स्कूल आए, इसके लिए डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों के खातों में जल्द रुपये भेजने की तैयारी कर ली गई है। परिषदीय स्कूलों में वर्तमान में पंजीकृत 1.19 लाख विद्यार्थियों में से 70 हजार का डाटा सत्यापित कर राज्य परियोजना निदेशक को भेज दिया है। इससे अभिभावकों के खातों में जल्द 12-12 सौ रुपये आने की उम्मीद जागी है। प्रति वर्ष बच्चों के आधार न बनने से यूनिफार्म बनवाने के लिए उनके अभिभावक शासन की योजना से वंचित रह जाते हैं। बेसिक शिक्षा विभाग के स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं की यूनिफार्म बनवाने के लिए सरकार उनके अभिभावकों को 12-12 सौ रुपये देती है। इससे 600 रुपये में दो यूनिफार्म, 175 रुपये का स्कूल बैग, 125 रुपये में जूता-मोजा, 200 रुपये का स्वेटर और 100 रुपये से स्टेशनरी खरीदने के लिए होते हैं। बच्चों की यूनिफार्म में बिचौलियों को दूर रखने के लिए यह रुपये डीबीटी के माध्यम से सीधे अभिभावक के खाते में भेजे जाते हैं। शैक्षिक सत्र 2025-26 अप्रैल से शुरू हो गया है। इस समय ग्रीष्मावकाश चल रहा है। वर्तमान में 1576 स्कूलों में 1.19 लाख छात्र पंजीकृत हैं। इसमें से 70 हजार विद्यार्थियों व उनके माता-पिता का आधार, बैंक खाता समेत अन्य विवरण सत्यापित होकर राज्य परियोजना निदेशक को डाटा भेजा गया है। 49 हजार विद्यार्थियों के डाटा सत्यापन का कार्य चल रहा है। जिन 70 हजार बच्चों का डाटा भेजा गया है, उनके अभिभावकों को बच्चों की यूनिफार्म बनवाने के लिए जल्द खाते में 12-12 सौ रुपये मिलने की उम्मीद जागी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गौतम प्रसाद ने बताया कि 70 हजार बच्चों की यूनिफार्म बनवाने के लिए अभिभावकों के खातों में जल्द रुपये आएंगे।

फंदे पर लटक गए प्रेमी-प्रेमिका

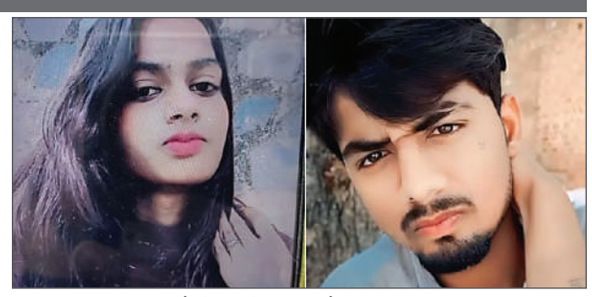

महोबा। साथ में रह रहे प्रेमी प्रेमिका के शव अलग-अलग कमरे में फंदे पर लटके मिले। दो माह पूर्व ये लोग मंदिर में शादी कर रहे थे। तब प्रेमिका के नाबालिग होने पर पुलिस ने शादी रुकवाकर इसकी सूचना बाल कल्याण समिति को दी थी।

समिति ने किशोरी को उसके स्वजन को सौंपा था। लेकिन दोनों परिवारों की आपसी सहमति के बाद फिर से दोनों दो माह पूर्व साथ में रहने लगे थे और आगे उनकी शादी होनी थी। शुक्रवार की देर रात उन्होंने यह कदम उठाया। कोल्ड ड्रिंक को लेकर विवाद होना बताया जा रहा है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की है।

कस्बा चरखारी के चिंतेपुरा निवासी 18 वर्षीय धीरेंद्र पुत्र सुरेंद्र अपनी प्रेमिका 16 वर्षीय सोनिया निवासी ग्राम चंदपुरा के साथ अपने घर में रहता था। बताया गया है कि शुक्रवार की रात्रि करीब 11 बजे दोनों खाना खाकर अपने कमरे में चले गए। बताया गया है कि सोनिया ने धीरेंद्र से कहा कि उसे कोल्डड्रिंक पीनी है। इस पर धीरेंद्र ने कहा कि रात हो गई है और वह कल कोल्ड ड्रिंक पिला देगा। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। धीरेंद्र बाजार गया और कोल्ड ड्रिंक लेकर वापस आया। विवाद के चलते सोनिया ने बोतल फेंक दी और धीरेंद्र से गुस्सा होकर कुछ कह दिया।

इसके बाद धीरेंद्र ऊपर वाले कमरे में गया और फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। सोनिया ने धीरेंद्र को आवाज लगाई, लेकिन को जवाब नहीं मिला। वह ऊपर गई और उसे फंदे पर लटका देखकर वह दंग रह गई। घटना के समय दिवंगत की मां चंदा व पिता शादी में गए थे। वहीं बड़ा भाई वीरेंद्र दिल्ली में रहता है।

सोनिया ने भी आहत होकर नीचे कमरे में आकर अपनी जान दे दी। घटना के समय मौजूद दादी ने मुहल्ले के लोगों को इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। थाना चरखारी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया। थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने बताया कि घटना के हर पहलू की जांच के साथ ही आगे की कार्रवाई की जा रही है।

जेल से छूटे युवक ने होटल संचालक पर ताना असलहा

बांदा। जेल से छूटकर बाहर आए युवक ने होटल संचालक पर जंग लगा अवैध असलहा तानकर गोलियों से भूनने की धमकी दी। उसके असलहा निकालने व लहराने से अफरा-तफरी मच गई। बाद में आरोपित वहां से साथियों के साथ फरार हो गया। पुलिस उसे रात भर खोजती रही। सीसीटीवी फुटेज में आरोपित का दृश्य कैद हुआ है। पुलिस एक साथी को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उधर चर्चा यह भी है कि आरोपित युवक का बाद में दूसरे युवकों से विवाद हुआ। जिसमें मारपीट भी हुई है। रेलवे स्टेशन के बाहर शुक्रवार देर रात करीब सवा 12 बजे कटरा मुहल्ले का एक युवक नशे में अपने साथियों के साथ खाने के होटल में गया था। जहां उसने होटल संचालक से पनीर व अंडे की सब्जी खिलाने को कहा। लेकिन होटल संचालक ने बताया कि उनके पास खाना समाप्त हो चुका है। इतनी बात सुनते ही आरोपित ने बताया कि मैं नौ दिन पहले जेल से छूटकर बाहर आया हूं। अवैध असलहा निकालकर आरोपित युवक ने होटल संचालक पर तान दिया। इससे आसपास खड़े लोग दहशत में आ गए। कुछ लोगों ने किसी तरह समझाकर मामला शांत कराया। लेकिन आरोपित युवक जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से साथियों के साथ चला गया। सूचना मिलने पर डायल 112 व नगर कोतवाली की पुलिस आरोपित युवक की खोजबीन में जुटी रही है। कोतवाली निरीक्षक बलराम सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाएगा। उसे पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

महोबा: दो हिस्सों में बट गई ट्रेन

महोबा। गुरुवार को जिले के बेलाताल रेलवे स्टेशन पर जैसे ही मालगाड़ी पहुंची तो वह चलते-चलते दो हिस्सों में बट गई। गार्ड ने तत्काल सूचना चालक को दी और ट्रेन को रोका गया। इसके बाद इंजीनियर को बुलाया गया और मालगाड़ी में आयी खामी को दुरुस्त कराकर इसे रवाना किया जा सका।

रेल प्रशासन ने राहत की सांस ली। बताया गया है कि एयर पाइप खुल जाने की वजह से यह घटना हुई। गनीमत रही की मालगाड़ी तेज गति में नहीं थी, नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था।

जिले के बेलाताल रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की दोपहर करीब साढ़े 12 बजे मालगाड़ी आयी और चलते-चलते दो हिस्सों में बट गई। इस घटना से रेल प्रशासन में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि ऐसा क्यों हुआ इसके कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना के वक्त कोई ट्रेन स्टेशन पर नहीं थी और सन्नाटा था। मालगाड़ी सतना से सीमेंट लेकर झांसी जा रही थी। गार्ड ने चालक को तत्काल इसकी सूचना दी और इसके बाद उसे रोका गया। स्टेशन मास्टर रामनरेश वर्मा ने रेलवे कंट्रोलर को इसके बारे में बताया। इसके बाद इंजीनियर आए और फिर से ट्रेन के डिब्बों को जोड़ा गया। इस खामी के चलते ट्रेन स्टेशन में ही खड़ी रही। स्टेशन मास्टर के मुताबिक डिब्बों के बीच लगे लोड पाथ एयर पाइप खुल जाने से ऐसा हुआ था। ट्रेन स्टेशन पर धीमी थी, तब ऐसा हुआ। कारणों की जांच कराई जा रही है। करीब आधा घंटे बाद डिब्बों को जोड़कर इसे रवाना कराया गया। हालांकि एक बड़ी घटना होने से टल गई। यदि मालगाड़ी तेज गति में होती तो बड़ा हादसा होने से इंकार नहीं किया जा सकता था। इसके रवाना होने के बाद रेल प्रशासन ने राहत की सांस ली।

लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हर साल वायुसेना करेगी अभ्यास

आगरा। देश के पहले सबसे लंबे लखनऊ एक्सप्रेसवे (302 किमी) में हर साल वायुसेना का अभ्यास होगा। इसमें फाइटर प्लेन से लेकर मालवाहक विमान लैंडिंग और टच डाउन करेंगे।

यह अभ्यास एक से दो दिन का होगा। एक्सप्रेसवे में बांगरमऊ उन्नाव के पास साढ़े तीन किमी लंबी हवाई पट्टी है। भारतीय वायुसेना ने इस हवाई पट्टी को अपने नक्शे में जगह दी है। पूर्वांचल एक्सप्रेस, गंगा एक्सप्रेस, यमुना एक्सप्रेसवे भी नक्शे में शामिल हैं।

प्रदेश का पहला यमुना एक्सप्रेसवे है। इस एक्सप्रेसवे में फाइटर प्लेन की लैंडिंग और टच डाउन हो चुका है। लखनऊ एक्सप्रेसवे में पिछले साल अभ्यास हुआ था। भारत और पाकिस्तान के मध्य हुए टकराव के बाद भारतीय वायुसेना ऐसे अभ्यास की संख्या को और भी बढ़ाएगी। हालांकि आगरा वायुसेना स्टेशन में नियमित अंतराल में अभ्यास होते हैं। अभ्यास में फाइटर प्लेन और मालवाहक विमान शामिल होते हैं। कुछ ऐसा ही अन्य स्टेशनों में होता है। लखनऊ एक्सप्रेस-वे में होने वाले अभ्यास में मिराज-2000, सुखोई-एम30, राफेल, जगुआर, तेजस सहित अन्य विमान शामिल होंगे। यह विमान टच डाउन या फिर लैंडिंग करेंगे। यह अभ्यास एक से दो दिन का होगा। यातायात में मामूली बदलाव किया जाएगा। अभ्यास कब होगा, इसकी तिथि घोषित की जाएगी। आगरा वायुसेना स्टेशन मालवाहक विमानों का गढ़ है। यहां पर एएन-32, आइएल-78 और 76, सी-130 जे हरक्यूलिस, सी-17 ग्लोब मास्टर, एमआई-17 हेलीकाप्टर, सी-295 प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सपा के महानगर अध्यक्ष समेत पांच नामजद व 300 अज्ञात पर मुकदमा

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभा के एक दिन पहले गुरुवार को बिना अनुमति प्रदर्शन करने पर सपा महानगर अध्यक्ष, महासचिव समेत पांच नामजद और 250 से 300 अज्ञात लोगों पर कोतवाली थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। घटना के वीडियो भी पुलिस को मिले हैं। बिजली संकट, निजीकरण व महंगाई के विरोध में सपाइयों ने हल्लाबोल प्रदर्शन किया था। एकता चौकी प्रभारी एसआइ नितिन कुमार ने बताया कि गुरुवार को नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय के बाहर सपाई एकजुट हुए और बिना किसी अनुमति के शिक्षक पार्क से कलेक्ट्रेट तक हल्ला बोल प्रदर्शन करते हुए चल दिए। उनके हाथों में पोस्टर व बैनर था और वे नारेबाजी कर रहे थे। उन्हें कोतवाली चौराहे के पास पुलिस ने रोका। उनसे धरना-प्रदर्शन के लिए सक्षम अधिकारी का अनुमति पत्र मांगा लेकिन कोई अनुमति नहीं दिखा सके। इस पर उनसे लौटने के लिए कहा गया। इस पर नारेबाजी करते हुए वह लोग उग्र होने लगे। यातायात प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बन गई। बमुश्किल उन्हें रोका गया। प्रदर्शन करने वालों में सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद, महासचिव बंटी सेंगर, महानगर उपाध्यक्ष महेंद्र सिंह उर्फ बड़े ठाकुर, शैलेंद्र यादव उर्फ मिंटू, पूर्व पार्षद अर्पित यादव के रूप में हुई। कोतवाली थाना प्रभारी जगदीश पांडेय ने बताया कि सभी के खिलाफ आदेश का उल्लंघन करने आदि की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रदर्शन में शामिल 250 से 300 कार्यकताओं की पहचान की जा रही है। फजल महमूद, अध्यक्ष महानगर सपा ने कहा कि जनता की समस्याओं को लेकर आवाज उठाना राजनीतिक दलों का काम है। बिजली की समस्या को लेकर सड़क पर निकले थे। सरकार अगर मुकदमे करा रही है तो क्या कर सकते हैं। जनता के लिए लड़ना तो नहीं छोड़ेंगे।

'अहिल्याबाद ने दी है रक्षा करने की सीख'

आगरा। आगरा में अहिल्याबाई की जयंती पर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि, ब्रज भूमि है। आगरा की ऐतिहासिक धरती को श्रीकृष्ण का सानिध्य प्राप्त हुआ था। उनकी कृपा आज भी यहां बरसती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, लोकमाता के लिए समर्पित सभी लोगों का मैं नमन करता हूं। राष्ट्रनायकों के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन करने को सोचना होगा। अहिल्याबाई होल्कर का राज्य मालवा में था। उन्होंने देश की अस्मिता और आस्था की रक्षा के लिए मुगलों द्वारा नष्ट मंदिरों का जीर्णोद्धार किया था। समाज जब भी राष्ट्रनायकों से प्रेरणा लेकर काम करता है तो उसे कोई नहीं रोक पाता है। सीएम ने कहा कि अहिल्याबाई ने शिल्पियों, महिलाओं किसानों और भारत की विरासत को बचाने के लिए जो काम किया वो अविस्मरणीय है। उन्होंने इसके लिए राजकोष के बजाय अपने पैसे से मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया था। डबल इंजन की सरकार महिला कल्याण को लखपति दीदी, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुरक्षा स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र, मन्दिर के जीर्णोद्धार के काम उसी श्रंखला की कड़ी हैं जो आज की आवश्यकता हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, भारत आज सर्जिकल स्ट्राइक करता है। पाकिस्तान में ऑपरेशन सिंदूर से सबक सिखाया। यह हमें अहिल्याबाई ने अपने राज्य की रक्षा कर सिखाया था। पहले लोग गुंडों को संरक्षण देते थे। अहिल्याबाई के नाम पर बने कालेज का नाम बदल देते थे। लोकमाता ने 300 वर्ष पहले महिलाओं के लिए महेश्वर की साड़ी बनवाईं। उनके नाम पर कुछ बड़ा करेंगे।

केंद्रीय राज्य मंत्री प्रोफेसर एसपी सिंह बघेल ने कहा कि पुरखों का सम्मान नहीं करने वाले कभी आगे नहीं बढ़ते हैं। अहिल्याबाई होल्कर के बाद प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने मंदिरों के जीर्णोद्धार का काम किया। औरंगजेब ने मन्दिर तोड़ने का काम किया तो अहिल्याबाई ने मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। काशी का पहला जीर्णोद्धार अहिल्याबाई होल्कर और दूसरा मोदी-योगी ने किया। सनातन धर्म की प्रतीक हैं अहिल्या बाई। धनगर समाज के जाति प्रमाणपत्र में आ रही बाधा को मुख्यमंत्री से दूर कराने की मांग एसपी सिंह बघेल ने की। हरियाणा के राज्यपाल बंगारू दत्तात्रेय ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर साहसी महिला थीं। इतिहास में दो वीर महिलाओं रानी लक्ष्मीबाई और अहिल्याबाई का जिक्र मिलता है। उन्होंने साहस के साथ राज किया। महिलाओं की

शिक्षा के लिये काम किया। उन्हें आगे बढ़ाया। उत्तर प्रदेश में पाल, बघेल और धनखड़ अहिल्याबाई को देवी मानते हैं। समाज बच्चो को शिक्षित बनाने पर ध्यान दे। यही अहिल्याबाई को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बेटी पढ़ाओ पर दिया जोर। महाराष्ट्र विधानसभा के सभापति राम शिंदे ने कहा कि मैं अहिल्याबाई होल्कर के गांव से हूं। जिले का नाम अहमदनगर से अहिल्याबाई होल्कर नगर करके यहां आया हूं। उन्होंने सत्कर्म कर जीवन धन्य किया। काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार कराया। जन्मस्थान पर स्मारक 700 करोड़ रुपये से तीन वर्ष में बनेगा।

डिफेंस प्रोजेक्ट समय पर पूरा न होने पर एयरफोर्स चीफ नाराज

बोले, कॉन्ट्रैक्ट करते समय पता होता है, पूरा नहीं होगा, वादे क्यों किए जाते

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने गुरुवार को डिफेंस सिस्टम की खरीद और डिलीवरी में हो रही देरी पर कहा कि ऐसा एक भी प्रोजेक्ट नहीं है, जो समय पर पूरा हुआ हो। ये सोचने वाली बात है कि हम ऐसा वादा क्यों करते हैं, जिसे पूरा ही नहीं किया जा सकता। कई बार कॉन्ट्रैक्ट साइन करते समय ही पता होता है कि ये समय पर नहीं होगा, फिर भी साइन कर देते हैं, जिससे पूरा सिस्टम खराब हो जाता है। यह पहला मौका है जब किसी सेना प्रमुख ने सिस्टम पर इस तरह से सवाल उठाया हो। इससे पहले 8 जनवरी को भी एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने तेजस लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी को लेकर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि 40 जेट अभी तक फोर्स को नहीं मिले हैं। जबकि चीन जैसे देश अपनी ताकत बढ़ा रहे हैं। एयर चीफ ने बताया कि फरवरी 2021 में एचएल के साथ तेजस एमके1ए फाइटर जेट के लिए 48,000 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया गया था। डिलीवरी मार्च 2024 से शुरू होनी थी, लेकिन आज तक एक भी विमान नहीं आया। तेजस एमके 2 का प्रोटोटाइप भी अभी तक तैयार नहीं हुआ है।

आज की जरूरत आज ही पूरी करनी होगी : एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि हमें आज के लिए तैयार रहना होगा, तभी भविष्य के लिए भी तैयार हो सकेंगे। आने वाले 10 साल में इंडस्ट्री से ज्यादा आउटपुट मिलेगा, लेकिन जो जरूरत आज है, वो आज पूरी होनी चाहिए। हम सिर्फ भारत में मैन्युफैक्चरिंग के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें डिजाइनिंग के बारे में भी बात करनी होगी। हमें सेना और इंडस्ट्री के बीच भरोसे की जरूरत है। हमें बहुत खुलापन दिखाने की जरूरत है। एक बार जब हम किसी चीज के लिए प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो हमें उसे पूरा करना चाहिए।

नागरिक मॉक ड्रिल आदेश के बाद स्थगित

नई दिल्ली। देश के सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गुरुवार को नागरिक मॉक ड्रिल होनी थी। इस मॉक ड्रिल को प्रशासनिक कारणों से स्थगित किया गया है। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य है कि पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव की स्थिति को देखकर आपातकालीन तैयारियों को मजबूत किया जाए। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब सहित कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश जैसे चंडीगढ़ में बुधवार देर शाम आधिकारिक तौर पर मॉक ड्रिल स्थगित कर दी है। ये फैसला प्रशासनिक कारणों से लिया गया है। हरियाणा गृह विभाग की ओर से स्थगन की पुष्टि की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार हरियाणा गृह विभाग ने व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास, ऑपरेशन शील्ड को स्थगित करने की घोषणा की है।

अमेरिकी कोर्ट ने ट्रम्प के टैरिफ पर लगाई रोक

कहा, इकोनॉमी का हवाला देकर कुछ भी करना गलत, मच गई खलबली

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के टैरिफ को फेडरल ट्रेड कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए रोक लगा दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि ट्रम्प ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया और संविधान के दायरे से बाहर जाकर ये टैरिफ लगाने की कोशिश की।

मैनहट्टन की फेडरल कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड ने ट्रम्प के इस कदम को गैर-कानूनी ठहराया। कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने कहा कि ट्रम्प ने इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) का गलत इस्तेमाल किया। ये कानून राष्ट्रपति को आपातकाल में कुछ खास शक्तियां देता है, लेकिन कोर्ट ने माना कि ट्रम्प ने इसे बिना ठोस आधार के इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर ट्रेड पार्टनर्स से इंपोर्ट पर बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाया है। अमेरिकी संविधान संसद को दूसरे देशों के साथ केवल व्यापार को रेगुलेट करने का विशेषाधिकार देता है। इसका मतलब यह नहीं कि राष्ट्रपति इकोनॉमी का हवाला देकर अपने इमरजेंसी पावर से कुछ भी करें। लिबर्टी जस्टिस सेंटर ने 5 छोटे अमेरिकी बिजनेसेज की ओर से मुकदमा दायर किया, जो इन टैरिफ की वजह से प्रभावित हो रहे थे। 12 अमेरिकी आयातकों ने भी कोर्ट में याचिका दायर की थी। इन दोनों ने तर्क दिया कि टैरिफ से छोटे व्यवसायों को भारी नुकसान हो रहा है, क्योंकि आयातित सामान की कीमत बढ़ने से उनकी लागत बढ़ रही थी। कोर्ट ने इन दलीलों को सही माना और कहा कि राष्ट्रपति के पास इतने बड़े पैमाने पर टैरिफ लगाने का संवैधानिक अधिकार नहीं है। ट्रम्प प्रशासन ने इस फैसले के खिलाफ तुरंत अपील करने की बात कही है। ट्रम्प ने अपनी सोशल मीडिया साइट पर दावा किया कि उनकी टैरिफ नीति अमेरिका को फिर से महान बनाने के लिए जरूरी थी। हालांकि कोर्ट ने सुझाव दिया कि ट्रम्प ट्रेड एक्ट 1974 की धारा 122 के तहत 150 दिनों के लिए 15% तक टैरिफ लगा सकते हैं, लेकिन इसके लिए भी ठोस आधार चाहिए।

लगा झटका

दो मुकदमो के आधार पर फैसला दिया गया

90 दिन की राहत : ट्रम्प ने पहले ही कुछ टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाल दिया था, ताकि दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते हो सकें। अब कोर्ट के फैसले ने इस नीति को और कमजोर कर दिया है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था : विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) ने पहले ही चेतावनी दी थी कि ट्रम्प के टैरिफ से वैश्विक व्यापार में 81% तक की गिरावट आ सकती है। कोर्ट का ये फैसला इस जोखिम को कम करता है।

ऑपरेशन चक्र पांच के तहत छह आरोपी अरेस्ट

नई दिल्ली। ऑपरेशन चक्र-5 के तहत साइबर अपराधों को रोकने के अपने प्रयासों के तहत, केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली, हरियाणा और उत्तरप्रदेश में 19 स्थानों पर तलाशी ली। तलाशी अभियान के दौरान, जांच एजेंसी ने छह प्रमुख गुर्गों को गिरफ्तार कर दो अवैध कॉल सेंटरों को ध्वस्त कर दिया। इसके पहले, सीबीआई ने खुफिया जानकारी के आधार पर मामला दर्ज किया था, इसमें प्रतिष्ठित बहुराष्ट्रीय निगमों के तकनीकी सहायता कर्मियों के रूप में विदेशी नागरिकों-विशेष रूप से जापानी नागरिकों-को ठगने वाले साइबर अपराध सिंडिकेट के अस्तित्व का संकेत मिला था। सिंडिकेट द्वारा संचालित कॉल सेंटरों को वैध ग्राहक सेवा केंद्रों के रूप में डिजाइन किया था, इसके द्वारा पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया जाता था कि उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से छेड़छाड़ की गई है। मामला दर्ज होने के बाद, सीबीआई ने जापान की राष्ट्रीय पुलिस एजेंसी और माइक्रोसॉफ्ट कॉरपोरेशन के साथ मिलकर काम किया।

तलाशी अभियान के दौरान, सीबीआई ने कई डिजिटल और भौतिक साक्ष्य जब्त किए, जो सिंडिकेट के बड़े पैमाने पर संचालन के संकेत देते हैं। सीबीआई ने कहा कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के सहयोग से साइबर अपराध का पता लगाने, जांच करने और अभियोजन के क्षेत्र में अपनी रणनीतिक और परिचालन क्षमताओं को मजबूत करना जारी रखे हुए है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम आशु, दिल्ली, कपिल गक्खड़, पानीपत, रोहित मौर्य, अयोध्या, शुभम जायसवाल, वाराणसी, विवेक राज, वाराणसी आदर्श कुमार, वाराणसी शामिल है।

'विकृत लोग सजा माफी के लायक नहीं'

सुप्रीम कोर्ट में बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोपी डॉक्टर की याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सात साल की बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोपी डॉक्टर को राहत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर की याचिका खारिज करते हुए कहा कि विकृत लोग सजा माफी के हकदार नहीं हैं। आरोपी डॉक्टर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उसकी सजा माफ करने की अपील की थी। डॉक्टर का तर्क है कि उसकी बेटी को सिखाया गया था और उसने झूठी गवाही दी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि 'आरोपी डॉक्टर को निचली अदालत ने दोषी माना है, ऐसे में उसे सजा माफी नहीं दी जा सकती। पीठ ने कहा कि बच्चे के साथ जो तुमने किया है, ऐसे में तुम राहत पाने के अधिकारी नहीं हो। बच्चे ने खुद बयान दिया है। वह एक विकृत व्यक्ति है और वह सजा माफी का हकदार नहीं है। पीठ ने कहा कि तुम अपनी बेटी के साथ ऐसा कैस कर सकते हो। बच्ची भी अपने पिता के खिलाफ गवाही क्यों देगी। वह एक छोटी बच्ची है, जो बार-बार पूछने के बाद भी अपने बयान पर कायम रही है। व्यक्ति शराब के नशे में राक्षस बन जाता है। हमें ये बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन हम बहुत उदार पीठ हैं और अगर हम जमानत नहीं दे रहे हैं तो इसकी कुछ वजह है। आरोपी के वकील ने दावा किया कि बच्ची को उसकी मां ने सिखाया है और मां के कहने पर बच्ची ने झूठी गवाही दी। हालांकि पीठ ने दलील मानने से इनकार कर दिया।

नृशंस घटना

आरोपी डॉक्टर को निचली अदालत ने दोषी माना है, ऐसे में उसे सजा माफी नहीं दी जा सकती

क्या है पूरा मामला : एफआईआर में पीड़ित बच्ची की मां ने आरोप लगाया था कि उसके पति ने बेटी का यौन उत्पीड़न किया। दोनों का तलाक हो चुका है। महिला बेटी के साथ वाराणसी में रहती है और आरोपी डॉक्टर हल्द्वानी का निवासी है। हल्द्वानी में उसका नर्सिंग होम है। घटना 23 मार्च 2018 की है, जब आरोपी डॉक्टर अपनी बेटी को हल्द्वानी ले गया था। 30 मार्च को आरोपी ने अपनी पूर्व पत्नी को फोन करके बेटी को ले जाने को कहा। बाद में बच्ची ने अपनी मां को बताया कि उसके पिता ने उसके साथ छेड़छाड़ की। जिसके बाद महिला ने पूर्व पति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पाकिस्तान में जैश ने शुरू की जबरिया वसूली

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान में आतंकी संगठन धन-जुटाने और हथियार इकट्ठे करने में जुट गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने बहावलपुर में जेश का मुख्यालय नेस्तनाबूत कर दिया। 9 आतंकी संगठनों को भारतीय सेना ने समाप्त किया था। इस हमले में कई आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तान में आतंकी संगठन एक बार फिर से एकजुट होना शुरू हो गए हैं। पाकिस्तान के 15 बड़े शहरों में मंगलवार से जेश ने सुभान अल्लाह कॉन्फ्रेंस शुरू कर दी है। जैश सरगना मसूद अजहर ने 30000 समर्थकों को एकजुट होकर ट्रेनिंग लेने के लिए आमंत्रित किया है। जैश ए मोहम्मद ने 3000 करोड रुपए जुटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। लाहौर इस्लामाबाद जैसे 15 बड़े शहरों में सैनिक कार्रवाई के विरोध में जगह-जगह कॉन्फ्रेंस की जा रही हैं।

समर्थकों को संगठन में शामिल होने और प्रशिक्षण लेने के लिए बुलाया जा रहा है। 7 जून को बकरीद है। ईद के इस मौके पर मस्जिद और मदरसों में ज्यादा से ज्यादा चंदा जुटाने के लिए आतंकी संगठनो ने तैयारी शुरू कर दी है। बड़े शहरों में जगह-जगह पोस्टर लगाए जा रहे हैं। 80 आतंकियों के नाम पोस्टर में शामिल किए गए हैं। जो भारतीय सेना के हमले में मारे गए हैं।

पाकिस्तान में अब उनके नाम पर जैश मोहम्मद, 30000 नए आतंकी तैयार कर रहा है। इस खबर के बाद भारत सरकार की चिंता बढ़ गई है।

'पीओके खाली करें आतंकवादी'

पाक संग द्विपक्षीय संबंधों पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। वहीं विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है। सिर्फ दो पक्षों के ही बीच बातचीत होगी। हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। उन्हें भारत को उन कुख्यात आतंकवादियों को सौंपना होगा, जिनके रिकॉर्ड और सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी। रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, 'जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा।

इसके साथ ही सिंधु जल संधि पर भी भारत का सख्त रुख रखतने हुए उन्होंने कहा- जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को दोहराते हुए कहा, 'आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार भी एक साथ नहीं हो सकते। और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

ईरान में लापता तीन भारतीयों को लेकर चिंतित : एक अलग विषय पर बोलते हुए जायसवाल ने बताया कि ईरान के तेहरान शहर में तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। उन्होंने कहा, तीनों भारतीय नागरिक कुछ समय पहले तेहरान पहुंचे थे, लेकिन अब उनका कोई पता नहीं चल पा रहा है। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और वे हमारी सहायता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय इन तीनों नागरिकों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें हर संभव मदद दी जा रही है।

लश्करे तैयबा के दो आतंकवादी गिरफ्तार

सोपिया। जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सुरक्षाबलों ने लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो हाइब्रिड आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से दो एके-56 राइफल, चार मैगजीन, 7.62म39 मिमी के 102 राउंड, दो हैंड ग्रेनेड, दो पाउच, 5400 रुपए कैश, एक मोबाइल फोन, एक स्मार्टवॉच, दो बिस्किट पैकेट और एक आधार कार्ड मिला है।

आतंकियों की पहचान इरफान बशीर और उजैर सलाम के रूप में हुई है। दोनों को उस वक्त पकड़ा गया, जब शोपियां पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की 178 बटालियन ने बसकुचन इलाके में कॉर्डन एंड सर्च ऑपरेशन के दौरान इलाके की घेराबंदी की। इस दौरान एक बगीचे में आतंकवादियों की हरकत देखी गई। सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर लिया, जिसके बाद उन्हें सरेंडर करना पड़ा। आतंकवादियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच जारी है।

कार्रवाई

दो एके-56 राइफल सहित कई हथियार जब्त

'प्रधानमंत्री ऐसे बात कर रहे जैसे हर महिला के पति हों'

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी की विवादित टिप्पणी

कोलकाता। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भाजपा के सिंदूर वितरण कार्यक्रम पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सेना के शौर्य पर सियासत करने का आरोप लगाया है। पीएम मोदी और भाजपा हमला बोलते हुए टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने विवादित टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे बात कर रहे हैं, जैसे हर महिला के पति हों। वे अपनी पत्नी को सिंदूर क्यों नहीं देते? हालांकि, मैं इस संबंध में बात नहीं करना चाहती, लेकिन आपने मुझे बोलने के लिए मजबूर कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस देश के अलग-अलग राज्यों में जनसभा और रोड शो कर रहे हैं। इसी कड़ी में आज उन्होंने बंगाल के अलीपुरद्वार में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान सिंदूर खेला और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। इसके अलावा ममता सरकार की भ्रष्ट नीतियों को लेकर हमला बोला। पीएम मोदी ममता बनर्जी के गढ़ में थे, ऐसे में टीएमसी द्वारा एक्शन का रिएक्शन आना ही था। ममता बनर्जी ने प्रेस वार्ता में कहा कि ह्लसिंदूर का संबंध हर महिला से है। सिंदूर को पवित्र माना जाता है। महिलाएं इसे अपने पति के लिए लगाती हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर मैं कोई कमेंट नहीं करना चाहती। हर महिला का सम्मान होता है। ममता बनर्जी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो कहा उससे न केवल अंचभित हूं, बल्कि यह सुनना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष मिलकर दुनियाभर में देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है। राष्ट्रीय हित उन्होंने साहसिक कदम उठाया है। ऐसे समय में पीएम मोदी और उनके नेता कह रहे हैं कि ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे। ममता बनर्जी पीएम मोदी को ललकारते हुए कहा कि मैं चुनौती देती हूं, हिम्मत है तो कल चुनाव लड़ें। इसके अलावा बनर्जी कहा कि पीएम मोदी जब बंगाल की आलोचन कर रहे हैं, तब मैं आतंकवाद के खिलाफ केंद्र सरकार का समर्थन कर रही हूं।

संक्षेप समाचार...

उपराष्ट्रपति ने चौधरी चरण सिंह को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह की गुरुवार को पुण्यतिथि थी। इस मौके पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुबह नई दिल्ली में स्थित किसान घाट पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं। वह हमारी सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का मूल हैं। चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि हमें इसकी याद दिलाती है।

बांग्लादेशियों को बीएसएफ के जवानों ने खदेड़ा

नई दिल्ली। बांग्लादेश-भारत बॉर्डर पर अचानक से कोलाहल मचने लगा। सेना के जवानों ने सीमा पर देखा तो बड़ी संख्या में बांग्लादेशी दिख रहे थे। अचानक हलचल से बीएसएफ ने तुरंत मोर्चा संभाला और भारत में घुसने की कोशिश करने वाले 40 से अधिक बांग्लादेशियों को रोक दिया।

1700 साल पुरानी शिव पार्वती की दुर्लभ मूर्ति

जमुई। बिहार के जमुई जिले के मंजोस गांव मे शिव पार्वती की एक दुर्लभ मूर्ति प्राप्त हुई है। इसे 1700 से 1800 वर्ष पुरानी प्रतिमा बताई जा रही है। यह मूर्ति उमा-महेश्वर रूप में है। शिव-पार्वती एक साथ विराजमान हैं। पुरातत्व विशेषज्ञों के अनुसार यह मूर्ति पाल वंश के समय की बताई जा रही है। इस ऐतिहासिक मूर्ति को लेकर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच में टकराव उत्पन्न हो गया है।

सेना पर टिप्पणी मामले में राहुल को कोर्ट से राहत नहीं

लखनऊ। सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने कोई भी राहत देने से इनकार कर दिया है। राहुल गांधी के विरुद्ध लखनऊ की एक स्थानीय अदालत में परिवाद दाखिल करते हुए आरोप लगाया गया है कि न्याय यात्रा के दौरान उन्होंने सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि चीनी सैनिक हमारे सैनिकों की पिटाई कर रहे हैं।

अब भाजपा का सिंदूर लगाएंगी महिलाएं?

नेहा राठौर ने भाजपा पर उठाया सवाल, बोलीं- यूपी सरकार देगी सिंदूरदानी

नई दिल्ली। सरकार की कटु आलोचक सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर नेहा सिंह राठौर ने भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा है कि क्या अब देश अब महिलाएं भाजपा नेताओं का दिया हुआ सिंदूर लगाएंगी? क्या यह हिन्दू संस्कृति और परंपरा का अपमान नहीं है? सारे धर्मगुरु क्यों चुप हैं? अंधभक्तों को क्यों सांप सूंघ गया है । उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को मोदी सरकार घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत महिलाओं को उपहार स्वरूप सिंदूर दिया जाएगा। 9 जून से इसकी शुरूआत होगी। सरकारके इस फैसले की तीखी आलोचना करते हुए नेहा सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि क्या अब देश की महिलाएं भाजपा नेताओं का दिया सिंदूर लगाएंगी? क्या ये हिंदू संस्कृति और परंपरा का अपमान नहीं है? सारे धर्मगुरु चुप क्यों हैं? अंधभक्तों को सांप क्यों सूंघ गया है? क्या पवित्र सिंदूर भाजपा के चुनाव प्रचार का सामान है? गजब अंधेर है। मैं बिहार और पूरे देश की महिलाओं से कहूँगी जब भी भाजपा वाले सिंदूर लेकर आपके घर आयें तो आप लोग बाहर न निकलें... बंद दरवाजे के पीछे से ही डाँट दीजिएगा और बताइयेगा कि किसी पराए मर्द के हाथ का सिंदूर नहीं लिया जाता है। एक अन्य वीडियो पोस्ट में नेहा सिंह ने कहा- मैं बिहार और पूरे देश की महिलाओं से कहूंगी जब भी भाजपा वाले सिंदूर लेकर आपके घर आएं तो आप लोग बाहर न निकलें।

...आप लोग बंद दरवाजे के पीछे से ही डांट दीजिएगा और बताइयेगा कि किसी पराए मर्द के हाथ का सिंदूर नहीं लिया जाता है। उन्होंने लिखा कि सिंदूर, बिंदी, बिछिया, महावर, कंघी, नेलपॉलिश, तीज, खिचड़ी, गवना, दोंगा, कोहबर, माड़ो, छट्ठी, बरही...इन सब से आपको क्या मतलब है? घर-घर रोजगार दीजिए... तमाशा मत कीजिए। एक्स पर लोगों ने भी मिलीजुली प्रतिक्रिया व्यक्त की है। मनोज शर्मा ने लिखा- अब नौटंकी हद से ज्यादा हो गई है। अगर किसी महिला के पति अलावा और फुक्के सिन्दूर देने आएं तो उन्हें भगाना ही धर्म है। राहुल देव ने लिखा- किसी पराए मर्द का सिंदूर नहीं लिया जाता, लेकिन मेरी जानकारी के हिसाब से बिहार में सिंदूर अगर उपहार स्वरूप दिया जाए तो सुहाग के लिए लंबी उम्र का आशीर्वाद माना जाता हैं।

साइबर स्केनिंग नामक हैंडल से लिखा गया- फिर तो जो मर्द दुकानदार सिंदूर बेचते है फड़ी पर, दुकान पर उनका क्या? सिंदूर लगा नहीं रहे, देने को कह रहे हैं। सिंदूर को भेंट स्वरूप भी दिया जाता है। आपके घर की औरतों ने ना जाने कितनी बार लिया होगा किसी ना किसी मर्द दुकानदार से सिंदूर।

दो चीनी नागरिक नेपाल सीमा पर पकड़े गए, पुलिस करेगी पूछताछ

मधुबनी। बिहार के मधुबनी जिला के हरलाखी थाना क्षेत्र स्थित पिपरौन-जटही अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर दो चीनी नागरिकों को 48 एसएसबी बटालियन के सतर्क जवानों ने पिलर संख्या- 284/35 के पास बुधवार दिनांक 28 मई को तब गिरफ्तार किया जब दोनों चीनी नागरिक अनधिकृत रूप से भारतीय सीमा में प्रवेश कर रहे थे। इनमें एक चीनी नागरिक का नाम वू हेलोंग (उम्र-38 वर्ष), नागरिकता- चीन, जन्मतिथि - 24 फरवरी1987 है। यह हेलोंग जियांग डालियान सिटी, लियाओनिंग प्रान्त का रहने वाला है। इसका पासपोर्ट नम्बर- 9961400 है तथा पिता का नाम शेन जहोंग मिंग है। वहीं दूसरा चीनी नागरिक का नाम शेन जूं योंग है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्राथमिक पूछताछ में पता चला कि वू हेलोंग विगत 14 मार्च को टूरिस्ट वीजा पर काठमांडू पहुँचा। उसके पास 11 जून 2025 तक का वैध वीसा है। जिसका विस्तार 11 जुलाई 2025 तक की अवधि के लिए किया गया है। काठमांडू और पोखरा घूमने के बाद वह 26 मई को जनकपुर पहुँचा और एक होटल में ठहरा।

केंद्र के आदेश के बाद नागरिक मॉक ड्रिल स्थगित : नई दिल्ली। देश के सीमावर्ती राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गुरुवार को नागरिक मॉक ड्रिल होनी थी। इस मॉक ड्रिल को प्रशासनिक कारणों से स्थगित किया गया है। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य है कि पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव की स्थिति को देखकर आपातकालीन तैयारियों को मजबूत किया जाए। हरियाणा, राजस्थान, पंजाब सहित कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश जैसे चंडीगढ़ में बुधवार देर शाम आधिकारिक तौर पर मॉक ड्रिल स्थगित कर दी है। ये फैसला प्रशासनिक कारणों से लिया गया है। हरियाणा गृह विभाग की ओर से स्थगन की पुष्टि की गई है। बयान में कहा गया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुसार हरियाणा गृह विभाग ने व्यापक नागरिक सुरक्षा अभ्यास, ऑपरेशन शील्ड को स्थगित करने की घोषणा की है।

परेशानीः बारिश सिर पर, सड़क बनाने को खोदी सड़क

गड्ढे के साथ ही नालों की सफाई कर मलबा भी सड़कों पर फैलाया, सिगरा में स्कूल के समीप फैली नाले की गंदगी

वाराणसी। जिले में मानसून की दस्तक अगले माह में होने की उम्मीद मौसम विभाग जता रहा है, वहीं जिला मुख्यालय व आसपास के क्षेत्रों में मानसून पूर्व की बारिश का दौर भी शुरू हो गया है, लेकिन नगर नगर ने शहर के नालों की सफाई कर सिल्ट को वहीं छोड़ दिया है। हर साल मानसून से पहले नगर की ओर से शहर के मुख्य नालों की सफाई कराई जाती है, इस बार विभाग की ओर से यह कार्य कराया जा रहा है, लेकिन मसला यह नहीं कि सिल्ट सड़क पर छोड़ दी गई है, बल्कि सिल्ट सफाई के समय का चुनाव। जो काम अप्रैल में होना था, वह मई के दूसरे पखवाड़े में किया गया और सिल्ट नाली के करीब छोड़ दिया गया। सिल्ट गीली रहती है तो तर्क जिम्मेदारों के ये होते हैं कि इसे कैसे उठाया जाए। थोड़ा सूख जाए तो ले जाने में आसानी होगी। गजब की बात है! इसी तर्क में सारी समस्या छिपी है। सिल्ट छोड़ देने से इतनी गर्मी में वह कुछ घंटे में सूख जाती है और न उठाने की दशा में वह गाड़ियों के टायरों से दबकर

फिर से नाले की नजर हो जाती है। ऐसा बदस्तूर होता रहता है। लोग जानते हैं कि ऐसा संबंधित विभाग और अधिकारी क्यों करते हैं। लेकिन बिल्ली के गले में घंटी बांधने की सोचते-सोचते पीढ़ियां चली गईं। क्या जिम्मेदार नहीं जानते कि सिल्ट की सफाई कब होनी चाहिए। सीवर की सफाई का इतना बड़ा बजट कहां चला जाता है, ये सभी जानते हैं। हर साल सीवर साफ और फिर भी गंदा ही मिलता है।

12 माह का गंदा एक बार में थोड़े ही साफ होता है। फिर सफाई का इतना बड़ा बजट! कहां जाता है वो पैसा? जमाना बदलकर कहां से कहां आ गया, पर ये लकीर की फकीरी अपनी मंजिल पर ही नहीं पहुंची। बारिश आने की बात मौसम विभाग मान रहा है और यदि ये सच निकली तो फिर समझ लीजिए, कि शहर में जाम लगना ही है।

नालों के पास जमी सिल्ट नहीं हटी तो गंदगी के चलते शहर के कई नाले जाम फिर से जाम हो जायेंगे। ऐसे में बारिश के दिनों में नाले ओवर फ्लो हो जायेंगे। गंदा पानी सड़कों पर बहने लगेगा। और बारिश के दिनों में वाहन चालकों व राहगीरों को परेशानी होगी। कई बार तो नालों के ओवर फ्लो होने से हादसे का डर भी बना रहता है। नालों का पानी घरों में भी घुस जाता है। बारिश आने से पहले सड़क खोदने के कारण राहगीरों को काफी परेशानी हो रही है। बारिश में सड़क पर गड्ढे होने से दुर्घटना का खतरा बढ़ जाने की संभावना है, और लोगों को आवागमन में दिक्कतें होंगी। इसके साथ ही नालों की सफाई कर सिल्ट सड़कों पर ही रख दिया जा रहा है। जिससे ना सिर्फ क्षेत्रीय लोगों के लिए नारकीय स्थिति बन रही है, बल्कि आने जाने वाले लोगों के लिए भी एक बड़ी मुसीबत बन गयी है। कीचड़ की सिल्ट में रोजाना दो पहिया वाहन वाले गिर कर चोटिल हो रहे हैं। बारिश के पूर्व अगर संबंधित विभाग की ओर गड्ढों को नहीं पाटा गया तो ऐसे में इन सब समस्याओं से लोगों को जूझना होगा। वाराणसी की सड़कों पर चलना दूभर हो जायेगा। क्षेत्रीय लोगों की मानें तो संबंधित विभाग को जब मालूम था कि अब कुछ दिनों में मानसून दस्तक देगा तो ऐसे में इस टेंडर को निरस्त कर देना चाहिए था। विभाग को आम लोगों की परेशानी से कोई सरोकार नहीं। इसी तरह नाले की सफाई कर सिगरा क्षेत्र के एक कान्वेंट स्कूल के समक्ष करीब पांच सौ मीटर तक सिल्ट सड़क पर एक हफ्ते से छोड़ दिया गया है। उस स्थान की सड़क की चौड़ाई भी बहुत कम है ऐसे में तीन फीट की दूरी में पूरी सिल्ट लगा दी गयी है। जिससे सिल्ट में से गुजरना लोगों की विवशता है। इतना ही नहीं स्कूली बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

आकाश अंबानी ने विश्वनाथ मंदिर में करोड़ रुपये से अधिक का किया दान

वाराणसी। उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे आकाश अंबानी बुधवार को काशी पहुंचे। उन्होंने काशी विश्वनाथ के दर्शन किए और षोडशोपचार पूजन किया। इसके बाद गंगा आरती में शामिल हुए। उन्होंने मंदिर न्यास को एक करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया है। रिलायंस जियो इंफोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी देर शाम श्री काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां

पुजारियों ने षोडशोपचार पूजन कराया। विधि-विधान से पूजन कर उन्होंने बाबा का आशीर्वाद लिया। पूजन के बाद बाबा के शिखर को नमन किया। यहां स्थापित अन्य मंदिरों में भी दर्शन किए। मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें रुद्राक्ष की माला और प्रसाद भेंट किया गया। उन्होंने कहा कि काशी आकर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव कर रहा हूं। कहा कि अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी बाबा के आशीर्वाद से सकुशल सम्पन्न हुई।सूत्रों के मुताबिक उन्होंने मंदिर न्यास को एक करोड़ से अधिक रुपयों का दान किया। इस दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्वभूषण मिश्र, एसडीएम शंभु शरण समेत अन्य पुजारी मौजूद रहे। बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने के बाद आकाश अंबानी दशाश्वमेध घाट पहुंचे। यहां अर्चकों ने मां गंगा का वैदिक रीति से पूजन कराया। इसके बाद वह आरती में शामिल हुए। गंगा सेवा निधि के अध्यक्ष सुशांत मिश्रा, कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी सचिव हनुमान यादव ने उन्हें अंगवस्त्रम, प्रसाद, मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया। उन्हें परिवार के सभी सदस्यों के साथ आने के लिए आमंत्रित किया। गंगा आरती के बाद उन्होंने क्रूज की सवारी भी की।

सीएनजी से लदे ट्रक में लगी आग, हड़कंप

वाराणसी। मंडुवाडीह क्षेत्र के चांदपुर चौराहे पर शुक्रवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब प्रयागराज की ओर जा रही सीएनजी सिलिंडर से लदी एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना जैसे ही हुई, मौके पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक बौलिया लहरतारा से मोहनसराय की ओर जा रही थी। जब ट्रक चांदपुर चौराहे के पास पहुंची, तभी उसमें अचानक आग लग गई। सीएनजी जैसी ज्वलनशील गैस से लदी ट्रक में आग लगना एक गंभीर हादसे को जन्म दे सकता था। लेकिन गनीमत रही कि मौके पर मंडौली चौकी इंचार्ज राहुल सिंह अपने पुलिस बल के साथ उपस्थित थे। राहुल सिंह ने बिना समय गंवाए तत्काल स्थिति को समझा और अपने कर्तव्य का परिचय देते हुए स्थानीय लोगों और पुलिस बल की मदद से अग्निशमन यंत्र का प्रयोग कर आग पर काबू पा लिया।

तीन जोन में गरजे बुलडोजर

रोषः नालों पर अतिक्रमण को लेकर कार्रवाई, भारी विरोध

वाराणसी। शहर में शुक्रवार को तीन जोन में एक साथ बूलडोजर गरजा। नालों पर अतिक्रमण के खिलाफ नगर निगम ने जहां जबरदस्त अभियान चलाया,वही भारी विरोध के बाद भी ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई की और अतिक्रमण तोड़ा तथा लाखो रूपये जुर्माना वसूला। इसको लेकर नगर आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम की टीम अभियान के पहले दिन लावलश्कर के संग वरूणापार जोन में पहुंचा और सारनाथ जोन के अलावा आदमपुर जोन में जा धमका। जहां वरूणापार के जोनल अधिकारी जितेद्र कुमार आनंद,सारनाथ जोन के जोनल अधिकारी अनुपम त्रिपाठी और आदमपुर जोन के जोनल अधिकारी मृत्युजंय नारायण मिश्र के नेतृत्व में अभियान की जबरदस्त शुरूआत की। इस दौरान टीम ने एक तरफ वरूणापार जोन के नदेसर और भोजूबीर में जबरदस्त अभियान चलाया और तहसील के सामने पहुंचा। जहां पी.डब्लू.डी. के पीछे नगर निगम के बड़े नालें पर प्रतिष्ठान द्वारा 200 मीटर में टाइल्स लगाकर अतिक्रमण किए जाने को देखा और मनमानी पर पूछताछ की। इस दौरान भारी विरोध के बावजूद नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस फोर्स की उपस्थिति में टाइल्स को तोड़ा और अतिक्रमण हटा नाला साफ कराया। वहीं दूसरी तरफ सारनाथ जोन के कई जगहो

पर बुलडोजर ने कार्रवाई की। जोनल अधिकारी अनुपम त्रिपाठी के नेतृत्व में नगर निगम की टीम जहां जोन के कालीमाता मंदिर से पहड़िया चौराहा पर पहुंचा। जहां पूरे इलाके सहित पहड़िया चौराहा से ओमनगर चौराहा तक तथा ओम नगर चौराहा तक और ओमनगर चौराहे से रोनाबेला तक के क्षेत्र में अतिक्रमण वही उक्त स्थानों पर नोलों पर किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान नगर निगम की टीम ने अतिक्रमणकारियो से 11 हजार रूपए जुर्माना वसूल किया और सख्त कार्रवाई की। जबकि आदमपुर जोन के जोनल अधिकारी मृत्युजंय नारायण मिश्र के नेतृत्व में बूलडोजर ने छविमहल के पास गरजा और नाले पर किये गये अतिक्रमण को जहां तोड़ा ,वही अतिक्रमण करने वालों से रु0 1.14 लाख का जुर्माना ठोका।

वीरांगना अहिल्याबाई होलकर को किया याद

वाराणसी। नव सृजन फाउंडेशन संस्था द्वारा प्रतिदिन नि:शुल्क शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों द्वारा नव सृजन फाउंडेशन संस्था की अध्यक्ष प्रीति जायसवाल द्वारा निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाया गया। निबंध का विषय कुशल शासक समाज सेविका धार्मिक वीरांगना अहिल्याबाई होलकर जी के जीवन परिचय विषय पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित करवाया गया आयोजित प्रतियोगिता में संस्था के सभी बड़े बच्चे प्रतिभागी रहे। नव सृजन फाउंडेशन में प्रतिदिन नि:शुल्क शिक्षा के साथ बच्चों को दैनिक जीवन के संस्कार, योग, खेलकूद, आर्ट और क्राफ्ट व आत्म रक्षा की भी शिक्षा दी जाती है।

बेगमपुरा अब बलिया से होगी संचालित

वाराणसी। ट्रेन संख्या 12237/38 वाराणसी-जम्मूतवी बेगमपुरा एक्सप्रेस को बलिया से चलाने की तैयारी है। 14235/36 वाराणसी-बरेली एक्सप्रेस का संचालन गाजीपुर से किया जाएगा। वहीं, बलिया-मुंबई के बीच चलने वाली 11071/72 कमायनी एक्सप्रेस का विस्तार छपरा तक होगा। उत्तर रेलवे यूपी बड़ौदा हाउस नई दिल्ली की ओर से लखनऊ समेत अन्य डिविजन को पत्र भेजकर इसकी रिपोर्ट मांगी गई है।

ट्रॉमा सेंटर में प्रोफेसर इंचार्ज व सर्जन के विवाद ने पकड़ा तूल

हड़कंपः पूर्व निर्धारित ऑपरेशन से डॉक्टरों ने खींचे हाथ

वाराणसी। ट्रॉमा सेंटर में प्रोफेसर इंचार्ज सौरभ सिंह और सर्जन प्रो. शशि प्रकाश मिश्रा के बीच 26 मई को हुई तकझक का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। घटना पर नाराजगी जताते हुए सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने बड़ा फैसला लिया है, जिसके तहत ट्रॉमा सेंटर में इलेक्टिव सर्जरी यानि पहले से तय ऑपरेशन से डॉक्टरों ने हाथ खींच लिए हैं। केवल इमरजेंसी सर्जरी ही की जाएगी। विभाग के सभी सर्जन प्रो. सौरभ सिंह को पद से हटाने के साथ बाउंसरों को हटाने की मांग पर अड़े हैं।

इसका असर उन मरीजों पर पड़ेगा, जिनके ऑपरेशन की तिथि पिछले दिनों तय की थी गई। डॉक्टरों के निर्णय से उनकी परेशानियां बढ़ेंगी। इलेक्टिव सर्जरी में दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल मरीजों का ऑपरेशन किया जाता है। ट्रॉमा सेंटर में रोजाना 10-

12 इलेक्टिव सर्जरी होती हैं। जांच कमेटी के चेयरमैन के अलग होने की चर्चा प्रोफेसर सौरभ सिंह और प्रो. शशिप्रकाश मिश्रा के बीच हुई तकझक मामले में आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार ने चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित की थी। चर्चा है कि कमेटी के चेयरमैन ने ही समिति में शामिल होने में असमर्थता जताई है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। विभाग के रेजीडेंट डॉक्टरों ने धरना-प्रदर्शन भी किया। ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज डॉ. सौरभ सिंह और सर्जन डॉ. एसपी मिश्रा के विवाद से खफा सर्जरी विभाग के रेजीडेंट डॉक्टरों ने गुरुवार को प्रदर्शन किया था। काली पट्टी बांधकर काम किया। आईएमएस बीएचयू के गेट पर ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए धरना दिया और कार्रवाई की मांग की। रेजीडेंट डॉक्टरों का कहना है कि सर्जरी विभाग के डॉ. एसपी मिश्रा के साथ बाउंसरों ने दुर्व्यवहार किया, जो किसी भी तरह क्षम्य नहीं है। ट्रॉमा सेंटर में आए दिन ये बाउंसर कभी मरीजों, उनके परिजनों तो कभी डॉक्टरों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं। विरोध दर्ज कर रहीं रेजीडेंट डॉ. अनन्या ने कहा कि सर्जरी विभाग के डॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की दुर्भाग्यपूर्ण है। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और बाउंसरों पर कठोर कार्रवाई की जाए। डॉ. सौरभ सिंह को पद से हटाया जाए तथा जांच पूरी होने तक ट्रामा सेंटर का कार्यभार आईएमएस के निदेशक देखें।

डंपर की टक्कर से नौ विद्युत पोल टूटे

वाराणसी। कपसेठी थाना क्षेत्र के ऊपरवार गांव में गुरुवार की रात मिट्टी खनन कार्य में लगे डंपर ने विद्युत पोल में टक्कर मार दी जिससे 9 पोल टूट कर गिरे गये।घटना से 10 घंटे तक लगभग 40 गांवो की विद्युत आपूर्ति बाधित रही।घटना को लेकर ग्रामीण कल्लू सिंह ने बताया कि इस समय क्षेत्र में खनन माफियाओं द्वारा बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन कार्य किया जा रहा है जिससे रात भर ट्रैक्टर और डंफरों की गड़गड़ाहट से सोना दुश्वार हो गया है।

वहीं, गुरुवार की रात तेज रफ्तार नियंत्रित डंफर ने सड़क के किनारे लगे विद्युत पोल में टक्कर मार दिया जिससे 9 विद्युत पोल टूट कर गिर गए और 40 गांव में 10 घंटे तक विद्युत आपूर्ति तप हो गई। उन्होंने यह भी बताया कि एक पोल तो हमारी घर के चारदीवारी पर गिरी है जिससे पास में बांधी गाय विद्युत की चपेट में आ गई संयोग सही रहा की हम लोगों की नींद खुल गई और गाय की जान बच गई इसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा 112 पर फोन कर पुलिस को भी दी गई इस मामले में विद्युत अवर अभियंता रामबाबू चौहान ने बताया कि मामला संज्ञान में है। पोल टूटने की जिम्मेदार लोग पोल लगवाने की बात कर रहे हैं यदि नहीं लगवाते हैं तो उनके

खिलाफ तहरीर देकर आगे की कार्यवाही की जायेगी इस मामले में जब थाना अध्यक्ष कपसेठी अरविंद सरोज से बात की गई तो उन्होंने बताया कि अभी विद्युत विभाग की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है मिलने के उपरांत मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कार्यवाही की जायेगी।

रिवाल्वर रखने के दोषी को कोर्ट ने किया दंडित : वाराणसी। विशेष न्यायाधीश चतुर्थ (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) रवींद्र कुमार श्रीवास्तव की अदालत ने अवैध हथियार रिवाल्वर व प्रतिबंधित कारतूस रखने के आरोप में जंसा थाना क्षेत्र के हरसोस गांव निवासी अशोक पटेल को दोषी करार देते हुए दंडित किया। अदालत ने अभियुक्त को सात साल के कारावास एवं 10 हजार रुपए जुमार्ना की सजा सुनाई। जुमार्ना न देने पर अभियुक्त को चार माह अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी।

मुकेश के परिजनों को पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य ने दी सांत्वना

रामनगर (संतोष अग्रहरि)। भारतीय जनता पार्टी रामनगर मंडल के पदाधिकारी कार्यकर्ता सोमवार को उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सत्येंद्र कुमार बारी के साथ रामनगर थाने का निरीक्षण किया इस अवसर पर रामनगर थाना प्रभारी निरीक्षक राजू सिंह को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया गया उसके बाद सभी लोग मृत मुकेश के परिजन से मिलने गोलाघाट स्थित उसके आवास गए पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य ने शासन से हर संभव सहयोग पीड़ित परिवार को दिलाने के साथ ही भरोसा दिलाया कि उनके साथ न्याय होगा इस अवसर पर रामनगर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रीति सिंह, अशोक जायसवाल, एडवोकेट राजकुमार सिंह, अजय प्रताप सिंह, रितेश पाल गौतम, पंडित राघवेंद्र मिश्रा, गौरव गुप्ता, मदन सोनकर आदि उपस्थित रहे।

चुनाव में सरदार मंजीत सिंह बने प्रबंधक

गहमा गहमी के बीच पर्ची से हुआ गुरुद्वारा प्रबंधक का चुनाव, जुटे लोग

रिम्मी कौर

वाराणसी। रामनगर गुरुद्वारा सिंह सभा में शनिवार को रात 9.30 बजे प्रबंधक का चुनाव गहमागहमी के बाद संपन्न हुआ, जिसमें सरदार मंजीत सिंह की पर्ची निकलने की प्रक्रिया के जरिए नया प्रबंधक चुना गया। चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरदार गुर्जोत सिंह और सरदार मंजीत सिंह के नाम की पर्ची गुरुद्वारा में डाली गई। जिसमें छोटे बच्चे ने सरदार मंजीत सिंह के नाम की पर्ची निकली। तालियों के बीच माला पहनाकर नए प्रबंधक मंजीत सिंह का जोरदार स्वागत किया गया। बता दें कि पिछले दो वर्षों से प्रबंधक के चुनाव को लेकर सिख संगत दो खेमों में बंटी गई थी।

जिससे आए दिन किसी न किसी बात को लेकर विवाद की स्थिति बनी रहती थी। इसके पूर्व अपनी मर्जी के आधार पर पिछले वर्ष चुनाव हुआ था। जिसमें सिख समाज के एक गुट ने सरदार दलजीत सिंह को और दूसरे गुट के सिख समाज ने गुर्जोत सिंह को प्रबंधक चुना था। तब से आपसी तालमेल नहीं होने के कारण गुरुद्वारा में तनाव की स्थिति बनी रहती थी। गुरुद्वारा में कोई भी फंक्शन दलजीत सिंह की अनुमति से हो रहा था। इसी क्रम में शुक्रवार को शहीदी दिवस पर गुरुद्वारा में किसी बात को लेकर दोनों गुट के सिख आपस में टकरा गए। दोनों गुटों में विवाद होने पर मामला थाने तक पहुंच गया। इसके बाद उनके निर्देश पर चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुआ। मंजीत सिंह को नया प्रबंधक चुने जाने के बाद रामनगर का सिख समुदाय निहाल हो गया।

मोटर मैकेनिक को मारी गोली

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। शिवपुर थाना क्षेत्र के चंद्रिका नगर कॉलोनी, सुद्धिपुर में एक मोटर मैकेनिक को सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार सवार बदमाश ने गोली मार दी। गोली मारने से पहले कार सवार बदमाशों ने मोटर मैकेनिक से कार सही से न चलाने की बात कहकर कहासुनी की थी।

घायल मोटर मैकेनिक को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर ने उसकी हालत स्थिर बताई है। सीसी कैमरों की फुटेज की मदद से शिवपुर थाने की पुलिस कार और बदमाशों को चिह्नित करने का प्रयास कर रही है।

गांधी चबूतरा, बसही निवासी बनारस बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सतीश कुमार तिवारी ने अपनी कार रिपेयरिंग के लिए सुद्धिपुर निवासी मोटर मैकेनिक सोनू सोनकर को दी थी। रिपेयरिंग के बाद सोनू ने अपने साथियों अशोक सोनकर और गणेश के साथ कार को धक्का देकर स्टार्ट किया।

सुद्धिपुर पेट्रोल पंप के सामने से यू-टर्न लेकर वह चंद्रिका नगर कॉलोनी के सामने पहुंचा। रात लगभग 12.30 बजे वह कार लेकर गिलट बाजार की तरफ बढ़ा। उसी दौरान बाबतपुर की ओर से सफेद रंग की एक स्विफ्ट डिजायर कार आ रही थी। कार पर भारत सरकार लिखा था। सोनू ने बताया कि उसकी कार के बगल में बाएं तरफ आकर वह कार रुकी। उसमें सवार दो युवकों ने कहा कि कार ठीक से चलाना नहीं आता है। इसके साथ ही दोनों गालीगलौज करने लगे। सोनू ने गालीगलौज का विरोध किया तो स्विफ्ट डिजायर कार में बाएं साइड की सीट पर बैठे एक युवक ने गोली चला दी।

गोली सोनू के बाएं कंधे पर लगी। इसके बाद गोली मारने वाले कार लेकर गिलट बाजार की ओर भाग निकले। सोनू के साथियों ने उसे मलदहिया के निजी अस्पताल और मंडलीय अस्पताल होते हुए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। इस संबंध में डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने बताया कि सीसी कैमरों की फुटेज से पता लगा है कि दोनों कार में हल्की टक्कर हुई थी। उसके बाद कहासुनी हुई और फायरिंग की गई। आरोपी जल्द ही पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह**, कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

वाराणसी में बदलती हवा ने तपिश को बढ़ाया

वाराणसी। नौतपा ने अपना असर दिखा दिया है और शुक्रवार को धूप इतनी तीखी थी कि सौ गज भी पैदल चलना दूभर हो रहा था। गुरुवार को बादलों के डेरे आसमान पर थे और कई जगहों पर बारिश भी हुई,हालांकि अधिकतर स्थानों पर सूखा ही रहा।

यही वजह है कि शुक्रवार को सुबह से ही तापमान आंखे तरेरे हुए था और सुबह से ही गर्मी से लोग परेशान दिखे। अधिकतम तापमान 43 डिग्री का स्पर्श कर गया जबकि न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस रहा और इसका साफ अर्थ है कि गर्मी किस हद तक बढ़ गई है। सड़क पर निकले लोग यह करते दिखे कि जिन दुकानों और माल्स मे एसी चल रहा था, वहा किसी बहाने से तपिश से राहत पाने का उपाय खोज निकाला। माल की भीड़ देखकर कई लोगों को भ्रम हो गया,पर सच यही था कि गर्मी से परेशान लोग राहत पाने के लिए उसकी शरण में दिखे।

गर्मी की छुट्टियों में हुआ समर कैंप का शुभारंभ

वाराणसी। नवसृजन फाउंडेशन द्वारा एक जून से लेकर 15 जून तक संस्था द्वारा गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप शुरू किया गया समर कैंप के इस आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस आयोजन में मुख्य अतिथि सेवा प्रमुख काशी उत्तर भाग डॉ राहुल सिंह भाई साहब और विशिष्ट अतिथि संघ चालक हरिशंकर भाई साहब रहे साथ ही

मुख्य शिक्षिका पूजा सेठ रहीं। संस्था की अध्यक्ष प्रीति जायसवाल जी द्वारा प्रति वर्ष इस समर कैंप द्वारा बच्चों को पेंटिंग,आर्ट एंड क्राफ्ट सिंगिंग, योग खेलकूद,आत्मरक्षा के गुण और बहुत सी प्रतिभाओं की शिक्षा दिया जाता है जिससे बच्चे गर्मी की छुट्टियों से लाभान्वित हो और हर तरह की प्रतिभाओं को सीखें। शुभारंभ में संस्था की अध्यक्ष प्रीति जायसवाल, बिना चौरसिया, पूजा सेठ, आयुषी अग्रवाल, अंजली गुप्ता, मैरी गुप्ता, काजल सिंह, आराध्या जायसवाल, सनी केसरी, पल्लवी केसरी, गुड़िया सिंह, आदित्य अग्रवाल, सोनाली अग्रहरि आदि उपस्थित रहीं।